हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान...

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 09 मई 2026, वर्ष- 09, अंक- 74, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

सोमनाथ मंदिर हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प: पीएम मोदी

सोमनाथ मंदिर भारत की सभ्यता, स्वाभिमान और अदम्य आस्था का प्रतीक

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 11 मई को उन्हें एक बार फिर वहां जाने का सौभाग्य मिलेगा। उन्होंने इसे भारत की सभ्यता और आस्था की महानता का प्रतीक बताया और उन विभूतियों एवं वीरों को नमन किया जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी सोमनाथ की रक्षा की और उसकी शान को पुनर्जीवित किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में सोमनाथ पर लिखे अपने लेख को साझा करते हुए कहा कि यह अवसर हमें स्मरण कराता है कि इस पावन स्थल की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए देश की कई पीढ़ियों ने निरंतर संघर्ष किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। समुद्र की लहरें हमें यह सिखाती हैं कि चाहे कितने भी तूफान क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। प्रभास की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है और यहां आने वाले श्रद्धालु

उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का अनुभव करते हैं, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। प्रधानमंत्री ने उन असंख्य विभूतियों का स्मरण किया जिन्होंने आक्रमणों के बीच भी सोमनाथ की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों से लेकर महाराज धारसेन चतुर्थ, भीम प्रथम, जयपाल, आनंदपाल, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल सोलंकी, भाव बृहस्पति, पाशुपताचार्य, विशालदेव वाघेला, त्रिपुरांतक, महिपाल चूड़ासमा, राव खंगार चूड़ासमा और पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक नामों का जिक्र करते हुए कहा कि इन सबने कठिन समय में भी भक्ति और परंपरा को जीवित रखा। उन्होंने वीर हमीरजी गोहिल और वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों को भी नमन किया। प्रधानमंत्री ने अपने लेख में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार बल्लभ भाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि 13 नवंबर 1947 को सरदार पटेल ने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने समुद्र का जल हाथ में लेकर यह प्रतिज्ञा की थी कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। दुर्भाग्यवश वह इस सपने को साकार होते नहीं देख सके, लेकिन उनके विजन को केएम मुंशी ने आगे बढ़ाया और 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा हुआ। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उद्घाटन समारोह में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्हें अक्टूबर 2001 का वह समय याद है जब मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने दायित्व संभाला था।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुभाषित साझा कर भारतीय सेना के शौर्य को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय सेना के साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए जवानों का समर्पण हर देशवासी को गौरवान्वित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स पर पोस्ट साझा कर सेना के जज्बे की सराहना करते हुए लिखा कि "देश के मान-सम्मान की रक्षा के लिए भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम सभी देशवासियों को गौरवान्वित करता है। मां भारती के लिए मर-मिटने का उनका जज्बा हर किसी को प्रेरित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया- स्वधर्ममपि चावेक्ष्य न विकम्पितुमर्हसि | धर्म्याद्धि युद्धाच्छ्रेयोऽन्यत्क्षत्रियस्य न विद्यते।। इस सुभाषित का अर्थ है कि अपने कर्तव्य का बोध होने पर व्यक्ति के मन में किसी भी प्रकार की दुविधा या भय नही होना चाहिए, क्योंकि न्याय की वेदी पर धर्म और मर्यादा की रक्षा हेतु किया गया संघर्ष ही एक योद्धा के लिए आत्म-कल्याण का सर्वोतम और सर्वाधिक गौरवशाली मार्ग है।

तीनों सेनाओं के कमांडरों ने जयपुर में साइबर और स्पेस युद्ध पर किया गहन मंथन

दो दिन की कमांडर्स कांफ्रेंस के आखिरी दिन राजनाथ सिंह हुए शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

तीनों सेनाओं के कमांडर भविष्य के साइबर और स्पेस युद्ध पर चर्चा करने के लिए जयपुर में इकट्ठा हुए। सेना की दक्षिणी-पश्चिमी कमान के नेतृत्व में हुई दो दिन की कमांडर्स कांफ्रेंस में नवाचार, स्वदेशीकरण और नागरिक-सैन्य संलयन के जरिए आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमांडरों से कहा कि वे देश के दुश्मनों के लिए 'एलीमेंट ऑफ सरप्राइज' को बढ़ावा दें, ताकि वे किसी भी स्थिति में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर में 'नए डोमेन में मिलिट्री कैपेबिलिटी' विषय पर हुई दो दिनों की कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन शुक्रवार को शामिल हुए। 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह मनाने के लिए जयपुर पहुंचे रक्षा मंत्री ने कॉन्फ्रेंस के पहले दिन ऑपरेशन सिंदूर पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म रिलीज की। उन्होंने विजन 2047 और इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन आर्किटेक्चर और एयर डिफेंस के लिए जॉइंट डॉक्ट्रिन भी रिलीज किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के कमांडरों से कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर और मौजूदा ग्लोबल सुरक्षा हालात से सीखकर भविष्य के लिए तैयार रहें। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को कम समय का गहराई तक जाने वाला हाई-इंटेंसिटी और हाई-इम्पैक्ट ऑपरेशन बताया, जिसने दिखाया कि भारत अपने दुश्मन को सरेंडर करने पर मजबूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रदर्शन और नए सैन्य मूल्यों का प्रतीक था। रक्षा मंत्री ने तेजी से बदलते भू-राजनीतिक सुरक्षा परिदृश्य में तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया। उभरती टेक्नोलॉजी के बदलाव लाने वाले असर पर रेखांकित करते हुए उन्होंने संघर्ष के सभी पहलुओं में एक साथ देश की तैयारी पक्की करने की अहमियत पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं में संयुक्तता, एकीकरण और प्रौद्योगिकी अपनाने को बढ़ाने में हुई तरक्की की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वैश्विक रक्षा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों में संयुक्तता एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि नई सोच और बेहतर तालमेल से जीते जाएंगे। उन्होंने दुश्मन के एलिमेंट ऑफ सरप्राइज से सावधान रहने और हमेशा दो कदम आगे रहने को कहा। उन्होंने हथियारों और प्लेटफॉर्म के जरिए रक्षा बलों की क्षमताओं को बढ़ाने के वादे को दोहराया। उन्होंने कहा कि खास डोमेन में रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना स्टाफ के प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, सेना स्टाफ के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार, सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) सुकृति लिखी, सचिव (रक्षा वित्त) विश्वजीत सहाय और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

सुवेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान शाह ने मंच पर सुवेंदु अधिकारी को माला पहनाकर गले लगाया और जीत की बधाई दी।

शपथ ग्रहण समारोह आज : सुवेंदु अधिकारी शनिवार सुबह 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सुवेंदु अधिकारी ने इस विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हराकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। इसके अलावा उन्होंने नंदीग्राम सीट से भी लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की।

भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर, ड्रोन निर्माण में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा गूगल : वैष्णव

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर और ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गूगल के अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि कंपनी भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्रों में भी अवसरों का आकलन कर रही है। वैष्णव ने कहा, "गूगल भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर तथा ड्रोन के निर्माण के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल देश में उभरते एआई इकोसिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इसी वर्ष अप्रैल में गूगल ने विशाखापत्तनम में अपने 15 अरब डॉलर के एआई हब की आधारशिला रखी थी। सरकार पहले से ही सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठा रही है। गूगल की संभावित निवेश योजनाओं को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

ईडी ने गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के तीन संस्थापकों को गिरफ्तार किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के तीन संस्थापकों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को धनशोधन निवारण अधिनियम 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है। दीपक सिंह और पृथ्वीराज सिंह को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया और उन्हें बेंगलुरु की अदालत में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल की गई है। विकास तनेजा को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया गया है। ये गिरफ्तारी तब हुई जब केंद्रीय एजेंसी ने कथित धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित कई प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड' और अन्य संबंधित संस्थाओं के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया। ईडी ने एक दिन पहले गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर और कर्नाटक में 17 स्थानों पर छापेमारी भी की थी और कुछ दस्तावेज जब्त किए थे। ईडी के मुताबिक ये प्लेटफॉर्म 'रमीकल्चर', रमीटाइम ऐप आदि जैसे कई ऑनलाइन 'रियल-मनी गेम्स' का संचालन और स्वामित्व रखता है। धोखाधड़ी का शिकार हुए कई लोगों द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारण कंपनी के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज हैं।

देश में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की लगभग 20 फीसदी ऊर्जा हॉर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से होकर गुज़रती है, जिससे यह भारत के लिए बेहद अहम हो जाता है। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 40 फीसदी, एलपीजी का 90 फीसदी और प्राकृतिक गैस का 65 फीसदी हिस्सा मध्य-पूर्व से ही आयात करता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के चलते कच्चे तेल की कीमत लगभग 70 डॉलर से बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जबकि एलपीजी की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। उन्होंने कहा कि तेल विपणन कंपनियों को हो रहे नुकसान के बावजूद, भारत सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती करके एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर, पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देकर और गैस की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करके उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है। सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं। सरकार ने एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित की है, जिससे किसी भी वितरक को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर खाड़ी क्षेत्र के साथ भारत का संपर्क उच्चतम स्तर पर जारी है। विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की यूएई यात्राओं के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 7 मई, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया। भारत ने कतर और सऊदी अरब सहित अन्य खाड़ी साझेदारों के साथ भी संपर्क बनाए रखा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान विदेश सचिव ने यूएई की राज्य मंत्री और भारत के लिए विशेष दूत, रीम अल हाशिमी के साथ बातचीत की और खलदून अल मुबारक से मुलाकात की। चर्चाओं का मुख्य केंद्र व्यापार, निवेश, रक्षा, फिनटेक, स्वास्थ्य सेवा और पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय घटनाक्रम रहे। जायसवाल ने कहा कि उन्होंने मार्टिन ब्रिएन्स के साथ भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय बैठक में भी भाग लिया, जहां तीनों पक्षो ने अपनी साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और निर्धारित समय-सीमाओं के साथ एक व्यवस्थित रूपरेखा पर सहमति व्यक्त की।

ममता बनर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल से 'मुख्यमंत्री' शब्द हटाने को तैयार नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गई हैं। इस समय वह मुख्यमंत्री पद पर नहीं हैं, लेकिन उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अब भी उनकी पहचान "मुख्यमंत्री" के रूप में दर्ज है। इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्यपाल के निर्देश और विधानसभा भंग होने के बाद भी ममता बनर्जी का सोशल मीडिया पर "मुख्यमंत्री" पद का उल्लेख बनाए रखना संवैधानिक मर्यादाओं पर सवाल खड़ा करता है। इसे लेकर विभिन्न राजनीतिक वर्गों में चर्चा तेज हो गई है। ममता बनर्जी पहले ही चुनाव परिणामों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि यह जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश का परिणाम है और वह चुनाव नहीं हारी हैं। इसी कारण उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से भी इनकार किया था। हालांकि संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्यकाल समाप्त होने के बाद गुरुवार को राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश जारी किया।

विधानसभा चुनावों के इंडेक्स कार्ड्स

सांख्यिकीय रिपोर्ट्स रिकॉर्ड समय में प्रकाशित

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में खत्म हुए विधानसभा चुनाव और पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए रिकॉर्ड समय में इंडेक्स कार्ड्स और सांख्यिकीय रिपोर्ट्स प्रकाशित कर दी है। इंडेक्स कार्ड्स में उम्मीदवारों, मतदाताओं, डाले गए मतों, गिने गए मतों, पार्टीवार और प्रत्याशीवार मतों का विस्तृत विवरण दिया गया है। आयोग ने बताया कि सभी 830 विधानसभा क्षेत्रों के लिए यह डेटा उपलब्ध करा दिया गया है। पश्चिम बंगाल की 144-फलता विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान 21 मई को होगा। आयोग ने बताया कि चुनाव परिणाम घोषित होने के 72 घंटे के भीतर इंडेक्स कार्ड्स और सांख्यिकीय रिपोर्ट्स जारी करना आयोग की पारदर्शिता और दक्षता का नया उदाहरण है। पहले यह प्रक्रिया कई सप्ताह से महीनों तक चलती थी क्योंकि फील्ड अधिकारियों द्वारा डेटा मैन्युअल रूप से भरा जाता था। ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म के आने से यह कार्य डिजिटल रूप से तेज हो गया है।

अमित शाह रविवार को देश में बाढ़ प्रबंधन, लू से निपटने की तैयारियों की करेंगे समीक्षा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 10 मई को यहां एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें देश में संभावित बाढ़ और लू (हीटवेव) की स्थिति से निपटने की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। गृह मंत्रालय के शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार बैठक में केंद्र सरकार की एजेंसियों की तैयारियों, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, संसाधनों की तैनाती और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम रखने के उपायों पर विशेष जोर रहेगा। बयान में कहा गया कि केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए 'समग्र सरकार' और 'समग्र समाज' दृष्टिकोण अपनाया है। इसके तहत केंद्र और राज्य सरकारों की एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को सशक्त बनाने तथा प्राकृतिक आपदाओं के दौरान 'शून्य जनहानि' के लक्ष्य पर लगातार ध्यान केंद्रित किया गया है। बैठक में देशभर में चलाए जा रहे दीर्घकालिक बाढ़ शमन उपायों की प्रगति की भी समीक्षा होगी। इसमें महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सुरक्षा, नदी प्रबंधन पहल और पूर्वानुमान संबंधी वैज्ञानिक प्रगति शामिल हैं। गृहमंत्री पिछले वर्ष आयोजित समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की स्थिति का भी आकलन करेंगे ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके और विभिन्न गतिविधियों के समन्वित क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके। बैठक के प्रमुख एजेंडों में उन्नत तकनीक और रीयल-टाइम डेटा के जरिए बाढ़ पूर्वानुमान एवं प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना, बाढ़ और लू जैसी एक साथ आने वाली आपदाओं से निपटने की तैयारी बढ़ाना, सामुदायिक जागरूकता एवं आपदा-रोधी क्षमता निर्माण कार्यक्रम तथा राहत सामग्री और चिकित्सा तैयारियों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करना शामिल है।

भ्रष्टाचार पर प्रहार, दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा

एजेंसी। बीजिंग

चीन ने अपने सैन्य तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई करते हुए दो पूर्व रक्षा मंत्रियों, वेई फेंगहे और ली शांगफू को सस्पेंडेड डेथ सेंटेंस (स्थगित मृत्युदंड) की सजा सुनाई है। सैन्य अदालत द्वारा सुनाया गया यह फैसला न केवल चीन के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक बड़ा संदेश माना जा रहा है। इन दोनों शीर्ष अधिकारियों को भ्रष्टाचार का दोषी पाते हुए मौत की सजा दी गई है, हालांकि कानून के प्रावधानों के तहत उन्हें दो साल की मोहलत दी जाएगी। यदि इस अवधि के दौरान उनका आचरण संतोषजनक रहता है और कोई नया गंभीर अपराध सामने नहीं आता, तो इस सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाएगा, जिसमें पैरोल की कोई गुंजाइश नहीं होगी। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि वेई फेंगहे को भारी रिश्वत लेने का दोषी पाया गया है, जबकि ली शांगफू पर रिश्वत लेने और देने, दोनों ही संगीन आरोप साबित हुए हैं। सजा के साथ ही इन दोनों पूर्व मंत्रियों के राजनीतिक अधिकार जीवनभर के लिए समाप्त कर दिए गए हैं और उनकी समस्त निजी संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया गया है। वेई फेंगहे 2018 से 2023 तक इस महत्वपूर्ण पद पर रहे, वहीं ली शांगफू का कार्यकाल बेहद संक्षिप्त रहा और वे मार्च से अक्टूबर 2023 तक ही अपनी सेवाएं दे पाए। इन दोनों ही अधिकारियों को जून 2024 में कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर उनके सैन्य पद और रैंक पहले ही छीन लिए गए थे। यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा 2012 से चलाई जा रही भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का हिस्सा है। सैन्य कूटनीति और रक्षा उपकरणों की खरीद में अनियमितताओं के इन आरोपों ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के राजनीतिक वातावरण को गंभीर रूप से प्रभावित किया था। आधिकारिक बयानों में कहा गया कि इन अधिकारियों ने पार्टी के विश्वास को तोड़ा और सैन्य अनुशासन को दूषित किया। चीन में रक्षा मंत्री का पद मुख्य रूप से कूटनीतिक होता है, जबकि वास्तविक सैन्य शक्ति सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पास होती है, जिसकी कमान स्वयं राष्ट्रपति के हाथों में है। इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि चीन अपने सैन्य ढांचे में किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है, चाहे दोषी कितने ही ऊंचे पद पर क्यों न बैठा हो।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगा पारा, कई राज्यों में ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्रों में शुक्रवार को आसमान साफ रहा। यहां का अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे मौसम में कल के मुकाबले आज हल्की गर्मी रही। वहीं, देश के अन्य हिस्सों जैसे मध्य प्रदेश और झारखंड में ओलावृष्टि, जबकि गुजरात में लू चलने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग केन्द्र के अनुसार शनिवार को भी मौसम साफ रहने के आसार हैं। यहां का अधिकतम तापमान 35-37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा का रूख भी दक्षिण-पूर्व दिशा से उत्तर पूर्व दिशा की ओर 10-15 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। रविवार को भी यही स्थिति रहेगी और अधिकतम तापमान 37-39 जबति न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। इसके अलावा, राजधानी में 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इस दौरान, शाम से हवाओं की गति 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक रहने के आसार हैं। हवा की रफ्तार 50 किमी तक जा सकती है। अधिकतम तापमान 37-39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

ईरान ने कहा- यूएस ने हमारे तेल टैंकर उड़ा दिए, हम जवाब देंगे

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने अमेरिकी सेना पर ओमान की खाड़ी में उसके तेल टैंकरों को निशाना बनाकर सीजफायर तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह इन हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा और बिना किसी हिचकिचाहट के अमेरिकी कार्रवाई का करारा जवाब दिया जाएगा। खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता के अनुसार, अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री क्षेत्र से होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। इसके अलावा, फुजैरा बंदरगाह के पास जलडमरूमध्य में प्रवेश कर रहे एक अन्य जहाज पर भी हमला किया गया। प्रवक्ता ने यह सनसनीखेज दावा भी किया कि कुछ क्षेत्रीय देशों के सहयोग से बंदर खामिर, सिरिक और क़ेश्म द्वीप के तटीय नागरिक इलाकों पर हवाई हमले किए गए हैं। हालांकि, इन हमलों में हुई क्षति या जनहानि की अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब दोनों देशों के बीच एक अस्थायी समझौते पर बातचीत की खबरें आ रही थीं।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री श्रवण कुमार जी से शिष्टाचार मुलाकात

पटना। बिहार सरकार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कैबिनेट में मंत्री बने श्रवण कुमार से रणविजय कुमार ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान रणविजय कुमार ने मंत्री श्रवण कुमार को गुलदस्ता भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।मुलाकात के दौरान रणविजय कुमार ने कहा कि भगवान से यही प्रार्थना है कि मंत्री श्रवण कुमार अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और बेहतर तरीके से करें तथा लगातार लोगों की सेवा करते रहें। उन्होंने विश्वास जताया कि ग्रामीण विकास एवं जनसंपर्क सूचना विभाग की जिम्मेदारी मिलने से प्रदेश के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने भी सभी के सहयोग और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

पर्यटन केवल घूमने का माध्यम ही नहीं, रोजगार, व्यापार और आर्थिक विकास बड़ा आधारः मंत्री

पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने पद्भार ग्रहण किया

पटना। पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने शुक्रवार को मुख्य सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल घूमने का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह रोजगार, व्यापार और आर्थिक विकास का भी बड़ा आधार है। पर्यटन को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जाएंगे। स्थानीय कलाकारों, हस्तशिल्प, संस्कृतिकर्मियों और छोटे व्यापारियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। मंत्री ने आगे कहा कि इसके साथ-साथ बिहार के पर्यटन स्थलों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि देश-विदेश से अधिक से अधिक पर्यटक बिहार आएं। हमारी सरकार का प्रयास होगा कि बिहार की पहचान केवल इतिहास तक सीमित न रहे, बल्कि आधुनिक पर्यटन के क्षेत्र में भी बिहार एक नई मिसाल बने। उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि हम सभी एक टीम के रूप में कार्य करें और बिहार के पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने आश्वस्त कि पर्यटन विभाग जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करेगा। हर निर्णय में जनता का हित सर्वोपरि होगा।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री मोहम्मद जमा खान ने पदभार ग्रहण किया

» अल्पसंख्यक वर्ग के कल्याण और उनके विकास के लिए विभाग निरंतर सक्रिय है : मोहम्मद जमा खान

पटना। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री मोहम्मद जमा खान ने शुक्रवार को पटना स्थित सचिवालय के मुख्य कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि विभाग अल्पसंख्यक वर्ग के उत्थान, शिक्षा, रोजगार तथा समग्र विकास के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगा। मंत्री ने कहा, अल्पसंख्यक वर्ग के कल्याण और उनके विकास के लिए विभाग निरंतर सक्रिय है। हम सभी योजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू करेंगे। इस अवसर पर विभाग के निदेशक आमिर अफाक अहमद और अपर सचिव इबरार अहमद खान ने पुष्पगुच्छ देकर मंत्री का स्वागत किया। मौके पर विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गांवों से शहरों तक संपर्क मजबूत होगा: परिवहन मंत्री

परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने संभाला पदभार

पटना। गांवों से शहरों तक अब सड़क संपर्क सुगम और मजबूत होगा। इसके लिए परिवहन विभाग और अधिक तैयारियों के साथ काम करेगा। यह बात परिवहन विभाग के नए मंत्री दामोदर रावत ने शुक्रवार को विश्वेश्वरैया भवन स्थित अपने कार्यालय में पदभार संभालते हुए कही। परिवहन सचिव राज कुमार और राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसान सहित अन्य विभागीय पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। मंत्री ने कहा कि बिहार भी अन्य राज्यों की तरह परिवहन सुविधाओं से लैस होगा। जाम की समस्या को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा ऑनलाइन कटे चालानों में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। ये सभी सुविधाएं जनहित में जरूरी हैं। उन्होंने आगे कहा कि विभाग के पदाधिकारियों पर निगरानी रखी जाएगी ताकि वे बेहतर प्रदर्शन करें।

गोरखपुर सांसद रवि किशन ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दी बधाई

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा

पटना। गोरखपुर के सांसद एवं फिल्म अभिनेता रवि किशन ने पटना में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास विजन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुलाकात के दौरान बिहार में फिल्म सिटी की स्थापना, भोजपुरी सिनेमा के विकास, कलाकारों को प्रोत्साहन और फिल्म शूटिंग के लिए बेहतर माहौल तैयार करने पर चर्चा हुई। रवि किशन ने बताया कि मुख्यमंत्री ने फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के प्रति गंभीर रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि बिहार में फिल्म सिटी बनने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय कलाकारों, संगीतकारों व तकनीशियनों को मंच मिलेगा। सरकार हिंदी और भोजपुरी फिल्मों की शूटिंग को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी योजना पर भी विचार कर रही है। साथ ही भोजपुरी भाषा, साहित्य और इतिहास आधारित फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है। रवि किशन ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में फिल्म और मनोरंजन उद्योग का नया दौर शुरू होगा।

कार्यकर्ता को मिलता है पार्टी में सम्मानः- जनता दल यूनाइटेड

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सरकार में नालन्दा से श्रवण कुमार एवं निशांत कुमार को मंत्री परिषद का सदस्य बनायें जाने को लेकर नालन्दा जिला जनता दल यूनाइटेड कार्यकर्ताओं में काफी हर्ष का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि श्रवण कुमार, निशांत कुमार को मंत्री परिषद का सदस्य बनायें जाने से पार्टी को काफी मजबूती मिली है श्रवण कुमार पार्टी के स्थापना काल से ही सच्चे सिपाही की तरह कार्य करते रहते हैं हमेशा उनके नीतियों एवं सिद्धांतों पर चलकर उनके हर निर्देश का अनुपालन करते है।जनता एवं कार्यकर्ताओं के लिए उनका दरवाजा हमेशा खुला रहता है श्रवण कुमार वें लगातार 8 वीं बार नालन्दा विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनें राजनीति में सेवा समर्पण और सादगी नेतृत्व के प्रति निष्ठा के पर्याय हैं वर्षों से नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद सहयोगी जेपी आंदोलन से लेकर समता पार्टी की स्थापना और आज तक हर राजनीतिक उतार-चढ़ाव में कंधे से कंधे मिलाकर साथ रहे। क्षेत्र में उनकी छवि एक ऐसे नेता की है जो पद पर रहे या ना रहे जनता के बीच हमेशा उपलब्ध रहते हैं।जननायक कर्पूरी ठाकुर के सानिध्य में राजनीति का पाठ लेकर एवं उनके विचारों से अभिप्रेरित होकर गरीबों शोषितों वंचितों अतिपिछड़ों का हक हुक्कू लड़ाई के नायक बनें।इनके व्यक्तित्व में कर्पूरी लोहिया जयप्रकाश एवं नीतीश कुमार के व्यक्तित्व का एवं विचारों समावेश दिखाई पड़ता है वहीं निशांत कुमार इंजीनियर शिक्षित है युवा है उर्जावान है सादगी भरा जीवन है युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है उन्हें मंत्री मंडल में शामिल कियें जाने पर छात्र युवा महिलाओं किसानों सहित कार्यकर्ताओं का जोश, उत्साह एवं आत्मविश्वास चरम पर दिखाई दे रहा है। कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और संगठनात्मक उत्साह का संचार स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा। सद्भाव यात्रा के क्रम में जन-विश्वास,विकास और सुशासन के संकल्प के साथ आगे बढ़ती दिखाई दे रही है, जो संगठन को मजबूत करते हुए नए बिहार की दिशा तय कर रही है।न्याय के साथ विकास और सुशासन का मांडल सहित नीतीश कुमार के नीतियों और सिद्धांतों को मजबूती के जनता के बीच लेकर जायेंगे पार्टी को मजबूत बनाने का काम करते रहेंगे।जदयू की ओर से युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय निशांत कुमार को कार्यकर्ता से नेता बने श्रवण कुमार को मंत्री परिषद में शामिल कियें जाने वाले निर्णय को लेकर सर्वमान्य नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री विकास पुरुष नीतीश कुमार के प्रति हृदय की गहराइयों से सभी कार्यकर्ता आभार प्रकट करते हैं वंदन करते हैं अभिनंदन करते हैं दोनों नेता अपने कामों से जनता का प्रेम और सम्मान प्राप्त करेंगे। वे नीतीश कुमार के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।उन्होंने जो कार्य शुरू किये हैं,उसे आगे लेकर जाएंगे और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे। नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान 20 वर्षों में जो काम किये हैं उसी राह पर वे आगे बढ़ेंगे। समृद्धि यात्रा के दौरान किए सभी वायदों को पूरा भी करेंगे।इस अवसर पर बधाई देने वालों में वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद जिलाध्यक्ष मो अरशद जदयू प्रवक्ता डा धनंजय कुमार देव गुलरेज अंसारी संजयकांत सिन्हा रंजीत कुमार मुन्ना कुमार मुकेश सिंह जयराम सिंह संजय कुशवाहा डा अरविंद कुमार शैलेश कुमार जनार्दन पंडित अजय चंद्रवंशी युवाध्यक्ष धीरज पटेल प्रतीम राज उर्फ सन्नी पटेल संजीत यादव सुनील रविदास निरंजना गुप्ता राहुल कुशवाहा इमरान रिजवी मिंटू चौधरी अरविंद पटेल पंकज कुमार सोनी लाल अमित कुमार रिक्की हिलसा मुख्य पार्षद धनंजय कुमार सर्वेश कुमार शैलेन्द्र गराई डा सुनील दत्त संजीत यादव विकास शर्मा राहुल रंजन कुशवाहा त्रिनयन कुमार निरंजना गुप्ता सचिन पटेल बब्लू पटेल संजीत पासवान सहित कई कार्यकर्ता ने दी।

निशांत कुमार ने संभाला स्वास्थ्य मंत्री का पद, कहा- सभी को मिलेगा बेहतर इलाज

नई सोच एक्सप्रेस

» पूर्व मुख्यमंत्री और पिता श्री नीतीश कुमार के विकासात्मक कार्यों की परंपरा को जारी रखने का जताया भरोसा

पटना। निशांत कुमार ने शुक्रवार को नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने गुरुवार को नए मंत्रिमंडल गठन के दौरान मंत्री पद की शपथ ली थी। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पिता श्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में राज्य में जो भी ईमानदारी पूर्वक विकास कार्य किए, उसे भविष्य में भी जारी रखा जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर मंत्री ने कहा कि यह शहर से लेकर गांव तक एक समान होगी। यानी अमीर-गरीब में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। श्री कुमार ने कहा कि कार्यभार ग्रहण करने का आज पहला दिन है, इसलिए राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं और योजनाओं को थोड़ा समझना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कराए जाने वाले विकास कार्यों में पूरी ईमानदारी और संवेदना बरती जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों की एक बैठक भी ली। जिसमें सचिव लोकेश कुमार सिंह, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक अमित कुमार पांडेय के साथ दूसरे पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पात्र लाभुकों तक पहुंचे योजना का लाभ : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» समाज कल्याण विभाग की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने पदभार ग्रहण किया

पटना। समाज कल्याण विभाग की मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित विभाग के मुख्य कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, कार्यान्वयन स्थिति की जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि समाज कल्याण विभाग का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े वंचित, असहाय, गरीब, दिव्यांग और पिछड़े वर्ग के लोगों का उत्थान करना है। विभाग की सभी योजनाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, ताकि पात्र लाभुकों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंच सकें। डॉ. गुप्ता ने विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, विधवाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के कल्याण पर जोर देते हुए कहा कि इन वर्गों के लिए संचालित योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। महिलाओं की आर्थिक स्वावलंबन, बाल विकास, पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए नए-नए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि योजनाओं की निगरानी और समीक्षा को और सख्त बनाया जाएगा तथा फील्ड स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए।

पैक्सों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना होगी मेरी प्राथमिकताः राम कृपाल यादव

नई सोच एक्सप्रेस

» संभाला सहकारिता मंत्री का पदभार, बताई अपनी प्राथमिकताएं

पटना। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने शुक्रवार को सहकारिता मंत्री का पदभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह, सहयोग समितियों के निबंधक रजनीश कुमार सिंह समेत विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने विभाग में बतौर मंत्री अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता सहकारिता का सर्वांगीण विकास होगा। सहकारिता से समाज के सभी वर्गों, विशेषकर समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ने पर विशेष बल दिया जाएगा। सहकारिता का सबसे मजबूत स्तंभ पैक्स है। मेरी प्राथमिकता पैक्सों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना होगी। पैक्सों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था से संबंधित सभी प्रकार के व्यवसाय को प्रारंभ किया जाएगा। सहकारी बैंकों को मजबूत बनाना प्राथमिकता रहेगी। सहकारी बैंकों के कस्टमर बेस को बढ़ाना एवं बैंकों में नवीनतम तकनीकी के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। किसानों को समय पर कृषि ऋण दिया जाना एवं उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अधिप्राप्ति के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को पैक्स में प्रोत्साहित किया जाएगा। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि अब कृषि के साथ-साथ विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में भी सहकारिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। सहकारी समितियों में आधुनिकतम टेक्नोलॉजी एवं पेशेवर प्रबंधन को प्रोत्साहित कर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा। वेजफेड को मजबूत करने के लिए सब्जी उत्पादक समितियों को सशक्त बनाया जाएगा। शहद एवं मखाना उत्पादक एवं प्रसंस्करण के लिए प्रखंड स्तरीय समितियों को गठित कर किसानों को उनके उत्पादन का समुचित लाभ दिलाया जाएगा।

मंत्री श्रेयसी सिंह ने उद्योग विभाग का पदभार संभाला

नई सोच एक्सप्रेस

» रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा राज्य में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से उद्योग विभाग पूरी प्रतिबद्धता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करेगा : श्रेयसी सिंह

पटना। उद्योग विभाग में उद्योग मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह के आगमन पर उद्योग विभाग के सचिव श्री कुंदन कुमार ने उनका स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इस अवसर पर मंत्री ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने प्रस्तुतीकरण (PPT) के माध्यम से मंत्री को विभाग की विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों एवं प्रगति कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण के दौरान राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन, औद्योगिक आधारभूत संरचना तथा निवेशकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा राज्य में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से उद्योग विभाग पूरी प्रतिबद्धता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करेगा। साथ ही विभागीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाते हुए उद्योगों को त्वरित एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जाएगी।

नयी एनडीए सरकार का लक्ष्य विकसित बिहार : प्रभाकर मिश्र

नई सोच एक्सप्रेस

» क्राइम, करप्शन और कम्युनिलिज्म से कोई समझौता नहीं

» मंत्रिमंडल विस्तार में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की दिखी अवधारणा

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने सम्राट मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि नयी एनडीए सरकार में बिहार के विकास को नयी दिशा मिलेगी। नयी एनडीए सरकार का लक्ष्य है विकसित बिहार। श्री मिश्र ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सम्राट सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन पर चलकर विकास पुरुष के रूप में लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपनों को साकार करेगी। बिहार शीघ्र ही देश के विकसित राज्यों में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि सम्राट सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी का विशेष ख्याल रखा गया है। दलित, अतिपिछड़ा, पिछड़ा और सवर्ण वर्ग की उचित भागीदारी दी गयी है। श्री मिश्र ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सरकार की प्राथमिकता है। नयी सरकार में पांच महिलाएं शामिल हैं, जो बिहार के विकास में सहभागी बनेंगी। नयी सरकार में अनुभव और उत्साह का सुंदर समन्वय है।विकास को रफ्तार देने के लिए अनुभव के साथ उत्साह और जोश का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सुशासन की सरकार में अपराधियों की जगह सिर्फ जेल में होगी। एनडीए सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनिलिज्म से कभी समझौता नहीं करेगी। बिहार में सुशासन कायम रहेगा। विधि-व्यवस्थि सख्त रहेगी।

लोगों के बीच भ्रामक सूचनाएं नहीं फैले, इस पर खास ध्यान की जरुरत : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» आईपीआरडी मंत्री श्रवण कुमार ने पदभार ग्रहण किया

पटना। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का पदभार मंत्री श्री श्रवण कुमार ने बुधवार को ग्रहण कर लिया। उनके आगमन पर विभागीय सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह एवं निदेशक श्री अनिल कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री श्री कुमार ने कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। यह सरकार के सबसे महत्वपूर्ण विभागों में एक है। सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करने से लेकर लोगों के बीच उचित जानकारी पहुंचाने की महती जिम्मेवारी इसी विभाग की है। मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का अधिक से अधिक उपयोग करते हुए सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इन प्लेटफॉर्म्स पर फैलने वाली गलत या भ्रामक खबरों की भी तथ्यात्मक जांच कर आधिकारिक हैंडल से त्वरित खंडन सुनिश्चित कराया जाए, जिससे लोगों में किसी तरह का भ्रम नहीं पैदा हो। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि विभाग का मुख्य फोकस सूचनाओं के सही, सटीक और समयबद्ध प्रसारण पर रहेगा, ताकि जनता तक सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की सही जानकारी पहुंच सके। उन्होंने कहा कि अब तक जो विभाग उन्हें श्री नीतिश कुमार ने सौंपा है, उनका संचालन सफलतापूर्वक किया है। मंत्री ने बिहार की सकारात्मक छवि को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के बाहर भी राज्य की अच्छी छवि बनाए रखने के लिए विस्तृत कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो और सोशल मीडिया टूल्स का समन्वित उपयोग किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी सरकार की प्रमुख योजनाओं की जानकारी मिल सके, इसके लिए सूचनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया जाए। श्री श्रवण कुमार ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग में मानव संसाधन की कमी को तत्काल पूरा किया जाए, जिससे बिना किसी बाधा और देरी के सभी काम पूरा हो सके। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सूचना प्रसार को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नवीन तकनीकों और रचनात्मक तरीकों का इस्तेमाल किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक दल के नेता सुवेंदु अधिकारी को बधाई : मंगल पांडेय

पटना। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय ने पश्चिम बंगाल भाजपा विधानमंडल दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने पर सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्री अधिकारी का यह चयन भाजपा कार्यकतार्ओं की वर्षों की मेहनत, जनता के भरोसे और संगठन की मजबूत नींव का परिणाम है। उनके चयन के लिए पश्चिम बंगाल बतौर पर्यवेक्षक आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी कोटि-कोटि धन्यवाद एवं बधाई। आदरणीय श्री अमित शाह जी की उपस्थिति में यह चयन किया गया। श्री पांडेय ने कहा कि श्री सुवेंदु अधिकारी जमीनी राजनीति के अनुभवी नेता हैं। पंचायत से लेकर विधानसभा तक उनका लंबा अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और जनसंपर्क की मजबूत पकड़ बंगाल की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार करेगी। विपक्ष में रहते हुए भी उन्होंने जिस तरह जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया है, उससे साफ है कि वे बंगाल की आवाज को प्रभावी ढंग से दिल्ली तक पहुंचाने का काम करेंगे। अब बंगाल में डबल इंजन की सरकार समावेशी विकास की नई कहानी लिखेगा। भाजपा परिवार को उन पर पूरा भरोसा है कि उनके नेतृत्व में पार्टी और मजबूत होगी। श्री पांडेय ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को भी बंगाल भाजपा के नेतृत्व के इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए हार्दिक बधाई एवं आभार व्यक्त किया।

श्रमिक बंधुओं और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को जोड़ना है लक्ष्यः अरुण शंकर प्रसाद

पटना।शुक्रवार को को अरुण शंकर प्रसाद ने श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग एवं युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग विभाग में मंत्री का पदभार ग्रहण किया।उक्त अवसर विभाग के सचिव,दीपक आनन्द के द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। साथ ही विशेष सचिव, सुनील कुमार यादव, श्रमायुक्त राजेश भारती के द्वारा भी पुष्पगुच्छ देकर मंत्री का अभिनंदन किया गया, इस अवसर पर विभाग के सभी पक्षों के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।पदभार ग्रहण करने के उपरांत माननीय मंत्री को विभागीय सचिव दीपक आनन्द ने विभाग की संरचनाओं एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों के हितार्थ कुल 16 प्रकार जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रहा है वहीं दूसरी तरफ प्रवासी मजदूरों के हितार्थ भी योजना चलाई जा रही है जिसके तहत प्रवासी मजदूर जो राज्य से बाहर अन्य प्रांतो या विदेशों में जीविकोपार्जन के उद्देश्य से प्रवास कर रहे हैं। उन्हें दुर्घटना के फलस्वरुप स्थायी एवं अस्थायी अपंगता की स्थिति में अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। साथ ही, मृत प्रवासी श्रमिकों के पार्थिव शरीर को परिवहन के किसी भी साधन से उनके पैतृक आवास तक पहुँचाने पर व्यय का वहां राज्य सरकार करेगी। कामगार एवं शिल्पकार मजदूरों के लिए भी बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) योजना, 2024 का संचालन किया जा रहा है जिसके तहत दुर्घटना मृत्यु, निःशक्तता की स्थिति, असाध्य रोगों के लिए चिकित्सा सहायता के साथ उनके बच्चों के लिए छात्रवृति की राशि भी प्रदान कराई जाती है। योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए समय-समय पर कैंप लगाकर आवेदन लिए जा रहे हैं और उनका निष्पादन भी किया जा रहा है। खाड़ी देशों में फंसे मजदूरों के लिए विभाग द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किये गए ताकि जरूरतमंद श्रमिकों तक सहायता पहुंचाई जा सके।बालश्रम से बच्चों को विमुक्त कराने हेतु बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग कार्यरत है। हमारे अधिकारी प्रशासन के साथ मिलकर बालश्रम में लगे बच्चों को विमुक्त कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा बाल श्रमिकों को मुक्त कराने के लिए धावा दल का भी गठन किया गया, जिसका उद्देश्य समाज से बाल श्रम को खत्म करना और लोगों में जागरूकता लाना है।अभी हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणी के श्रमिकों के लिए बनाए गए श्रम संहिता कानूनों का भी विभाग रुपरेखा तैयार कर रहा है, जल्द ही इसे यहाँ भी लागू करने का कार्य किया जाएगा।

शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने ऊर्जा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला

पटना। बिहार सरकार के नये ऊर्जा मंत्री के रूप में शुक्रवार को शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कार्यभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।ऊर्जा विभाग के सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह ने मंत्री को विभाग एवं विद्युत कंपनियों के प्रमुख चल रही महत्वपूर्ण योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार निदेशक एवं अन्य वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। साथ ही उन्होंने किसान हित एवं कृषि क्षेत्र को भी प्राथमिकता देने की बात कही।ऊर्जा विभाग के सचिव और बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में लगातार महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऊर्जा मंत्री के मार्गदर्शन में विभाग की योजनाओं एवं परियोजनाओं को और गति मिलेगी तथा उपभोक्ताओं को बेहतर एवं विश्वसनीय विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा चल रही विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उपभोक्ता सेवाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

नीतीश कुमार से मिले मां वैष्णो देवी सेवा समिति के सदस्य

पटना। माँ वैष्णो देवी सेवा समिति एवं माँ ब्लड सेंटर परिवार द्वारा आज बिहार के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात कर उनकी मानवीय सेवा भावना, दूरदर्शी नेतृत्व एवं समाजहित में किए गए ऐतिहासिक कार्यों के प्रति आभार एवं सम्मान प्रकट किया गया। समिति के अभिभावक आदरणीय श्री ललन सर्राफ जी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री जी को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।ज्ञातव्य है कि वर्ष 2017, 2018, 2019 एवं 2021 में आयोजित लोकसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से बिहार के ब्लड बैंकों को सशक्त बनाने, थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए डे-केयर सेंटर की स्थापना तथा बोन मैरो ट्रांसप्लांट हेतु राज्य सरकार द्वारा पूर्ण सहयोग जैसी कई ऐतिहासिक पहलें की गईं। इन प्रयासों ने बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा प्रदान की तथा सैकड़ों थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को नया जीवन देने का कार्य किया।संस्था की स्थापना 16 मार्च 2010 को गांधी मैदान में आयोजित विशाल भगवती जागरण के साथ हुई थी तथा 27 फरवरी 2022 को माँ ब्लड सेंटर को समाज को समर्पित किया गया। संस्था लगातार निःस्वार्थ सेवा, रक्तदान जागरूकता एवं मानव कल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संवेदनशील नेतृत्व एवं सहयोग से समाजसेवा के अनेक कार्यों को गति मिली है। उनकी प्रेरणा से स्वास्थ्य एवं जनकल्याण के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन संभव हो सका है। इस अवसर पर आलोक अग्रवाल, अमित जालान, अमन कुमार, अशोक शर्मा , जितेंद्र कुमार , जगजीवन सिंह , मनीष बनेटिया , मोनू खत्री , मुकेश हिसारिया , नंदू किशोर अग्रवाल , नरेश अग्रवाल , पवन शर्मा , प्रकाश अग्रवाल , संजय अग्रवाल , संजय तोतला , सज्जन चौधरी , सौरभ कश्यप एवं शम्भु केशरी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल विद्यालय में मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल विद्यालय में मातृ दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर प्रेम, सम्मान और उत्साह से सराबोर दिखाई दिया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा अपनी माताओं को गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित करने से हुई। बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में मधुर गीत प्रस्तुत किए तथा भावपूर्ण शब्दों के माध्यम से माँ की महिमा, त्याग और महत्व को सुंदर ढंग से व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भाषण, गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी माताओं के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर विद्यालय में माताओं के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ परिधान, सर्वश्रेष्ठ देखभाल करने वाली माता, लोरी गायन, कहानी वाचन एवं मिमिक्री प्रमुख रहे। प्रतियोगिताओं में उर्वी (कक्षा मॉन्ट-I) की माता वीणा देवी, रियांश रंजन (कक्षा II) की माता प्रीती माथुर, अदिति किशन की माता निशा रानी तथा माधवी की माता प्रियंका कुमारी को सर्वश्रेष्ठ देखभाल करने वाली माता के रूप में सम्मानित किया गया। आयुष्मान, अविशाल एवं अभ्यांश को लोरी गायन के लिए सम्मानित किया गया, जबकि शौर्य की माता रूपम रानी को गीत प्रस्तुति तथा त्रिशा सोनी की माता कुसुम कुमारी को मिमिक्री के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त काव्या श्री, रिद्धिमा, आरव अभि, आराध्या, अदिति किशन, आयुष्मान परमार, अनन्या पटेल, युवराज, आर्यन राज, सदफ नाज़ एवं आराध्या सहित कई बच्चों ने अपनी माताओं पर सुंदर भाषण एवं गीत प्रस्तुत किए। सार्थक, छाया, आराध्या कुमारी, अंशुली, वैष्णवी, लक्ष्मी कुमारी एवं रीती श्री सहित कई बच्चों ने अपनी माताओं के लिए आकर्षक एवं भावनात्मक कार्ड भी तैयार किए। विद्यालय के निदेशक लायन राजीव भार्गव एवं प्राचार्या लायन शिवानी भार्गव ने विजेता माताओं एवं बच्चों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि माँ हमारे जीवन की प्रथम गुरु होती हैं तथा मातृ दिवस हमें उनके त्याग, प्रेम एवं समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के अंत में सभी माताओं एवं बच्चों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। पूरा विद्यालय मातृ प्रेम, स्नेह और आनंद के रंग में सराबोर दिखाई दिया।

गांवों की सड़कों से होकर गुजरता है राज्य के विकास का रास्ता : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» ग्रामीण कार्य विभाग के नवनियुक्त मंत्री सुनील कुमार ने संभाला पदभार

पटना।ग्रामीण कार्य विभाग के नवनियुक्त मंत्री सुनील कुमार ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त समीक्षा बैठक भी की। जिसमें राज्य में चल रही ग्रामीण सड़क तथा पुल निर्माण से संबंधित योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय योजनाओं के समयबद्ध निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि राज्य की चहुंमुखी विकास का रास्ता गांवों की सुदृढ़ सड़कों से ही होकर गुजरता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार के सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में बारहमासी संपर्कता सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीण कार्य मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल आधारभूत संरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गांवों तक गुणवत्तापूर्ण सड़कों और पुलों की संपर्कता होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। बाजारों तक किसानों की पहुंच आसान हुई है। साथ ही, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी जरुरी सेवाओं तक आमलोगों की पहुंच अधिक सुगम रही है।

दानापुर मंडल में चलाये गये विशेष डिकॉय चेकिंग अभियान में की गई सख्त कार्रवाई

नई सोच एक्सप्रेस

» यात्रियों से अपील है कि वह कोई भी समान अंकित (एमआरपी) मूल्य पर ही खरीदें एवं बिल अवश्य लें और यथासंभव बिल का भुगतान डिजिटल पेमेंट के माध्यम से ही करेंअभिनव सिद्धार्थ

पटना।पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल ट्रेन परिचालन के साथ-साथ यात्रियों की हर सुविधा का विशेष ध्यान रखता है। इसी क्रम में रेलवे द्वारा अधिकृत विक्रेताओं के ऊपर कड़ी निगरानी रखते हुए एक विशेष डिकॉय जांच अभियान के अंतर्गत ओवरचार्जिंग या गलत शुल्क लेने वाले विक्रेताओं को पकड़ा गया और जुर्माना भी लगाया गया। विगत 10 दिनों में वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित कैटरिंग स्टॉल, एमपीएस स्टॉल, पार्किंग एरिया, पे एंड यूज टॉयलेट,ट्रेनों में पैंट्री कार से संबंधित यात्रियों से प्राप्त शिकायतों के आलोक में अधिकारियों एवं वाणिज्य निरीक्षक,सुपरवाइजर द्वारा डिकॉय जांचअभियान चलाया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत कुल 95 डेकॉय जाँच किए गए, जिसमें जांच के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर संबंधित पैंट्री कार, पानी के बोतल मामले, कैटरिंग स्टॉल, पार्किंग, पे ऐंड यूज़ से संबंधित कई मामलों में जुर्माना भी अधिरोपित किया गया। उक्त कार्रवाई यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने तथा रेलवे की वाणिज्यिक इकाइयों में अनुशासन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु की गई है। मंडल के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अभिनव सिद्धार्थ ने यात्रियों से अपील किया है कि वह कोई भी समान उसपर अंकित मूल्य (एमआरपी) या दर्शाये गए मूल्य तालिका पर अंकित मूल्य पर ही खरीदें एवं बिल अवश्य लें और यथासंभव बिल का भुगतान डिजिटल पेमेंट के माध्यम से ही करें।

'टीचर्स ऑफ बिहार' बना शिक्षकों का बड़ा मंच, तकनीक और नवाचार से शिक्षा को दे रहा नई दिशा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव और शिक्षकों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'टीचर्स ऑफ बिहार' एक सशक्त मंच के रूप में उभरकर सामने आया है। यह मंच वर्तमान में प्रदेश की बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में कार्य कर रहा है, जहां हजारों शिक्षक तकनीक और नवाचार के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़कर सीख रहे हैं। संस्था के संस्थापक शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने बताया कि संगठन का उद्देश्य बिहार के शिक्षकों को डिजिटल युग की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि 'टीचर्स ऑफ बिहार' केवल एक समूह नहीं, बल्कि ऐसा मंच है, जहां शिक्षकों को अपनी प्रतिभा दिखाने और नई शिक्षण विधियां सीखने का अवसर मिलता है। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि संगठन शिक्षकों की समस्याओं को रचनात्मक मंच प्रदान करने के साथ-साथ सरकारी स्कूलों में हो रहे सकारात्मक कार्यों को भी व्यापक स्तर पर सामने ला रहा है। इवेंट लीडर केशव कुमार ने बताया कि संगठन की ओर से समय-समय पर राज्यस्तरीय वेबिनार, कार्यशालाएं और नवाचारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य शिक्षकों के नेतृत्व कौशल को विकसित करना और उन्हें आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना है। संगठन की प्रमुख विशेषताओं में बिहार के 38 जिलों के शिक्षकों को एक मंच पर जोड़ना, आईसीटी एवं टीएलएम निर्माण में प्रशिक्षण, स्कूलों की सफलता की कहानियों का प्रचार-प्रसार और डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना शामिल है। 'टीचर्स ऑफ बिहार' अपनी सक्रियता और रचनात्मक पहल के कारण राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना रहा है। संगठन का मानना है कि शिक्षकों की सामूहिक पहल से सरकारी विद्यालयों की तस्वीर और शिक्षा व्यवस्था दोनों में सकारात्मक बदलाव संभव है।

एक गांव से दो-दो मंत्री, पूरा प्रखंड उपेक्षित — क्या यही है राजनीतिक न्याय? - भाजपा नेत्री शोभा पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।भाजपा नेत्री शोभा पटेल का तीखा हमला, बोलीं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पुछा कि — "जहाँ एक ही गांव में सत्ता की बारिश हो रही हो और पूरा प्रखंड बूंद-बूंद विकास को तरस रहा हो, वहाँ लोकतंत्र नहीं, राजनीतिक पक्षपात पलता है।" भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने राज्य की राजनीति पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के इतिहास का सबसे विचित्र और दुर्भाग्यपूर्ण दृश्य है कि एक ही गांव से दो-दो मंत्री बन जाते हैं, जबकि उसी प्रखंड के कई इलाके आज तक एक विधायक तक नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि यह केवल संयोग नहीं बल्कि सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक असंतुलन का जीवंत उदाहरण है। शोभा पटेल ने कहा कि जनता यह देखकर स्तब्ध है कि कुछ गांवों पर सत्ता इतनी मेहरबान हो जाती है कि मंत्री पद भी वहीं घूमता रहता है, जबकि पूरा प्रखंड सड़क, अस्पताल, कॉलेज, सिंचाई, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करता रह जाता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि "कुछ लोगों के गांव में मानो मंत्री पैदा करने की फैक्ट्री खुल गई है और बाकी जनता केवल ताली बजाने के लिए छोड़ दी गई है।" उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ पूरे क्षेत्र का सम्मान होता है, न कि कुछ खास परिवारों और गांवों का राजनीतिक साम्राज्य। यदि एक ही क्षेत्र विशेष को बार-बार सत्ता का केंद्र बनाया जाएगा तो बाकी समाज में उपेक्षा, असंतोष और राजनीतिक निराशा स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। भाजपा नेत्री ने कहा कि जिस प्रखंड के लोगों ने दशकों तक पार्टी और नेताओं के लिए संघर्ष किया, वहीं आज सबसे अधिक उपेक्षित हैं। गाँवों में न उद्योग पहुँचा, न शिक्षा की व्यवस्था सुधरी, न युवाओं को रोजगार मिला, लेकिन सत्ता के गलियारों में कुछ चेहरे लगातार चमकते रहे। यही कारण है कि जनता अब सवाल पूछ रही है कि आखिर लोकतंत्र जनता के लिए है या कुछ प्रभावशाली समूहों के लिए? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "जनता वोट दे, संघर्ष करे, लाठी खाए और पुरस्कार में मिले राजनीतिक उपेक्षा — यह कब तक चलेगा?" उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि राजनीति परिवार, गांव और गुट की सीमा से बाहर निकलकर पूरे क्षेत्र के समान विकास की बात करे। शोभा पटेल ने कहा कि जनता सब देख रही है। लोकतंत्र में जनता की चुप्पी को कमजोरी समझना सबसे बड़ी भूल होती है। आने वाले समय में वही जनता विकास, प्रतिनिधित्व और राजनीतिक न्याय का हिसाब मांगेगी, जिसे वर्षों तक केवल आश्वासन देकर शांत रखा गया।

रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने किया महावीर कैंसर संस्थान में डायलिसिस मशीन का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम द्वारा महावीर कैंसर संस्थान, पटना में अत्याधुनिक डायलिसिस मशीन का शुभारंभ किया गया। इस पहल से जरूरतमंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता ने कहा कि रोटरी क्लब समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह डायलिसिस मशीन आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए काफी लाभकारी साबित होगी। विशिष्ट अतिथि पीडीजी डॉ. एल बी सिंह ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और रोटरी क्लब इसी उद्देश्य के साथ समाज के बीच कार्य कर रहा है। वहीं क्लब के अध्यक्ष डॉ. अमिताभ बंका ने कहा कि संस्था आगे भी स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में इसी तरह के जनहितकारी कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर क्लब की सचिव अनुराधा सरार्फ, कार्यक्रम अध्यक्ष अरविंद डालमिया, संयोजक मुक्ता अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष आशीष बंका, चिंतन जैन, सोनल जैन , सदस्य पवन अग्रवाल, निहित डालमिया, दीपा डालमिया, मयूर पोद्दार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के चिकित्सकों एवं सदस्यों ने रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम के इस योगदान की सराहना करते हुए इसे मरीजों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

प्रेम यूथ फाउंडेशन में वॉलेंट्रीयरशिप करे : संजय कुमार झा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।नई शिक्षा नीति में सभी विद्यार्थियों के लिए वॉलेंट्रीयरशिप एवं इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है । फाउंडेशन के संरक्षक डॉ संजय कुमार झा ने बताया कि फाउंडेशन में छात्र छात्राओं को वॉलेंट्रीयरशिप एवं इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान कर रहे है । किसी भी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय के छात्रों को सामाजिक कार्यों में वॉलेंट्रीयरशिप कराया जाता है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेल महत्वपूर्ण है । वही इंटर्नशिप के लिए एनजीओ मैनेजमेंट, आपदा प्रबंधन, क्लाइमेट एक्शन, सड़क सुरक्षा, डिजाइन फॉर चेंज , साइवर सुरक्षा विषय निर्धारित है । नई शिक्षा नीति में अब बच्चे खेत, खलिहान, पहाड़,नदी में जायेंगे । वॉलेंट्रीयरशिप में वॉलेंट्रीयर समाजिक मुद्दों का पहचान कर उसका निदान करेंगे और समुदाय से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा । वही फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि इंटर्न को प्लेसमेंट की भी व्यवस्था है । 15 से 30 दिनों का वॉलेंट्रीयरशिप या इंटर्नशिप करने बाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है ।

पटना में StudyIQ का विस्तार, BPSC-UPSC अभ्यर्थियों को मिलेगी बेहतर तैयारी सुविधा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले प्रमुख एडटेक प्लेटफॉर्म StudyIQ (Adda247 की सहायक कंपनी) ने बिहार में बढ़ती मांग को देखते हुए पटना स्थित अपने ऑफलाइन सेंटर का विस्तार किया है। संस्थान ने BPSC और UPSC परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए बड़े और एकीकृत सेंटर की शुरुआत की है, जो पटना के प्रमुख इंटीग्रेटेड सिविल सेवा परीक्षा परिसरों में शामिल हो गया है। नए सेंटर का उद्घाटन StudyIQ के CEO स्वप्निल त्रिपाठी ने छात्रों और केंद्र प्रबंधन की मौजूदगी में किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार देश के सबसे प्रतिस्पर्धी और समर्पित सिविल सेवा अभ्यर्थियों का केंद्र है। संस्थान का उद्देश्य छात्रों को उनके गृह राज्य में ही उच्च गुणवत्ता वाली तैयारी उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें दिल्ली या अन्य बड़े शहरों की ओर रुख न करना पड़े। पटना के विस्तारित सेंटर में आधुनिक क्लासरूम, लाइब्रेरी, मेंटरशिप स्पेस और छात्र सहायता सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसे बिहार के विभिन्न जिलों से आने वाले अभ्यर्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। संस्थान ने मार्च 2025 में पटना में अपना पहला केंद्र शुरू किया था। वर्तमान में यहां UPSC और BPSC पाठ्यक्रमों में करीब 600 छात्र नामांकित हैं। संस्थान का लक्ष्य अगले एक वर्ष में 1,000 से अधिक नए अभ्यर्थियों को जोड़ने का है। StudyIQ ने पटना केंद्र में अपना S-M-A-R-T लर्निंग मॉडल लागू किया है, जिसमें क्लासरूम शिक्षण के साथ डिजिटल एक्सेस, नियमित मूल्यांकन और व्यवस्थित मेंटरशिप को जोड़ा गया है। छात्रों को अनुभवी शिक्षकों के अलावा पूर्व सिविल सेवकों से भी मार्गदर्शन मिल रहा है, जो एथिक्स, निबंध लेखन और इंटरव्यू तैयारी में मदद करते हैं। बिहार में सरकारी नौकरियों के प्रति बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच यह विस्तार महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, BPSC 71वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा के लिए 4.7 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि UPSC परीक्षा में हर साल करीब 10 लाख उम्मीदवार शामिल होते हैं। संस्थान ने मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति कार्यक्रम की भी घोषणा की है। StudyIQ ने बताया कि आने वाले समय में अन्य शहरों में भी ऑफलाइन विस्तार जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर जहानाबाद में रक्तदान शिविर आयोजित, 25 यूनिट रक्त संग्रह

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रेड क्रॉस भवन, जहानाबाद में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, जहानाबाद के चेयरमैन सत्येंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई लोगों की जिंदगी बचाने में सहायक साबित होता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता फैलाकर अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जोड़ना चाहिए। शिविर में एक प्रेरणादायक दृश्य उस समय देखने को मिला जब मां और बेटे ने एक साथ रक्तदान कर समाज को मानवता और सेवा का संदेश दिया। उपस्थित लोगों ने उनके इस कदम की सराहना करते हुए इसे पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजकिशोर प्रसाद ने सभी रक्तदाताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदाता समाज के वास्तविक नायक हैं, जिनके सहयोग से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो पाता है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे। रक्त संग्रह का कार्य सदर अस्पताल, जहानाबाद के ब्लड बैंक की टीम द्वारा किया गया। टीम ने सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई थी। कार्यक्रम में रेड क्रॉस के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा स्वयंसेवक और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरा आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता के संदेश से ओतप्रोत रहा। यह रक्तदान शिविर सामाजिक जागरूकता और मानव सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

भारत का संकल्प पूरा करने के लिए एकजुट हों सभी धर्मों के लोग राज्यपाल

गया जी।मगध विश्वविद्यालय बोधगया एवं धर्म संस्कृति संगम गया के संयुक्त तत्त्वावधान में शुक्रवार को रामानुजन सभागार के गणित विभाग में भारतीय लोकतंत्र में सर्वधर्म समभाव की भूमिका एवं चुनौतियाँ" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-सांस्कृतिक समरसता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के माननीय राज्यपाल-सह-कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन उपस्थित रहे। माननीय राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल देश की सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह आंतरिक सभ्यतागत, मानसिक एवं सामाजिक स्तर पर भी सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि जब सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर राष्ट्रहित में कार्य करते हैं भारतमाता का जयघोष करते हैं तथा विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तभी राष्ट्रीय सुरक्षा वास्तविक अर्थों में सुदृढ़ होती है। कुलाधिपति ने कहा कि नालंदा-गयाजी-बोधगया कॉरिडोर भारतीयता का प्रतीक है और इस विरासत पर केवल भारत का अधिकार और स्वामित्व है।वही मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार ने भारतीय संस्कृति की समावेशी परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता, सहिष्णुता और आध्यात्मिक चेतना में निहित है। उन्होंने सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और आपसी सद्भाव को लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। गयाजी और बोधगया से भक्ति और ज्ञान की धारा संपूर्ण विश्व को अपने में समाहित करेगी, ऐसा विश्वास है। उन्होंने माननीय राज्यपाल महोदय से मगध विश्वविद्यालय में बोधगया पीठ स्थापित करने और उस पर शोध प्रारंभ कराने का अनुरोध किया।वही मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा सर्वधर्म समभाव की भावना में निहित है। उन्होंने कहा कि मगध विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता के मूल्यों को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की हाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र सहकार्यवाह डॉ. मोहन सिंह एवं धर्म संस्कृति संगम के अध्यक्ष श्री संजय सिंह की भी महनीय उपस्थिति रही। कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम् ने सर्वधर्म समभाव को वैश्विक शांति और प्रगति का महत्वपूर्ण सेतु बताते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

मधुबनी में 52 हजार से अधिक एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध, आपूर्ति सामान्य

नई सोच एक्सप्रेस

» जिला प्रशासन ने जारी किया शिकायत लिंक, गड़बड़ी करने वाले वितरकों पर होगी सख्त कार्रवाई
» मधुबनी में 103 एजेंसियो से हो रही गैस आपूर्ति, प्रशासन ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

मधुबनी/बिहार।जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। जिला प्रशासन ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि मधुबनी जिले में वर्तमान में 52 हजार 913 एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध है। जिले में विभिन्न कंपनियों के कुल 103 गैस वितरको के माध्यम से उपभोक्ताओ को गैस की आपूर्ति की जा रही है।प्रशासन के अनुसार 01 मार्च 2026 से 06 मई 2026 तक जिले में कुल 9 लाख 40 हजार 92 एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग की गई है। गैस एजेंसियों द्वारा उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी के माध्यम से उनके घर तक सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से गैस एजेंसियों पर नही जाएं तथा अपनी बारी का इंतजार करे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान व्यवस्था के तहत शहरी क्षेत्रो में 25 दिनो तथा ग्रामीण क्षेत्रो में 45 दिनो के बाद ही अगली गैस बुकिंग संभव होगी। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि वे मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी (डीएसी) के माध्यम से अधिकृत वेंडर से ही गैस सिलेंडर प्राप्त करे। एलपीजी से संबंधित शिकायतो एवं समस्याओं के समाधान के लिए उपभोक्ता गैस कंपनी के हेल्पलाइन नंबर 1906 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा इंडियन ऑयल के टोल फ्री नंबर 1800-23333-555, भारत पेट्रोलियम के 1800- 22-4344 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 1800-2333-555 पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।जिला प्रशासन ने एलपीजी गैस से जुड़ी शिकायतों एवं सुझावो के लिए एक विशेष गूगल लिंक भी जारी किया है। प्रशासन द्वारा कहा गया है कि प्राप्त शिकायतो पर जिलाधिकारी के निर्देशानुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06276-222576 पर भी शिकायत अथवा सुझाव दर्ज कराए जा सकते है। प्रशासन ने बताया कि जिले के पेट्रोल पंपों पर भी पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है। 04 मई 2026 तक जिले में 532.4 हजार लीटर पेट्रोल एवं 700.9 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल का स्टॉक उपलब्ध था। आम लोगों से पेट्रोल-डीजल का अनावश्यक भंडारण नहीं करने की अपील की गई है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना या परेशानी उत्पन्न न हो। वहीं, जिला प्रशासन ने यह भी कहा है कि कुछ स्थानो से गैस वितरको के कर्मियो द्वारा उपभोक्ताओ के साथ दुर्व्यवहार एवं अनावश्यक परेशान किए जाने की शिकायते मिली है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियो को जांच कर दोषी वितरको एवं कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

एक विवाहिता प्राताडना से तंग आकर आत्महत्या की

नई सोच एक्सप्रेस

राजापाकर(वैशाली)।शादी के छह माह बाद लड़का पक्ष द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ना के कारण महिला द्वारा 25 अप्रैल 26 को आत्महत्या किए जाने के 10 दिन बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक आरोपित को गिरफ्तार नहीं किए जाने पर राजापाकर प्रखंड क्षेत्र के भलुई पंचायत निवासी लड़की के नाना हरिनंदन राय एवं मां आरती कुमारी ने पुलिस अधीक्षक वैशाली से शीघ्र आरोपित को गिरफ्तार करने की मांग की है। मालूम हो कि लड़की की मां का मायका राजापाकर प्रखंड के भलुई गांव में स्थित है। जहां उसके परिजनों में भी अभी तक आरोपित के गिरफ्तार नहीं होने पर आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में महुआ थाने में दर्ज प्राथमिकी में लड़की की मां आरती कुमारी ने बताया कि अपनी पुत्री नेहा कुमारी की शादी हिंदू रीति रिवाज से 24 नवंबर 2025 को राजमहल मैरिज हॉल मिलन चौक अब्दुलपुर में मयंक राज पिता लालबाबू राय ग्राम भागवतपुर तरौरा थाना महुआ के साथ की थी शादी में उपहार के रूप में लगभग 35 लाख रुपया खर्च किया गया था।उसके बाद भी लड़का द्वारा चार पहिये वाहन एवं एसी लाने के लिए बेटी को बराबर दबाव देते थे और कहते थे कि अभी लाओ नहीं तो यहां नहीं रहने देंगे।ज्ञात हो कि लड़का मयंक राज पटना में सचिवालय सहायक के रूप में कार्यरत है।दहेज की प्रताड़ना से तंग आकर लड़की ने दुपट्टा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जिसमें लड़के के दो भाई माता-पिता एवं एक अन्य लोग नामजद अभियुक्त हैं।लेकिन सभी खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही है।इस संबंध में मृतका के परिजन हरिनंदन राय ने बताया कि डीएसपी महुआ से कई बार मिलकर आरोपित को गिरफ्तार करने की बात कही गई लेकिन घटना के लगभग 10 दिन बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।वहीं थक हार कर मृतक के परिजनों द्वारा पुलिस अधीक्षक वैशाली को 3 जून 2026 को आरोपित को गिरफ्तार करने को लेकर आवेदन भी दिया है लेकिन 6 दिन बीतने के बाद भी पुलिस अधीक्षक वैशाली के स्तर से भी कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर परिजनों ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। डीजीपी से मांग की गई है शीघ्र आरोपित को गिरफ्तार कर न्याय दी जाय।

सुगौली में जनगणना कार्यों की समीक्षा बैठक, अधिकारियों ने दिए आवश्यक निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली।प्रखंड कार्यालय स्थित बीडीओ कक्ष में शुक्रवार को आगामी जनगणना कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला सांख्यिकी पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण ने संयुक्त रूप से की। बैठक में जनगणना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान प्रखंड सभागार में उपस्थित सुपरवाइजरों एवं संबंधित कर्मियों को जनगणना कार्य पूरी पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से सरकार को विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। इसलिए प्रत्येक कर्मी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन गंभीरता एवं ईमानदारी के साथ करें। जिला सांख्यिकी पदाधिकारी ने बैठक में जनगणना से जुड़े तकनीकी पहलुओं, डेटा संग्रहण, घर-घर सर्वेक्षण तथा अभिलेख संधारण की प्रक्रिया की जानकारी दी। वहीं बीडीओ नूतन किरण ने कहा कि जनगणना कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी सुपरवाइजर अपने अधीनस्थ कर्मियों के कार्यों की नियमित निगरानी करें तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में जनगणना कार्य से जुड़े कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि सही एवं सटीक आंकड़े उपलब्ध कराना जनगणना का मुख्य उद्देश्य है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। बैठक में उपस्थित कर्मियों ने भी जनगणना कार्य को सफल बनाने का भरोसा

गया जी में फर्जी तरीके से टिकट खरीद-बिक्री करने वालों पर कसा शिकंजा

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।आरपीएफ ने गया जिले में रेलवे टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें विष्णुपद,गया रिजर्वेशन काउंटर, बोधगया और टिकरी समेत कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरपीएफ की टीम द्वारा टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया जिसमें शेरघाटी रिजर्वेशन काउंटर के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे रिजर्वेशन काउंटरों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। कई स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसमें कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आया हैं उनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है जिस पर जांच जारी है। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं। इन्हीं के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न रोकने को जिला स्तरीय समिति सक्रिय, जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय

नई सोच एक्सप्रेस

» सुरक्षित और भयमुक्त कार्यस्थल बनाने की दिशा में प्रशासन की पहल, महिला सुरक्षा कानूनों की समीक्षा
» यौन उत्पीड़न मामलों की समीक्षा, सभी संस्थानो में आंतरिक शिकायत समिति गठन पर जोर

मधुबनी/बिहार।महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त कार्यस्थल सुनिश्चित करने को लेकर शुक्रवार को वन स्टॉप सेंटर, मधुबनी में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के तहत गठित जिला स्तरीय स्थानीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति की अध्यक्षा डॉ. कुमारी ज्योति ने की।बैठक में जिला स्तर पर प्राप्त विभिन्न यौन उत्पीड़न शिकायतों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित एवं निष्पक्ष निष्पादन पर जोर दिया गया। समिति ने कहा कि सभी मामलों का निष्पादन अधिनियम के प्रावधानो एवं निर्धारित समयसीमा के अनुरूप किया जाए, ताकि पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय एवं आवश्यक सहयोग मिल सके।बैठक के दौरान जिले के सरकारी कार्यालयो, शैक्षणिक संस्थानों, निजी प्रतिष्ठानो, गैर-सरकारी संगठनों समेत सभी कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। जिन संस्थानो में अब तक समिति का गठन नहीं हुआ है, वहां शीघ्र गठन सुनिश्चित कराने तथा गठित समितियों को सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने पर चर्चा हुई।समिति के सदस्यों ने कार्यस्थलो पर लैंगिक समानता, महिला सम्मान एवं सुरक्षित वातावरण निर्माण को लेकर नियमित जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। साथ ही विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के समन्वय से अधिनियम से संबंधित जानकारी व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का निर्णय लिया गया, ताकि महिलाओं एवं कर्मचारियों को उनके अधिकारों तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया की जानकारी मिल सके। बैठक में कहा गया कि महिलाओं के विरुद्ध उत्पीड़न, भेदभाव अथवा अनुचित व्यवहार के मामलों में प्रशासन पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करेगा। वन स्टॉप सेंटर एवं जिला स्तरीय स्थानीय समिति द्वारा पीड़ित महिलाओं को परामर्श, कानूनी सहायता एवं अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई। बैठक में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समेकित बाल विकास सेवा, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी बेनीपट्टी, जिला मिशन समन्वयक अंजनी कुमार झा, लैंगिक विशेषज्ञ शिव राम मेहरा, केंद्र प्रशासक सुषमा कुमारी, वीणा चौधरी, निर्मला देवी, रेणु कुमारी मिश्रा सहित समिति के अन्य सदस्य एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजेंद्र स्टेडियम में शोक सभा आयोजित, नेहा यादव को भावभीनी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सारण जिला क्रिकेट संघ की कोषाध्यक्ष नेहा यादव के निधन पर मंगलवार को राजेंद्र स्टेडियम परिसर में शोक सभा का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नेहा यादव लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं तथा उनका इलाज दिल्ली स्थित एम्स में चल रहा था। उनके निधन की खबर से क्रिकेट जगत सहित पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। शोक सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि नेहा यादव का निधन खेल एवं सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने संघ के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए खिलाड़ियों के हित में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस अवसर पर सारण जिला क्रिकेट संघ की अध्यक्ष इंदु कुमारी एवं अन्नू सिंह, जिला उपाध्यक्ष उज्ज्वल मिश्रा, संयुक्त सचिव धर्मजय कुमार उर्फ डब्ल्यू, कैसर अनवर, चंदन शर्मा, कुंदन शर्मा, मनीष मिश्रा, सुरेश प्रसाद सिंह, पॉल इस्माइल, रमेश कुमार, सुनील कुमार सिंह, राजन प्रसाद यादव सहित भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री विवेक सिंह, प्रवक्ता बलवंत सिंह, मंत्री सुनीता देवी एवं जिला कार्यसमिति सदस्य पूनम सिंह समेत संघ के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

मधुबनी सर्किट हाउस में विधायक माधव आनंद की जनसुनवाई, कई मामलों का मौके पर समाधान

नई सोच एक्सप्रेस

» विधायक माधव आनंद बोले—जनता की समस्या का समाधान ही मेरी प्राथमिकता

मधुबनी/बिहार।जिले के लोगों की समस्याओ को सीधे सुनने और उनके समाधान की पहल को लेकर शुक्रवार को सर्किट हाउस में जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मधुबनी विधायक माधव आनंद ने स्वयं मौजूद रहकर एक-एक फरियादी की बातें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया।सुबह से ही जनता दरबार में लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। जिले के विभिन्न प्रखंडों और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे करीब एक सौ लोगों ने अपनी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। सबसे अधिक शिकायते भूमि विवाद, सड़क व नाला निर्माण, पेयजल संकट, बिजली आपूर्ति, वृद्धा पेंशन और राशन कार्ड से जुड़ी रहीं। कार्यक्रम के दौरान कई शिकायतों का ऑन द स्पॉट निपटारा किया गया, जबकि जिन मामलों में विभागीय प्रक्रिया की आवश्यकता थी, उन्हें संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। फरियादियों ने भी अपनी समस्याओं पर त्वरित पहल होते देख संतोष जताया।मौके पर विधायक ने कहा कि जनता से सीधा संवाद ही जनप्रतिनिधि की असली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आम लोगो को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से समय-समय पर जनता दरबार लगाया जा रहा है।उन्होंने अधिकारियो को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम हो रहा है।जनता दरबार में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम नागरिको की उपस्थिति रही। लोगों ने इस पहल को जनहित में उपयोगी बताते हुए नियमित रूप से ऐसे आयोजन कराने की मांग की।

रक्सौल एसडीओ ने रामगढ़वा के राशन दुकानों का किया औचक निरीक्षण, कई अनियमितताएं उजागर

नई सोच एक्सप्रेस

रक्सौल।अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने शुक्रवार को रामगढ़वा प्रखंड के विभिन्न जन वितरण प्रणाली (राशन) दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद संबंधित डीलरों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ मनीष कुमार ने शिवनगर, पटनी एवं अधकपरिया पंचायत स्थित राशन दुकानों का निरीक्षण कर वहां स्टॉक संधारण, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को मिलने वाले राशन की गुणवत्ता और मात्रा की जांच की। उन्होंने सूचना पट्ट पर प्रतिदिन स्टॉक अपडेट करने, निर्धारित मापदंड के अनुसार सही वजन में अनाज वितरण करने तथा सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने मौके पर मौजूद लाभुकों से भी बातचीत कर राशन वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। कई उपभोक्ताओं ने समय पर राशन नहीं मिलने, वजन में गड़बड़ी तथा सूचना पट्ट अद्यतन नहीं रहने जैसी शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। इसके बाद एसडीओ ने संबंधित दुकानदारों को फटकार लगाते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने का निर्देश दिया। जांच में कुछ दुकानों में स्टॉक पंजी अद्यतन नहीं पाया गया, जबकि कई जगहों पर वितरण रजिस्टर एवं वास्तविक स्टॉक में अंतर भी देखने को मिला। इस पर एसडीओ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जन वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि गरीबों के हक में किसी तरह की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित डीलरों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ ने कहा कि जिले में राशन वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। सभी डीलरों को नियमों के अनुरूप कार्य करने तथा उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कालिका गोशाला में गोसेवा कार्यक्रम आयोजित, बीमार गोवंशों को कराया चारा वितरण

आगरा।आत्मनिर्भर एक प्रयास परिवार की ओर से कालिका गोशाला में बीमार एवं चोटिल गोवंशों की सेवा के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गोवंशों को भूसा, गुड़ सहित अन्य आवश्यक आहार सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं गौसेवक राजेश खुराना ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौसेवा का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक एवं पर्यावरणीय संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। राजेश खुराना ने लोगों से गोशालाओं के सहयोग और गोवंशों की देखभाल में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीमार और असहाय गोवंशों की सेवा के लिए समाज को आगे आना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने गोशाला में गोवंशों की सेवा की और उनके संरक्षण व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान गोसंरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय परंपराओं पर भी चर्चा की गई। आयोजन के अंत में समाज में गोसेवा और पशु संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को करे नजरबंद सरकार : संतोष सुमन

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेकुलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में लंबे समय से राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार और संरक्षण प्राप्त माफिया तंत्र का माहौल बना हुआ है, जिसने लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया है।उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता भय, अराजकता और राजनीतिक प्रताड़ना से त्रस्त रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को कठोर एवं निर्णायक कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को नजरबंद कर उनके कथित नेटवर्क, राजनीतिक संरक्षण प्राप्त तंत्र तथा सीमा पार संबंधों की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ममता बनर्जी का इस्तीफा नहीं देना एक असाधारण मामला है, जो लोकतांत्रिक मयार्दाओं और संवैधानिक भावना के विपरीत दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि सत्ता से चिपके रहने की ऐसी मानसिकता लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। लोकतंत्र में जवाबदेही सर्वोपरि होती है और जनता के विश्वास पर आघात पहुँचने के बाद नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करना आवश्यक होता है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवेदना जनता के प्रति होनी चाहिए, न कि सत्ता के संरक्षण में पल रहे भ्रष्ट और हिंसक तंत्र के प्रति। अब समय आ गया है कि बंगाल में कानून का राज स्थापित हो और दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाए।डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि कथित राजनीतिक-माफिया गठजोड़ और अंतरराष्ट्रीय सरगनाओं से जुड़े मामलों की गहन जांच राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी बेहद आवश्यक है। किसी भी व्यक्ति या परिवार को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता।उन्होंने विश्वास जताया कि बंगाल की जनता अब भय और हिंसा की राजनीति नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता और विकास चाहती है। केंद्र सरकार को जनता की भावना का सम्मान करते हुए निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए।

मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर में पात्रों का चयन भोपाल से पधारे अनिल भैयाजी के सानिध्य में सम्पन्न

पटना। मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित होने वाले त्रिदिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए विभिन्न धार्मिक पात्रों का चयन भोपाल से पधारे अनिल भैयाजी के सानिध्य में श्रद्धा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। मौके पर एम पी जैन ने बताया कि मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चयनित पात्र में स्वधर्म इन्द्र — प्रदीप छाबड़ा एवं ममता छाबड़ा, चक्रवर्ती — राजकुमार पाटनी परिवार, धनपति कुबेर सुनील कुमार बड़जात्या परिवार, महायज्ञ नायक — सुभाष कुमार छाबड़ा परिवार, ईशान इन्द्र — मदन कुमार छाबड़ा परिवार, सनत कुमार इन्द्र — हीरालाल एवं रितेश कुमार , महेंद्र इन्द्र — सुमेर कुमार पाटनी परिवार, श्रीदेवी — चहल कासलीवाल, छवि देवी — गिरी देवी शामिल हैं। मंदिर कमिटी के अध्यक्ष विजय कासलीवाल ने बताया कि वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव को भव्य एवं आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करने हेतु व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में विभिन्न पूजा-अर्चना, विधान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। मीठापुर मंदिर कमिटी के पदाधिकारी में अध्यक्ष — विजय कुमार कासलीवाल, सचिव — सुनील जैन, सह सचिव — दीपक कुमार कासलीवाल, प्रबंधक मंडल — प्रदीप कुमार छाबड़ा, राजकुमार पाटनी, सुभाष छाबड़ा, आनंद बाकलीवाला एवं नरेंद्र गंगवाल शामिल हैं। मौके पर एम पी जैन ने बताया कि कमिटी ने समाज के सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के लिए पटना के ज्ञान भवन मेंलोक अदालत आज

पटना। बिहार में ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के लिए पटना के ज्ञान भवन में आयोजित होने वाली लोक अदालत में कई ट्रैफिक मामलों का निपटारा कम राशि देकर किया जाएगा। अब बिना हेलमेट, सीट बेल्ट, रेड लाइट जंप, ओवरस्पीडिंग और बिना लाइसेंस जैसे मामलों में भारी-भरकम चालान से छुटकारा मिल सकता है। जानकारी के मुताबिक, यह राहत सिर्फ उन ट्रैफिक चालानों पर मिलेगी जो 90 दिन पुराने हैं। लोक अदालत में वाहन चालकों को तय जुमार्ने से काफी कम रकम देकर मामला खत्म करने का मौका मिलेगा। जारी सूची के अनुसार, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने पर सामान्य तौर पर 5000 रुपये का चालान लगता है, लेकिन लोक अदालत में यह मामला सिर्फ 2500 रुपये में निपटाया जा सकेगा। वहीं ट्रैफिक पुलिस के आदेश की अवहेलना करने पर लगने वाला 2000 रुपये का चालान 1000 रुपये देकर खत्म किया जा सकेगा।ओवरस्पीडिंग करने वालों को भी राहत दी गई है। हल्के वाहनों पर 2000 रुपये और भारी वाहनों पर 4000 रुपये के चालान को लोक अदालत में क्रमशः 1000 और 2000 रुपये में निपटाया जा सकेगा।रेड लाइट जंप, गलत दिशा में वाहन चलाने और स्टॉप लाइन तोड़ने जैसे मामलों में भी बड़ी छूट दी गई है। इन मामलों में सामान्य तौर पर 5000 रुपये तक का जुमार्ना लगता है, लेकिन लोक अदालत में वाहन की श्रेणी के हिसाब से कम राशि तय की गई है। सबसे बड़ी राहत बिना ढवउ यानी प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहन चालकों को मिलने वाली है। ऐसे मामलों में 10 हजार रुपये तक का चालान लगाया जाता है, लेकिन लोक अदालत में कम रकम देकर मामला निपटाया जा सकेगा। इसके अलावा बिना हेलमेट, ट्रिपल राइडिंग, सीट बेल्ट नहीं पहनने और बच्चों की सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने पर लगने वाले 1000 रुपये के चालान को सिर्फ 500 रुपये देकर खत्म किया जा सकेगा।वहीं एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसे इमरजेंसी वाहनों को रास्ता नहीं देने पर लगने वाला 10 हजार रुपये का जुमार्ना लोक अदालत में 5000 रुपये में निपटाया जाएगा। बिना इंश्योरेंस वाहन चलाने वालों को भी राहत दी गई है और 2000 रुपये के चालान को 1000 रुपये देकर खत्म किया जा सकेगा।बताया गया है कि यह विशेष लोक अदालत 9 मई को आयोजित होगी, जहां बड़ी संख्या में लंबित ट्रैफिक चालानों का निपटारा किया जाएगा।

साइबर सुरक्षा की अलख जगा रहे फ़िल्म निर्माता सावन चौहान

नई सोच एक्सप्रेस

» ऑनलाइन ठगी, फिशिंग और फर्जी प्रोफाइल से बचाव के लिए लोगों को किया जागरूक, हेल्पलाइन 1930 की दी जानकारी

आगरा।फ़िल्म निर्माता समाजसेवी सावन चौहान द्वारा साइबर सुरक्षा को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों में हो रही वृद्धि को देखते हुए उन्होंने लोगों को सुरक्षित डिजिटल जीवन के प्रति जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। इसी उद्देश्य से वह साइबर खतरों पर आधारित एक महत्वपूर्ण शॉर्ट फिल्म भी बना चुके हैं, जिसे लोगों द्वारा सराहा गया है। उनका मुख्य उद्देश्य आमजन को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सोशल मीडिया सुरक्षा, साइबर बुलिंग और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना है, ताकि लोग डिजिटल दुनिया में सतर्क और सुरक्षित रह सकें। इसी क्रम में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम के दौरान सावन चौहान ने उपस्थित लोगों को तेजी से बढ़ रहे साइबर खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, ओटीपी घोटाले, फिशिंग अटैक, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, डिजिटल अरेस्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग जैसे मामलों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला और कार्यक्रम में उन्होंने लोगों को अपने ऑनलाइन खातों की सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड बनाने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने और संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों की तुरंत शिकायत करने जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय भी बताए। साथ ही साइबर अपराध से बचाव के लिए कई व्यावहारिक सुझाव और निवारक रणनीतियाँ साझा कीं। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से साइबर अपराध होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई, ताकि समय रहते सहायता प्राप्त कर नुकसान से बचा जा सके।

नेटफ्लिक्स पर 15 मई से रिलीज होगी सैफ अली खान स्टारर 'कर्तव्य', ट्रेलर लॉन्च

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स ने आगामी क्राइम ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' का ट्रेलर जारी कर दिया है। सैफ अली खान अभिनीत यह फिल्म 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है, जबकि इसका निर्माण गौरी खान ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। ट्रेलर में तनाव, रहस्य और नैतिक द्वंद्व से भरी कहानी की झलक दिखाई गई है। फिल्म में सैफ अली खान पवन नामक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान उनकी निगरानी में एक पत्रकार की गोली मारकर हत्या हो जाती है, जिसके बाद उन पर सवाल उठने लगते हैं। इसके बाद पवन हमलावर की तलाश में निकलता है और जांच उसे सत्ता, प्रभाव तथा धोखे से भरी दुनिया में ले जाती है। जांच के साथ-साथ पवन की निजी जिंदगी भी संकट में पड़ जाती है। उसके भाई से जुड़े विवाद के कारण परिवार को धमकियां मिलने लगती हैं, जिससे वह अपने कर्तव्य और परिवार के बीच उलझ जाता है। फिल्म में रसिका दुग्गल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, मनीष चौधरी और सौरभ द्विवेदी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर सैफ अली खान ने कहा कि 'कर्तव्य' एक ऐसी कहानी है, जो आसान जवाब नहीं देती और दर्शकों को कठिन परिस्थितियों में सही-गलत के बीच सोचने पर मजबूर करती है। उन्होंने निर्देशक पुलकित, पूरी टीम और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ काम करने के अनुभव को खास बताया। क्राइम और थ्रिलर पसंद करने वाले दर्शकों के लिए 'कर्तव्य' को इस महीने की चर्चित रिलीज माना जा रहा है।

स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु डॉ.सौरभ मौर्य को मिलेगा इंडियन आइकन अवार्ड 2026

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।स्वैच्छिक रक्तदान एवं मानव सेवा के क्षेत्र में वर्षों से किए जा रहे अतुलनीय कार्यों के लिए समाजसेवी एवं साधना फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सौरभ मौर्य को प्रतिष्ठित इंडियन आइकन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा | यह सम्मान आगामी 4 जुलाई 2026 को नई दिल्ली स्थित भव्य हयात होटल में आयोजित समारोह में भारत के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी संदीप पाटिल के कर- कमलों द्वारा प्रदान किया जाएगा | डॉ.सौरभ मौर्य पिछले कई वर्षों से स्वैच्छिक रक्तदान जागरूकता अभियान, निशुल्क रक्त उपलब्ध कराने तथा जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं उनके नेतृत्व में हजारों लोगों तक समय पर रक्त पहुंचाकर अनेक जीवन बचाने का कार्य किया गया है | समाज सेवा एवं मानवता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया जा रहा है | इस अवसर पर डॉ.सौरभ मौर्य ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं,बल्कि उन सभी रक्तदाताओं,सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का है जो निस्वार्थ भाव से मानव सेवा के इस अभियान से जुड़े हुए हैं उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील भी की | समाज के विभिन्न वर्गों,सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने डॉ.सौरभ मौर्य को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया है ||

26 वर्षों से न्याय की आस में भटक रहे 44 श्रमिक,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लगाई गुहार

नई सोच एक्सप्रेस

» पुराने श्रमिकों को हटाकर नए लोगों की बहाली का आरोप,बकाया वेतन और न्याय की मांग तेज

वाराणसी।नाटी इमली निवासी महेन्द्र कुमार सहित 44 श्रमिक साथियों ने भारतीय औद्योगिक व्यापार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत केसरी को प्रार्थना पत्र सौंपकर न्याय दिलाने की मांग की है | श्रमिकों का आरोप है कि वे सभी प्रीतम खन्ना रग्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडस्ट्रियल स्टेट चांदपुर वाराणसी में स्थायी रूप से कार्यरत थे लेकिन उन्हें श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रखा गया | श्रमिकों के अनुसार कंपनी में न तो साप्ताहिक अवकाश दिया जाता था और न ही हाजिरी कार्ड,वेतन पर्ची तथा न्यूनतम वेतन की व्यवस्था थी | इसके अलावा पीएफ और ईएसआई जैसी सुविधाओं से भी श्रमिकों को दूर रखा गया | आरोप है कि श्रमिकों से आठ घंटे के बजाय दस से बारह घंटे तक कार्य कराया जाता था | बताया गया कि ट्रेड यूनियन द्वारा श्रम विभाग में शिकायत किए जाने पर जांच के दौरान सभी श्रमिक मौके पर कार्यरत पाए गए थे | इसके बाद कम वेतन देने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ जिसमें फैसला श्रमिकों के पक्ष में आया | श्रमिकों का आरोप है कि फैसले के बाद कंपनी प्रबंधन उनसे नाराज हो गया और जबरन वाउचरों पर हस्ताक्षर कराने का दबाव बनाया जाने लगा | विरोध करने पर 11 अक्टूबर 2001 से सभी श्रमिकों को काम से वंचित कर दिया गया तथा उनकी जगह नए श्रमिकों की नियुक्ति कर दी गई | पीड़ित श्रमिकों का कहना है कि पिछले 26 वर्षों से मामला लेबर कोर्ट में विचाराधीन है लेकिन अब तक कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई | कोर्ट में केवल तारीख पर तारीख दी जा रही है | इस दौरान कई श्रमिकों की आर्थिक तंगी के चलते मृत्यु भी हो चुकी है | मृतक श्रमिकों के प्रमाण पत्र भी कोर्ट में जमा किए गए हैं लेकिन फिर भी मामले में तेजी नहीं आई | श्रमिकों ने मांग की है कि उन्हें 26 वर्षों का बकाया वेतन दिया जाए तथा पुराने श्रमिकों को न्याय दिलाया जाए | श्रमिकों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर मामले का जल्द समाधान कराने की अपील की है | पत्रक देते समय मुख्य रूप से महेंद्र कुमार,सुदर्शन सिंह,अमला प्रसाद,संजय कुमार,शिवजीत,कृष्णानंद सिंह,संजय सिंह,बाबूलाल सिंह,श्यामजीत,राकेश कुमार सिंह,चंदन कुमार सहित इत्यादि श्रमिक उपस्थित रहे ||

कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने पर जोर,पीएनबी कृषि आउटरीच कार्यक्रम में किसानों को मिली नई दिशा

नई सोच एक्सप्रेस

» पीएनबी के कृषि आउटरीच कार्यक्रम में किसानों को मिली आधुनिक खेती और बैंकिंग योजनाओं की जानकारी

वाराणसी।पंजाब नैशनल बैंक मंडल कार्यालय के तत्वावधान में आठ मई शुक्रवार को सिगरा शाखा वाराणसी एवं रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र शाखा परिसर में कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ | कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक वेंकटेश्वरलू इसूरादी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अंचल प्रबंधक दीपक सिंह तथा मंडल प्रमुख प्रभाष चंद्र लाल उपस्थित हुए | कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं बैंक के संस्थापक लाला लाजपत राय के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया | तत्पश्चात मंडल प्रमुख ने मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि सहित सभी उपस्थित स्टाफ सदस्यों, ग्राहक प्रतिनिधियों एवं स्वयं सहायता समूह की सदस्याओं का स्वागत किया | मुख्य अतिथि ने किसानों को परंपरागत खेती के स्थान पर व्यावसायिक खेती अपनाने का अत्यंत प्रेरणादायक संदेश दिया | आपने बताया कि समय की मांग है कि किसान केवल पारंपरिक पद्धति पर निर्भर न रहे बल्कि कास्ट एनालिसिस,बाजार की माँग और फसल चयन के वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर लाभप्रद खेती करें | आपने पुरानी खेती से जुड़े खर्च,उत्पादन और लाभ के विस्तृत विश्लेषण के साथ-साथ मसालों की खेती- जैसे हल्दी,अदरक,मैथी,धनिया,जीरा आदि के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी जो आज बाजार में अत्यंत मूल्यवान और उच्च मांग वाली फसलें हैं जिनमें बैंकिंग सेवाओं के लाभ से निवेश कर किसान कृषि को एक लाभप्रद व्यवसाय बना सकते हैं | इसके साथ ही अंचल प्रबंधक ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपनी बात रखी | कृषि क्षेत्र की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर आपका सारगर्भित मार्गदर्शन तथा किसानों के प्रति आपका संवेदनशील दृष्टिकोण उपस्थित सभी के लिए प्रेरणादायक रहा है | आज के कृषि आउटरीच कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों तक बैंक की सभी योजनाओं,सुविधाओं और नवीन तकनीकी को सरल भाषा में पहुँचाना, उनकी समस्याएँ सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना है | किसानों को बैंक के विभिन्न उत्पादों केसीसी,ट्रैक्टर लोन,एलीड एक्टिविटीज लोन,एग्री एलीड स्कीम्स,डिजिटल बैंकिंग के बारे में सूचना दी गई | कृषि अधिकारी पूजा मिश्रा ने अपनी सरल और प्रभावशाली प्रस्तुति दी जो किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी | अंत में बीस ऋणकर्ता किसानों को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया ||

हिंदू जनजागृति समिति की बैठक में सामाजिक जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।सिगरा क्षेत्र में हिंदू जनजागृति समिति की ओर से आयोजित हिंदू संगठन बैठक में विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में महिलाओं की सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे विषयों पर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में समिति की ओर से बताया गया कि आगामी दिनों में 'बेटी सुरक्षित, राष्ट्र सुरक्षित' अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरण कार्यक्रम, व्याख्यान और संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक मूल्यों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही 'हर घर योद्धा' अभियान भी 1 से 15 जून के बीच चलाने की घोषणा की गई। अभियान के अंतर्गत युवाओं और आम लोगों को आत्मरक्षा के लिए कराटे, नानचाकू और मार्शल आर्ट का निःशुल्क प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई है। बैठक में वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, हिंदू जनजागृति समिति के धर्मप्रचारक सद्गुरु निलेश सिंगबाल, चौरसिया व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील चौरसिया, राष्ट्रभक्त अधिवक्ता समिति के संयोजक अधिवक्ता संजीवन यादव, डॉ. सोहनलाल आर्य, अधिवक्ता दीपक सिंह, रवि श्रीवास्तव, विश्वनाथ कुलकर्णी और राजन केशरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण को लेकर भी अपने विचार रखे। इस विषय पर जागरूकता बढ़ाने और विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का समापन सामाजिक एकजुटता और जागरूकता बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर चेन स्नेचर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

गाजियाबाद।थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश घायल हो गया, जबकि उसका साथी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक और लूट का सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 8 मई 2026 को थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम डीएवी कट के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक वजीराबाद रोड की तरफ से आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों आरोपी बाइक मोड़कर खेतान स्कूल ग्राउंड के पीछे स्थित प्रेम गली की तरफ भागने लगे। भागने के दौरान हड़बड़ाहट में उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसी बीच बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश वरुण उर्फ शेरू उर्फ गिरगिट के दाहिने पैर में गोली लग गई। उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने कुछ दूरी पर उसे दबोच लिया। घायल बदमाश की पहचान वरुण उर्फ शेरू उर्फ गिरगिट निवासी सेक्टर-12 सोनीपत, हरियाणा के रूप में हुई, जबकि दूसरे आरोपी की पहचान आमिर उर्फ खन्ना निवासी न्यू मुस्तफाबाद, दिल्ली के रूप में हुई। घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक चोरी की स्प्लेंडर प्लस बाइक, एक देसी तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और एक पीले धातु का लॉकेट/पेंडल बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वह दिल्ली, सोनीपत, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में चेन स्नेचिंग और लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपी चोरी की बाइक का इस्तेमाल कर राह चलती महिलाओं से चेन और कुंडल छीन लेते थे तथा पहचान छिपाने के लिए रास्ते में कपड़े भी बदल लेते थे। पुलिस के मुताबिक दोनों बदमाश पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं और इनका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

चौरसिया महासभा का राष्ट्रीय चुनाव दस मई को वाराणसी में,गरीब छात्रों के लिए बनेगा आईएएस-पीसीएस छात्रावास

नई सोच एक्सप्रेस

» दिल्ली में बनेगा प्रतिभाशाली छात्रों के लिए छह मंजिला छात्रावास

वाराणसी।अखिल भारतीय चौरसिया महासभा कोलकाता का चुनाव हाजीपुर, पटना-बिहार में संपन्न हुआ था उसमें चुने गये राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप चौरसिया ने दिल्ली में असक्षम जो (धन के अभाव में कोचिंग नही कर पाते) के लिए आईएएस, पीसीएस,इन्जिनियरिंग जैसे तैयारियों के लिए छात्रावास बनाने की घोषणा किया था इसके लिए चौरसिया फाउण्डेशन ट्रस्ट की स्थापना की गयी जिसके तहत दिल्ली के रोहिणी में छह मंजिला भवन निर्माण लगभग सात करोड़ रूपये की लागत से बनाया जा रहा है यह जानकारी अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के पदाधिकारियों ने लक्सा स्थित होटल ओके इंटरनेशनल सभागार मे दी | उन्होंने बताया कि इस सन्दर्भ में ट्रस्टीगण की बैठक नौ मई शनिवार को होटल रमाडा (रामनगर रोड,कटेसर) मे आहूत की होगी तथा आगामी सत्र 2026-2029 के लिए चुनावी प्रक्रिया दस मई रविवार को आहूत की गयी है | चुनाव अधिकारी महेश कानड़ी उज्जैन,जगत नारायण चौरसिया सिंगरौली मध्य प्रदेश,सुरेश चौरसिया पार्षद वाराणसी है | नामांकन की सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है चुनाव प्रक्रिया के पूर्व आम सभा आयोजित की गयी है जिसमें पिछले तीन वर्षों में किये गये कार्यों की सूची एवं आय व्यय का लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया जायेगा | तत्पश्चात शपथ ग्रहण का कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा | कार्यक्रम मे मुख्य रूप से गंगाबाबू चौरसिया (पूर्व राज्यपाल सिक्किम), कैलाश नाथ चौरसिया (पूर्व मंत्री उ.प्र.), रामेश्वर चौरसिया (पूर्व विधायक नोखा बिहार),सुरेन्द्र चौरसिया (विधायक,रामपुर कारखाना),आलोक चौरसिया (विधायक, डाल्टेनगंज) होगे | पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से प्रदीप चौरसिया,सुधीर चौरसिया,डॉ अजय चौरसिया,बाबूलाल चौरसिया,टी एन चौरसिया,गणेशनी चौरसिया,सोहन लाल चौरसिया,विजय चौरसिया सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे ||

मंत्रिमंडल विस्तार से साधे गए राजनीतिक समीकरण

आरती कुमारी

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल विस्तार के कई गहरे राजनीतिक मायने हैं। यह केवल सत्ता संचालन का मामला नहीं बल्कि 2029 लोकसभा और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों की व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी ने इसे राष्ट्रीय स्तर का शक्ति प्रदर्शन बना दिया। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा को मिली अभूतपूर्व विजय से बिहार का महत्व और भी बढ़ चुका है क्योंकि पश्चिम, उत्तर, मध्य भारत के बाद पूर्वी भारत में भाजपा ने गजब का विस्तार किया है। इसे बरकरार रखने में बिहार की अहम भूमिका होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, सम्राट मंत्रिमंडल विस्तार का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि बिहार में भाजपा अब "सहयोगी दल" नहीं बल्कि "मुख्य धुरी" बनना चाहती है। यही वजह है कि वह एनडीए के सामाजिक समीकरणों को फिर से पुनर्गठित कर रहा है। खासकर 'नीतीश युग' से 'सम्राट युग' की ओर नियंत्रित लेकिन सधे हुए कदमों से वह कदमताल भर रही है, जिसका सारा श्रेय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साहस, समर्पण, और सहृदयता को जाता है जिससे मोदी-शाह का काम आसान हुआ। देखा जाए तो भाजपा आम चुनाव 2029 की राजनीति की नींव अभी से रखी जा रही है। इसके लिए नीतीश सरकार के जातीय समीकरण को अक्षुण्ण रखते हुए सामाजिक न्याय और हिंदुत्व को नई धार दे चुकी है। इससे बिहार विधानसभा चुनाव 2030 में भी बहुत फायदा मिलेगा। वहीं, पूर्वी भारत के लिए भविष्य की चुनौतियों से निपटने और खासकर ग्रेटर बंगलादेश के सपनों को नेस्तनाबूद करने की अंदरूनी तैयारी भी भाजपा ने तेज कर दी है, जिसमें बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा असम, के अलावा त्रिपुरा, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर आदि की भी अहम भूमिका रहेगी। लिहाजा, बिहार में सम्राट सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के अहम मायने इस प्रकार हैं-

पहला, भाजपा का "नया बिहार नेतृत्व" स्थापित करने की कोशिश और उसके निमित्त जारी जद्दोजहद युवा और कर्मठ राजनेता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने बिहार में "पोस्ट-नीतीश युग" की शुरुआत का संकेत दिया है, लेकिन अब मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए पार्टी नेतृत्व द्वारा यह संदेश दिया गया है कि पार्टी बिहार में अपना स्वतंत्र नेतृत्व खड़ा कर रही है। इसमें नए और आक्रामक राजनीतिक चेहरों को जगह दी गई है। विभागों का बंटवारा भी काफी सूझबूझ से किया गया है। इसका श्रेय टीम मोदी-शाह-चौधरी को ही जाता है।

दूसरा, गोविंदाचार्य के यूपी सोशल इंजीनियरिंग का बिहार में अबतक का बड़ा प्रयोग- सम्राट कैबिनेट के गठन में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ओबीसी, ईबीसी, दलित, महादलित, सवर्ण, निषाद, कुशवाहा, पासवान और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं, अकस्मात लाए हुए यूजीसी बिल के साइड इफेक्ट्स से भी एनडीए को बचाने की पुरजोर कोशिश दिखी। लिहाजा, इसे भाजपा- जदयू गठबंधन की संयुक्त "सामाजिक समीकरण साधो" रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, विशेष रूप से, ओबीसी और ईबीसी वर्ग को बड़ा प्रतिनिधित्व के दृष्टिगत अतिपिछड़ा वोट बैंक पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश के साथ साथ दलित-पासवान समीकरण को एनडीए में स्थिर रखने का प्रयास करते हुए सीमांचल और मिथिलांचल को राजनीतिक संदेश दिया गया है। इससे नए चेहरों की भी किस्मत खुली।

तीसरा, जदयू और भाजपा के बीच "50-50 का शक्ति संतुलन" ताकि परस्पर सहयोग और मजबूत हो- रिपोर्टों के अनुसार भाजपा और जदयू के बीच लगभग बराबरी का फार्मूला अपनाया गया। इससे यह संकेत गया कि गठबंधन में जदयू अभी भी सम्मानजनक स्थिति में है, जबकि भाजपा नेतृत्वकारी भूमिका में आगे बढ़ रही है। आपको बता दें कि भाजपा और जदयू की दोस्ती दोनों दलों के लिए बहुत सुखदायी समझी जाती है। तभी तो एक नहीं बल्कि दो-दो बार नीतीश कुमार एनडीए से बाहर गए, लेकिन भाजपा ने उन्हें बार-बार मौका देकर नीतीश कुमार की इज्जत बनाए रखी। वहीं, उनकी पसंद का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाकर, भाजपा में ही नीतीश कुमार पैदा करने की अहम चाल चली, जिसका फायदा क्रमबद्ध रूप से समझ में आएगा।

चौथा, भरोसेमंद राजनीतिक मित्र नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को सुरक्षित रखने की महत्वपूर्ण कोशिश- पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को मंत्रिमंडल में बतौर स्वास्थ्य मंत्री शामिल किया जाना बेहद प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। इसके लिए पार्टी ने अपने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय तक को दरकिनार करना मुनासिब समझी। इससे जदयू के भीतर उत्तराधिकार राजनीति को संस्थागत रूप देने का संकेत मिलता है। इससे भाजपा का लवकुश समीकरण काफी मजबूत होगा। इसप्रकार यह कदम तीन संदेश देता है: एक, जदयू का भविष्य "परिवार-केंद्रित नेतृत्व" की ओर जा सकता है। दो, भाजपा फिलहाल नीतीश परिवार के साथ टकराव नहीं चाहती। और तीसरा, गठबंधन में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश है।

पांचवां, पश्चिम बंगाल चुनाव की अभूतपूर्व जीत के बाद पूर्वी भारत में एनडीए का शक्ति प्रदर्शन- गांधी मैदान, पटना में बड़े आयोजन और शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की अहम मौजूदगी यह दर्शाती है कि भाजपा बिहार को पूर्वी भारत की राजनीति का केंद्रीय मैदान बना रही है। यह संदेश विपक्ष, खासकर तेजस्वी यादव और महागठबंधन को दिया गया कि एनडीए अभी भी संगठनात्मक और चुनावी रूप से मजबूत है। इसलिए इंडिया गठबंधन अपना कुनबा संभाले न कि एनडीए गठबंधन पर बक्र दृष्टि रखे। इससे उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है।

छठा, सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल में युवा और नए चेहरों पर रचनात्मक दांव- मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी कैबिनेट में कई नए चेहरों को मंत्री बनाकर भाजपा और जदयू दोनों के मिशन "जनरेशन शिफ्ट" का संकेत दिया है। इससे एंटी-इंकम्बेंसी कम करने और युवा वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश दिखती है। ऐसा इसलिए कि वर्तमान राजनीति में किसानों, मजदूरों, कारीगरों के साथ साथ महिलाओं और युवाओं की भूमिका बढ़ी है। आजकल युवा ड्राइविंग फोर्स की तरह निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। पूर्वी भारत में भाजपा का आधार जागरूक युवा ही हैं। इसलिए भाजपा उनके सपनों को पूरा करने में जुटी रहती है। यदि ऐसा स्वप्न साकार होता है तो इससे न केवल पूर्वी बिहार, बल्कि मध्य बिहार, उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में भी भाजपा को मजबूती मिलेगी।

सातवां, लकीर की फकीर वाली सियासत में निमग्न 'महामूर्ख विपक्ष' के लिए भाजपा की जमीनी रणनीति बनी अहम चुनौती- भाजपा के मौजूदा विस्तार से विपक्ष की जातीय और साम्प्रदायिक राजनीति को करारा जवाब देने की रणनीति भी दिखाई देती है। इसका सारा श्रेय नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जाता है। लिहाजा अब उनके वफादार लोग और पार्टी की टीम के खास लोग भाजपा को मजबूत करेंगे। खासकर, विपक्ष के हर राजनीतिक दांव पर पलटवार करते हुए। इससे भाजपा केवल हिंदुत्व ही नहीं, बल्कि "हिंदुत्व, सामाजिक प्रतिनिधित्व और विकास" मॉडल पर आगे बढ़ती दिख रही है। इसके लिए भाजपा का प्रयास सराहनीय है, स्तुत्य है। इसका दिल खोलकर स्वागत किया जाना चाहिए।

आठवां, चुस्त-दुरुस्त जातीय समीकरण- सम्राट चौधरी के कैबिनेट विस्तार में भाजपा के 15 (मुख्यमंत्री सहित 16), जेडीयू के 13 (दो उपमुख्यमंत्री सहित 15), लोजपा रामविलास के 2, हम और आरएलएम के 1-1 नेता ने मंत्रीपद की शपथ ली। इनमें भाजपा से 5 और जेडीयू से 3 नए चेहरों ने शपथ ली, जिनमें पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, इंजीनियर कुमार शैलेंद्र, मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र पासवान, अरुण शंकर, नंदर किशोर राम, बुलो मंडल और श्वेता गुप्ता आदि का नाम शामिल है। बिहार सरकार की कैबिनेट में अब पांच महिला मंत्री हैं, जिनमें जदयू की तीन नेता शामिल हैं।

देखिए पूरी सूची, जातीय विवरण सहितः-

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा): मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहले ही शपथ ले चुके थे, जबकि उनके मंत्रिमंडल विस्तार में निम्नलिखित नेताओं को शामिल किया गया हैः-

1.राम कृपाल यादव – ओबीसी, 2.केदार गुप्ता – कानू/ ईबीसी

3.नीतीश मिश्रा – ब्राह्मण, 4. मिथिलेश तिवारी – ब्राह्मण, 5. रमा निषाद – ईबीसी / मल्लाह , 6. विजय कुमार सिन्हा – भूमिहार ब्राह्मण, 7. दिलीप जायसवाल – ईबीसी, 8. प्रमोद चंद्रवंशी – ईबीसी, 9. लखेन्द्र पासवान – दलित, 10. संजय टाइगर- राजपूत, 11. इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र- भूमिहार ब्राह्मण, 12. नंद किशोर राम- दलित, 13. रामचंद्र प्रसाद – वैश्य/ ओबीसी, 14. अरुण शंकर प्रसाद – सूढ़ी वैश्य/ ओबीसी, 15. श्रेयसी सिंह- राजपूत। वहीं, जनतादल यूनाइटेड (जदयू) के 2 उपमुख्यमंत्री क्रमशः विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव पहले ही शपथ ले चुके थे, जबकि मंत्रिमंडल विस्तार में निम्नलिखित नेताओं को शामिल किया गया हैः- 1. निशांत कुमार- कुर्मी/ ओबीसी, 2. श्रवण कुमार – कुर्मी/ ओबीसी, 3. अशोक चौधरी- दलित, 4. लेसी सिंह- राजपूत, 5. मदन सहनी- मल्लाह/ ईबीसी, 6. सुनील कुमार- दलित, 7. जमा खान- अल्पसंख्यक, 8. भगवान सिंह कुशवाहा- कोइरी/ ओबीसी, 9. शीला मंडल- धानुक / ईबीसी, 10. दामोदर राउत – धानुक/ ईबीसी, 11. बुलो मंडल- गंगोता/ ईबीसी, 12. रत्नेश सदा- दलित, 13. श्वेता गुप्ता- बनिया।

लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) यानी लोजपा (आर) से निम्नलिखित नेताओं को शामिल किया गया हैः-1. संजय पासवान- दलित 2. संजय सिंह – राजपूत। वहीं, हिन्दुस्तान अवामी मोर्चा यानी हम से निम्नलिखित नेता को शामिल किया गया हैः-1. संतोष मांझी- दलित। वहीं, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा (रालोमो) से निम्नलिखित नेता को शामिल किया गया हैः-1. दीपक प्रकाश कुशवाहा। इस नए मंत्रिमंडल में कोसी और सीमांचल को भी तवज्जो दी गई है जो पूर्वी बिहार का अभिन्न अंग है।

देश के 22 प्रदेशों में एनडीए का वर्चस्व

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति एक निरंतर परिवर्तनशील प्रक्रिया है, जहाँ जनादेश समय-समय पर सत्ता के समीकरणों को बदलता रहता है। हाल ही में पाँच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद जो नया राजनीतिक परिदृश्य उभरकर सामने आया है, वह न केवल वर्तमान सत्ता संतुलन को दर्शाता है, बल्कि आने वाले वर्षों की राजनीति की दिशा भी तय करता दिखाई देता है। अब देश के लगभग 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का शासन स्थापित हो चुका है, जो कुल आबादी के लगभग 78% हिस्से को कवर करता है। यह आंकड़ा अपने आप में इस गठबंधन की व्यापक स्वीकार्यता और राजनीतिक ताकत का संकेत देता है। चुनाव परिणामों के बाद जो नया मानचित्र सामने आया है, वह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि एनडीए का प्रभाव देश के अधिकांश हिस्सों में फैल चुका है। उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर तक, पश्चिम से लेकर मध्य भारत तक, इस गठबंधन ने अपनी पकड़ मजबूत की है। यह स्थिति केवल सीटों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि जनसंख्या के अनुपात में भी इसका प्रभाव अत्यधिक व्यापक है। जब किसी गठबंधन के पास देश की लगभग 78% आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य हों, तो यह केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि एक सामाजिक और वैचारिक स्वीकृति का भी संकेत होता है। एनडीए का प्रभाव सबसे अधिक उन क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है जहाँ पहले क्षेत्रीय दलों या विपक्षी गठबंधनों का मजबूत आधार हुआ करता था। उत्तर भारत के उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड जैसे बड़े राज्यों में पहले से ही एनडीए की मजबूत उपस्थिति थी, जो अब और सुदृढ़ हुई है। पश्चिम भारत के गुजरात और महाराष्ट्र जैसे आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में गठबंधन का नियंत्रण इसे और अधिक प्रभावशाली बनाता है। पूर्वोत्तरः के असम सहित कई पूर्वोत्तर राज्यों में एनडीए की सरकारें क्षेत्रीय संतुलन को बदल रही हैं। मध्य भारत के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सत्ता की वापसी ने राजनीतिक समीकरणों को नया आयाम दिया है। इस समय केवल लगभग 10 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहाँ गैर-एनडीए या गैर-भाजपा सरकारें मौजूद हैं। इनमें दक्षिण भारत के कुछ राज्य, पूर्वी भारत के कुछ हिस्से और कुछ केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह एक मजबूत और एकजुट विकल्प प्रस्तुत नहीं कर पा रहा है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रणनीतियाँ और नेतृत्व की कमी के कारण विपक्ष का प्रभाव सीमित होता जा रहा है। हालांकि, यह भी सच है कि लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए एक मजबूत विपक्ष का होना आवश्यक है। ऐसे में आने वाले समय में विपक्ष के लिए यह जरूरी होगा कि वह अपने संगठन को मजबूत करे और जनता के मुद्दों पर एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करे।

एनडीए के इस व्यापक विस्तार के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं, जिन्हें समझना आवश्यक है। केंद्र स्तर पर मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट निर्णय क्षमता ने जनता के बीच विश्वास पैदा किया है। यह विश्वास राज्यों के चुनावों में भी दिखाई देता है। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर किए गए कार्यों ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं का सीधा असर वोटिंग पैटर्न पर पड़ा है। एनडीए के प्रमुख दलों का मजबूत संगठनात्मक ढांचा और जमीनी स्तर तक पहुँच इसकी सफलता का एक बड़ा कारण है। यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह वर्चस्व स्थायी रहेगा या यह केवल एक अस्थायी राजनीतिक लहर है। इतिहास बताता है कि भारतीय राजनीति में कोई भी स्थिति स्थायी नहीं होती। जनादेश समय के साथ बदलता रहता है। हालांकि, वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि एनडीए ने एक मजबूत आधार तैयार कर लिया है, जिसे चुनौती देना आसान नहीं होगा। लेकिन इसके लिए निरंतर प्रदर्शन, जनता से संवाद और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना जरूरी होगा। जब किसी एक गठबंधन का इतने बड़े हिस्से पर नियंत्रण होता है, तो इसका प्रभाव देश के संघीय ढांचे पर भी पड़ता है। इसका सकारात्मक पक्ष है केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी और नीति निर्माण में एकरूपता। वहीं इसके चिंताजनक पहलू हैं क्षेत्रीय आवाजों के कमजोर होने का खतरा, राजनीतिक विविधता में कमी और विपक्ष की सीमित भूमिका, इसलिए, यह आवश्यक है कि सत्ता और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिकाओं को संतुलित तरीके से निभाएँ। यह राजनीतिक स्थिति आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों पर भी गहरा प्रभाव डाल सकती है। एनडीए के लिए यह एक सकारात्मक संकेत है, जो उसे आत्मविश्वास देता है। विपक्ष के लिए यह एक चेतावनी है कि उसे अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। यदि वर्तमान ट्रेंड जारी रहता है, तो आने वाले चुनावों में भी यही वर्चस्व देखने को मिल सकता है। लेकिन राजनीति में अंतिम निर्णय हमेशा जनता के हाथ में होता है। इतने बड़े जनादेश के बाद जनता की अपेक्षाएँ भी बढ़ जाती हैं। लोग अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होंगे, बल्कि उन्हें ठोस परिणाम चाहिए। रोजगार के अवसर, महंगाई पर नियंत्रण, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा, किसानों की आय में वृद्धि। यदि सरकार इन मुद्दों पर प्रभावी काम करती है, तो यह समर्थन लंबे समय तक बना रह सकता है। 22 राज्यों और 78% आबादी पर एनडीए का शासन भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देता है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं है, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। हालांकि, लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि यहाँ कोई भी स्थिति स्थायी नहीं होती। सत्ता का यह संतुलन समय के साथ बदल सकता है, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट है कि देश की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। आने वाले वर्षों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह वर्चस्व किस दिशा में जाता है। क्या यह स्थायी परिवर्तन बनता है या फिर भारतीय लोकतंत्र एक बार फिर नए समीकरणों की ओर बढ़ता है।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वर्क प्लेस पर किसी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मिलेगी। आज किसी मित्र से मुलाकात आपको खुशी देगी। आज आप शाम किसी बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं जहां आपकी मुलाकात किसी रिश्तेदार से होगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कामों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें। करीबी दोस्त या रिश्तेदार आपकी समस्या का समाधान निकालेगा। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। भाई के साथ कुछ मामलों को लेकर विचार विमर्श करेंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना लें। आज किसी भी प्रकार का अनुचित काम आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव तथा सहयोग आपको बहुत अधिक लाभदायक रहेगा। संतान से खास खुशखबरी मिलेगी, घर में सभी लोग खुश होंगे। आज विरोधी आपके सामने नतमस्तक होगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप किसी काम करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनाएंगे। आज आपकी रुचि अध्यात्म में रहेगी। कारोबार और परिवार में बैलेंस बना रहेगा। अगर आप नया काम शुरू करने जा रहे हैं तो माता-पिता का आशीर्वाद लेकर ही शुरू करें, आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आज आपका कई दिनों से रुका काम पूरा हो जायेगा, जिससे मन प्रसन्न होगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनाए रखेंगे, आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएंगी। आज दूसरों के मामले में दखलंदाजी से बचना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपका मिलनसार व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा। आपके विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने का काम कर सकते हैं।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। बेहतर रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। विस्तार संबंधी योजनाओं को गंभीरता से लें। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम समय से पूरा हो जाएगा। शि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किए जा सकते हैं। आपके मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। पिता का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रहे पारिवारिक वाद विवाद निपटने से घर में सुकून और शांतिपूर्ण माहौल रहेगा। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भावनाओं का भी ख्याल रखेंगे। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना रिश्तों में मधुरता लाएगा। प्रोफेशनल वर्क सिस्टम में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप सामाजिक कामों में हिस्सा लेंगे, समाज में आपका सम्मान होगा।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं, जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। धर्म और सामाजिक कामों में आपकी रुचि हो सकती है। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आएंगे।

नेतृत्व परिवर्तन बनाम जनविश्वासः सत्ता की शतरंज, जनता की कसौटी और लोकतंत्र की असली परीक्षा

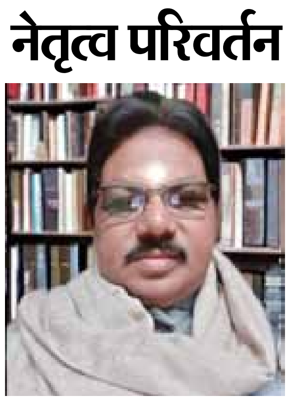

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार बिहार

भारतीय लोकतंत्र की संरचना को यदि गहराई से समझा जाए तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यहाँ सत्ता का वास्तविक आधार केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनविश्वास है। नेतृत्व परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन हर परिवर्तन अपने साथ एक प्रश्न भी लेकर आता है—क्या यह बदलाव जनता के विश्वास को मजबूत करेगा या उसे कमजोर करेगा? यही वह बिंदु है जहाँ "नेतृत्व परिवर्तन बनाम जनविश्वास" का प्रश्न केवल राजनीतिक विमर्श का विषय नहीं रह जाता, बल्कि यह लोकतंत्र की गुणवत्ता और दिशा का निर्धारक बन जाता है। नेतृत्व परिवर्तन का इतिहास उतना ही पुराना है जितना स्वयं लोकतंत्र। सत्ता का स्वभाव ही परिवर्तनशील है, और समय-समय पर बदलते सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप नेतृत्व का बदलना आवश्यक भी होता है। लेकिन यह परिवर्तन तभी सार्थक होता है जब वह जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यदि नेतृत्व परिवर्तन केवल सत्ता के समीकरणों को साधने का माध्यम बन जाए, तो वह लोकतंत्र के मूल भाव—जनता के विश्वास—को कमजोर कर देता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण ऐसे रहे हैं जहाँ नेतृत्व परिवर्तन ने नई ऊर्जा, नई दिशा और नई उम्मीदों को जन्म दिया। वहीं कई ऐसे उदाहरण भी रहे हैं जहाँ यह परिवर्तन केवल चेहरे बदलने तक सीमित रहा और जनता के भीतर निराशा का भाव उत्पन्न हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि नेतृत्व परिवर्तन का प्रभाव केवल उसके होने में नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य और क्रियान्वयन में निहित होता है। जनविश्वास एक अमूर्त शक्ति है, जिसे न तो किसी पद से प्राप्त किया जा सकता है और न ही किसी आदेश से स्थापित किया जा सकता है। यह समय के साथ निर्मित होता है—नेतृत्व की ईमानदारी, पारदर्शिता, निर्णय क्षमता और जनता के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर। जब कोई नया नेतृत्व सामने आता है, तो उसे सबसे पहले इसी विश्वास को अर्जित करना होता है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि जनता केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं चाहती, बल्कि वह जीवन में सुधार चाहती है। उसे रोजगार चाहिए, सुरक्षा चाहिए, विकास चाहिए और सम्मान चाहिए। यदि नेतृत्व परिवर्तन इन अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो जनता उसे स्वीकार करती है। लेकिन यदि यह केवल राजनीतिक चाल के रूप में सामने आता है, तो जनता उसे अस्वीकार भी कर सकती है। नेतृत्व परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण आयाम यह भी है कि यह राजनीतिक दलों की आंतरिक लोकतांत्रिक संरचना को भी दर्शाता है। यदि किसी दल में समय-समय पर नए नेतृत्व को अवसर दिया जाता है, तो यह उसकी जीवंतता का संकेत है। लेकिन यदि यह परिवर्तन केवल गुटबाजी या सत्ता संघर्ष का परिणाम होता है, तो यह उसकी कमजोरी को उजागर करता है। आज के दौर में जब सूचना का प्रवाह अत्यंत तीव्र हो गया है, तब नेतृत्व परिवर्तन को लेकर पारदर्शिता और स्पष्टता और भी अधिक आवश्यक हो गई है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण जनता हर निर्णय को तुरंत देखती और परखती है। ऐसे में यदि नेतृत्व परिवर्तन के पीछे का उद्देश्य स्पष्ट नहीं होता, तो भ्रम और अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होती है। नेतृत्व परिवर्तन के साथ सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि नया नेतृत्व कितनी जल्दी अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर पाता है। यह प्रक्रिया केवल घोषणाओं से पूरी नहीं होती, बल्कि इसके लिए ठोस कार्यों की आवश्यकता होती है। जनता अब प्रतीक्षा नहीं करती, वह तुरंत परिणाम चाहती है। इसलिए नए नेतृत्व को प्रारंभिक चरण में ही ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जो उसकी गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाएँ। यह भी देखा गया है कि कई बार नेतृत्व परिवर्तन के बाद एक उत्साह का वातावरण बनता है, लेकिन यदि वह उत्साह ठोस परिणामों में परिवर्तित नहीं होता, तो वह जल्दी ही समाप्त हो जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि नेतृत्व परिवर्तन केवल शुरुआत है, सफलता का निर्धारण उसके बाद के कार्यों से होता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में नेतृत्व परिवर्तन का प्रभाव हर वर्ग और हर क्षेत्र पर अलग-अलग पड़ता है। इसलिए यह आवश्यक है कि नया नेतृत्व सभी वर्गों को साथ लेकर चले। यदि वह केवल एक वर्ग या एक क्षेत्र तक सीमित हो जाता है, तो व्यापक जनविश्वास प्राप्त नहीं कर सकता। समावेशी नेतृत्व ही वह आधार है जिस पर स्थायी जनविश्वास निर्मित होता है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि नेतृत्व परिवर्तन केवल शीर्ष स्तर तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसका प्रभाव प्रशासनिक ढांचे, संगठनात्मक संरचना और सामाजिक वातावरण पर भी पड़ता है। यदि यह परिवर्तन सकारात्मक दिशा में होता है, तो यह पूरे सिस्टम को नई ऊर्जा देता है। लेकिन यदि यह असंतुलित होता है, तो यह अस्थिरता पैदा कर सकता है। राजनीति में यह भी देखा गया है कि कई बार नेतृत्व परिवर्तन केवल प्रतीकात्मक होता है। चेहरे बदल जाते हैं, लेकिन नीतियाँ और कार्यशैली वही रहती हैं। ऐसे परिवर्तन का कोई वास्तविक प्रभाव नहीं होता। जनता अब इस अंतर को समझने लगी है और वह केवल नाम बदलने से संतुष्ट नहीं होती। वास्तविक परिवर्तन वही होता है जिसमें दृष्टिकोण, नीति और कार्यप्रणाली—all में बदलाव दिखाई दे। नेतृत्व परिवर्तन और जनविश्वास के बीच संबंध को समझने के लिए यह भी आवश्यक है कि हम ऐतिहासिक संदर्भों को देखें। भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र स्तर पर कई बार ऐसे परिवर्तन हुए हैं, जिन्होंने राजनीति की दिशा बदल दी। इन उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि जब नेतृत्व परिवर्तन जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप होता है, तो वह दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है। लेकिन जब यह केवल सत्ता के समीकरणों तक सीमित होता है, तो वह अल्पकालिक साबित होता है। आज के समय में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या नेतृत्व परिवर्तन वास्तव में जनहित में हो रहा है या केवल राजनीतिक लाभ के लिए। यह प्रश्न केवल राजनीतिक दलों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है। क्योंकि लोकतंत्र की शक्ति जनता के विश्वास में ही निहित होती है। यदि यह विश्वास बना रहता है, तो लोकतंत्र मजबूत होता है। और यदि यह विश्वास टूटता है, तो सबसे मजबूत राजनीतिक संरचना भी कमजोर पड़ जाती है। इसलिए यह आवश्यक है कि नेतृत्व परिवर्तन को केवल राजनीतिक घटना के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक प्रक्रिया के रूप में समझा जाए। यह प्रक्रिया तभी सफल होती है जब उसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित की स्पष्ट भावना हो। नेतृत्व परिवर्तन की सफलता का अंतिम मापदंड यही है कि क्या वह जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सका। यदि हाँ, तो वह परिवर्तन सार्थक है। यदि नहीं, तो वह केवल एक राजनीतिक प्रयोग बनकर रह जाएगा। आज की राजनीति के लिए सबसे बड़ा संदेश यही है कि नेतृत्व बदलना आसान है, लेकिन विश्वास बनाना कठिन है। और वही नेतृत्व सफल होता है जो इस कठिन कार्य को समझता है और उसे पूरा करने का साहस रखता है। जनता अब केवल वादों से प्रभावित नहीं होती, वह परिणाम चाहती है। वह केवल भाषण नहीं सुनती, वह काम देखती है। और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। नेतृत्व परिवर्तन इस शक्ति और चुनौती के बीच संतुलन बनाने की प्रक्रिया है। यदि यह संतुलन सही ढंग से स्थापित किया जाता है, तो लोकतंत्र मजबूत होता है। और यदि यह संतुलन बिगड़ता है, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन केवल सत्ता का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह विश्वास की परीक्षा है। और इस परीक्षा में वही नेतृत्व सफल होता है जो जनता के साथ ईमानदारी से खड़ा रहता है, जो अपने निर्णयों में पारदर्शी होता है और जो अपने कार्यों के माध्यम से यह सिद्ध करता है कि वह वास्तव में जनता के हित में काम कर रहा है। अंततः लोकतंत्र का आधार जनता है, और जनता का आधार विश्वास। यदि यह विश्वास बना रहता है, तो कोई भी नेतृत्व परिवर्तन सकारात्मक परिणाम दे सकता है। और यदि यह विश्वास टूटता है, तो सबसे बड़ा परिवर्तन भी निरर्थक हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

शहादत की राजनीति कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करना बंद करे भाजपा राकेश सिन्हा

झारखण्ड। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस क़े मिडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बाबूलाल मरांडी के पश्चिम बंगाल को लेकर दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भाजपा अब राजनीतिक मुद्दों और जनहित के सवालों पर जवाब देने की स्थिति में नहीं बची है, इसलिए वह "खून, शहादत और डर" की भावनात्मक राजनीति कर लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। सिन्हा ने कहा कि बंगाल की जनता का अपमान करना और हर चुनावी जीत को हिंसा तथा नफरत की कहानी में बदल देना भाजपा की पुरानी रणनीति रही है। अगर भाजपा को वास्तव में लोकतंत्र और कार्यकर्ताओं की इतनी चिंता होती, तो देशभर में विपक्षी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, चुनी हुई सरकारों को गिराने और संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाने की राजनीति बंद करती। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा यह बताये कि आखिर क्यों हर उस राज्य में, जहाँ उसे राजनीतिक चुनौती मिलती है, वहां वह लोकतांत्रिक जनादेश को स्वीकार करने के बजाय हिंसा और षड्यंत्र का नैरेटिव खड़ा करने लगती है। पश्चिम बंगाल की जनता ने कई बार भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को नकारा है और अब हार की हताशा में भाजपा "बलिदान" की आड़ लेकर सहानुभूति बटोरने का प्रयास कर रही है। उन्होंने ने कहा कि भाजपा नेताओं को यह भी याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र किसी एक दल की जागीर नहीं है। देश में सबसे अधिक राजनीतिक हत्याएं, सामाजिक तनाव और संस्थागत हमले भाजपा शासनकाल में बढ़े हैं। ऐसे में दूसरों पर लोकतंत्र की सीख देना भाजपा की दोहरी मानसिकता को दर्शाता है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग, न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भाजपा का रवैया हमेशा अवसरवादी रहा है। जब परिणाम उनके पक्ष में हों तो संस्थाएं महान और जब जनादेश खिलाफ हो तो वही संस्थाएं कठघरे में खड़ी कर दी जाती हैं। पार्टी ने अंत में कहा कि जनता अब भावनात्मक भाषणों से नहीं, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और सामाजिक सौहार्द जैसे मुद्दों पर जवाब चाहती है। भाजपा को "शहादत की राजनीति" छोड़कर जनता के असली सवालों पर जवाब देना चाहिए।

सुदेश ने शुभेंदु को दी बधाई,शपथ समारोह में होंगे शामिल

आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने ऐतिहासिक बदलाव के लिए जनादेश दिया है। अब नया बंगाल बनेगा। श्री महतो ने कहा कि बंगाल में परिवर्तन का असर झारखंड के राजनीतिक परिदृश्य पर भी पड़ेगा। सुदेश महतो शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी शिरकत करेंगे। इसके लिए श्री महतो को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से न्योता भेजा गया है। बंगाल के लोकभवन से भी उन्हें आमंत्रण मिला है। श्री महतो देर शाम कोलकाता रवाना हो गए हैं।

सनराइज पब्लिक स्कूल में शिक्षक -अभिभावकों की बैठक संपन्न

टाटीझरिया(हजारीबाग)।प्रखंड क्षेत्र के खंभवा में अवस्थित सनराइज पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को शिक्षक - अभिभावक गोष्ठी की गई।जिसकी अध्यक्षता चिंतामन गोप ने किया। बैठक में प्रसन्नता जाहिर करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुज साव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय खोलने और आपके बच्चों के भविष्य संवारने का संकल्प लेकर हमने जो कार्य किया,उसमें आप सबों का समर्थन मिला। अल्पावधि में ही अपने हमारे संस्थान को काफी सहयोग किया। आगे भी आपसे सहयोग की उम्मीद है। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कैलाशपति सिंह ने भी विद्यालय में आवश्यक संसाधनों की पूर्ति करने का दावा किया। अभिभावकों की ओर से भी कई महत्वपूर्ण सुझाव आए।जिसमें बच्चों को अंग्रेजी में बात करने,सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने,बच्चों में बेहिचक बातचीत करने की क्षमता का विकास करवाने समेत कई विचार आए। मौके पर प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह,बलदेव कुशवाहा,सोनी कुमारी,पूजा कुमारी,संजू कुमारी, गांगी कुमारी,आदित्य कुमार,श्याम कुमार,रामेश्वर प्रजापति,हरेंद्र मंडल,संजय कुशवाहा समेत अन्य उपस्थित थे।

विधिक जागरूकता से सशक्त होगा समाज, दूरदराज के गांवों तक पहुंचा डीएलएसए

पाकुड़। झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पाकुड़ के तत्वावधान में नब्बे दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को बाल आश्रय गृह पाकुड़, पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हिरणपुर और कई दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष दिवाकर पांडेय के निर्देश और सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है।बाल आश्रय गृह में आयोजित कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सहायक गंगाराम टुडू और यूनिसेफ के चाइल्ड कोऑर्डिनेटर मो. अनीस ने बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के साथ-साथ शिक्षा और कौशल विकास की महत्ता बताई। उन्होंने बच्चों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन के साथ उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल ने लोगों को बताया कि कोई भी व्यक्ति कानूनी सहायता के लिए भटकने के बजाय नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर सकता है। उन्होंने मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और प्राधिकार द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी।जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान समाज में व्याप्त डायन बिसाही, बाल विवाह, दहेज प्रथा और बाल श्रम जैसे अपराधों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने इन कुरीतियों के विरुद्ध कड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से अपील की कि वे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाएं और कानून का सहयोग लें।इस अवसर पर मेडिएटर सुमित्रा रानी सिंह, कोऑर्डिनेटर तालामय किस्कू, पीएलवी मैनुल शेख, पिंकी मंडल, मोलिता कुमारी, विजय कुमार राजवंशी, नीरज कुमार राउत सहित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक और भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

इलामी और गंधाईपुर मंडल का दो दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण शिविर संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा सांगठनिक मजबूती और कार्यकर्ताओं के वैचारिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय संयुक्त मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का समापन इलामी गाँव में हुआ। 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026' के अंतर्गत आयोजित इस शिविर की अध्यक्षता इलामी मंडल अध्यक्ष बापोन सरकार और गंधाईपुर मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन दास ने संयुक्त रूप से की।वन्देमातरम गान के साथ शुरू हुए इस प्रशिक्षण शिविर को कुल सात महत्वपूर्ण सत्रों में विभाजित किया गया था। शिविर के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पूर्व जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी और पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोरंजन सरकार ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गईः**सांगठनिक मजबूतीः** कार्य पद्धति और अनुशासन के माध्यम से संगठन को विस्तार देना। **सरकार की उपलब्धियांः** केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना। **बूथ प्रबंधन और तकनीकः** सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग और बूथ स्तर पर पकड़ मजबूत करना। **विपक्ष को जवाबः** विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नैरेटिव को तथ्यों के साथ काटने की रणनीति। पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोरंजन सरकार ने अपने संबोधन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचार और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान का स्मरण कराया। उन्होंने भाजपा की 'पंचनिष्ठा' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ सेवा कार्य में जुटने का आह्वान किया।गंधाईपुर मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन दास ने शिविर के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा, "इस शिविर का लक्ष्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सुदृढ़ और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, ताकि वे आगामी चुनौतियों का मजबूती से सामना कर सकें।" गंधाईपुर मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन दास ने शिविर के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा, "इस शिविर का लक्ष्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सुदृढ़ और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, ताकि वे आगामी चुनौतियों का मजबूती से सामना कर सकें।"

टीकाकरण अभियान को लेकर सहियाओं को दिए गए अहम निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

बरहरवा।आयुष्मान आरोग्य मंदिर बड़ा दुर्गापुर में शुक्रवार को सीएचओ विजय हेंब्रम की अध्यक्षता में क्लस्टर बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्लस्टर क्षेत्र की सभी सहिया, सहिया साथी एवं सहिया पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की क्रमवार समीक्षा की गई। इस अवसर पर सहियाओं को निर्देश दिया गया कि वे नियमित गृह भ्रमण कर लेफ्ट आउट, ड्रॉप आउट, इनकार करने वाले बच्चों तथा जीरो डोज एवं एचपीवी टीकाकरण से वंचित लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें समन्वय स्थापित करते हुए शत-प्रतिशत प्रतिरक्षित करना सुनिश्चित करें, ताकि एक भी बच्चा टीकाकरण से छूटने न पाए।वही स्वास्थ्य सेवाओं को गांव स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा टीकाकरण अभियान को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।मौके पर सहिया साथी प्रियंका देवी, एमपीडब्ल्यू मदन कुमार एवं सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

मदर्स डे विशेषः खेल के जरिए बेटियों को नई पहचान दे रहीं पूजा बाजपेयी

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भारत में खेलों के बढ़ते दायरे के बीच ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाशाली बेटियों को मंच दिलाने में श्रीमती पूजा बाजपेयी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रीय महिला खेल महासंघ के माध्यम से वह ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली छात्राओं और महिलाओं को खेल जगत में आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। पूजा बाजपेयी का मानना है कि गांवों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर की है। इसी सोच के साथ उन्होंने महिलाओं और स्कूली छात्र-छात्राओं को खेलों से जोड़ने का अभियान शुरू किया। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय महिला खेल महासंघ द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविरों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं ने भाग लिया। इन आयोजनों के जरिए उन बेटियों को मंच मिला, जो आर्थिक या सामाजिक कारणों से अपने सपनों को पूरा नहीं कर पा रही थीं। पूजा बाजपेयी ने स्कूल स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देकर बच्चों में कम उम्र से खेल भावना विकसित करने का प्रयास किया है। उनकी पहल से कई छात्राओं ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया है। इससे ग्रामीण परिवारों में बेटियों के खेल करियर को लेकर सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। पूजा बाजपेयी का कहना है कि खेल महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। इससे अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। राष्ट्रीय महिला खेल महासंघ के माध्यम से वह महिलाओं को केवल खेल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और अधिकारों के प्रति जागरूक भी कर रही हैं।वह शिक्षा और खेल के संतुलन पर भी विशेष जोर देती हैं। उनका मानना है कि पढ़ाई के साथ खेल बच्चों के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते हैं और टीम भावना, धैर्य व संघर्ष की क्षमता विकसित करते हैं। मदर्स डे के अवसर पर पूजा बाजपेयी का योगदान इस बात का उदाहरण है कि सही नेतृत्व और संकल्प के साथ ग्रामीण भारत की बेटियां भी खेल जगत में नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं। उनके प्रयास महिला सशक्तिकरण और खेल संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

सुकुरहुटू में शिव महापुराण कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति और संस्कार का मिला संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।फुटबॉल मैदान, सुकुरहुटू में श्री शिवाला सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कार और जीवन मूल्यों से जुड़े कई प्रेरणादायक संदेश दिए गए। कथा के दौरान व्यासपीठ से कहा गया कि मंत्र बीज के समान होते हैं। यदि जप में थोड़ी त्रुटि भी हो जाए तो चिंता की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि श्रद्धा और भाव से किया गया मंत्र जाप निश्चित रूप से फलदायी होता है। जैसे भूमि पर गिरा बीज समय आने पर अंकुरित होता है, वैसे ही मंत्र भी अपना प्रभाव अवश्य दिखाते हैं। कथा में भगवान शिव की आराधना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि शिवलिंग पर अर्पित जल नकारात्मक प्रभावों और नजर दोष को दूर करने में सहायक माना जाता है। श्रद्धालुओं को अपने पूर्वजों का सम्मान करने तथा घर में पूर्वजों की तस्वीर लगाने के लिए प्रेरित किया गया। व्यासपीठ से माता-पिता की सेवा को सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा गया कि माता-पिता के चरणों में ही सच्चा तीर्थ निवास करता है। जो संतान अपने माता-पिता का सम्मान और सेवा करती है, उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। इस दौरान शिव महापुराण में वर्णित चंचुला की कथा का भी विस्तार से वर्णन किया गया। कथा में बताया गया कि पापमय जीवन जीने वाली चंचुला ने शिव महापुराण का श्रवण कर अपने जीवन में बदलाव लाया और शिवभक्ति के माध्यम से मोक्ष प्राप्त किया। कथा के माध्यम से संदेश दिया गया कि सच्चे पश्चाताप, सत्संग और शिवभक्ति से किसी भी व्यक्ति का जीवन बदल सकता है। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कथा श्रवण किया। कथा समाप्ति के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं के 'लहू' से सींचा गया है बंगाल का कमल : बाबूलाल मरांडी

नई सोच एक्सप्रेस

» पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत को चुनाव आयोग की मेहरबानी करार देने वालों दलों को अपनी तथ्यपरक उदाहरणों के साथ बाबूलाल ने एक्स पर लिखकर दिखाया आईना

नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत को चुनाव आयोग की मेहरबानी बतलाने वाले दलों को अपनी तथ्यपरक उदाहरणों के साथ आईना दिखाने का काम किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के एक्स पर लिखा है कि चुनाव आयोग की मेहरबानी से नहीं, बल्कि हमारे कार्यकर्ताओं के 'लहू' से बंगाल का कमल सींचा गया है। श्री मरांडी ने कहा कि कुछ लोग आज भी इस मुगालते में जी रहे हैं कि बंगाल में भाजपा की सत्ता चुनाव आयोग का 'गिफ्ट' है। जिन्हें लगता है कि EVM की मशीनें, केंद्रीय बल या दिल्ली का दखल भाजपा को सत्ता की दहलीज तक लाया है, वे शायद बंगाल की तासीर से वाकिफ नहीं हैं। सुन लीजिये! बंगाल में कमल बैलेट बॉक्स से पहले कार्यकर्ताओं के खून से खिला है। श्री मरांडी ने अपने पोस्ट में कुल चार पार्ट में "लाशों का अंबार और जलते हुए आशियाने, चट्टान जैसा मनोबलः मौत भी जिसे डरा न सकी, 15 साल की तपस्याः शून्य से शिखर तक का रक्तरंजित सफर एवं यह 'गिफ्ट' नहीं, शहीदों का बलिदान है!" पर क्रमवार शीर्षक देकर पार्टी के उतार चढ़ाव वाले सियासी सफरनामे, भाजपा कार्यकर्ताओं की शहादत, सत्तारूढ़ दल वामपंथियों और तृणमूल कांग्रेस के जुल्म को विस्तार से व्याख्या की है। श्री मरांडी ने "लाशों का अंबार और जलते हुए आशियाने" वाले पहले शीर्षक में लिखा है कि 2011 से 2025 तक का सफर कोई राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि एक महायज्ञ था जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी है। यहाँ लोकतंत्र की बात करने वालों को पेड़ों से लटकाया गया। किसी को बम से उड़ाया गया, तो किसी का शव क्षत-विक्षत हालत में तालाबों में मिला। नंदीग्राम से बीरभूम और कूचबिहार से बशीरहाट तक—सिर्फ भाजपा को वोट देने के अपराध में पूरे-पूरे गाँव खाक कर दिए गए। उन्होंने अतीत के पन्नों को पलटने की सलाह देते हुए कहा कि वह मंजर याद कीजिए, जब महिलाओं की अस्मत को राजनीतिक हथियार बनाया गया ताकि दहशत पैदा की जा सके। यह सत्ता किसी थाली में परोसकर नहीं मिली, इसके पीछे हाई कोर्ट की फटकार और CBI जांचों के वो पन्ने हैं जो TMC के 'खूनी खेल' की गवाही देते हैं। श्री मरांडी ने अपने दूसरे शीर्षक "चट्टान जैसा मनोबलः मौत भी जिसे डरा न सकी" में लिखा है कि सोचिए! जिस बूथ अध्यक्ष की लाश सुबह पेड़ पर लटकी मिलती है, दोपहर को उसका बेटा कलेजे पर पत्थर रखकर उसी बूथ पर पोलिंग एजेंट बनकर खड़ा हो जाता है— यह हिम्मत EVM से नहीं, स्वाभिमान से आती है। जिस माँ का घर जला दिया गया, वह अगले दिन फिर हाथ में भगवा झंडा थामे गलियों में ललकारती है— यह हौसला चुनाव आयोग नहीं देता। वामपंथियों के 34 साल के दमन, तानाशाही और दीदी के 15 साल के खौफनाक, रक्तरंजित दहशतगर्दों की राजनीति को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अपनी छाती पर झेला है। फर्जी मुकदमे, जेल की सलाखें और सामाजिक बहिष्कार भी उनके कदम को नहीं डगमगा सके। श्री मरांडी ने तीसरे शीर्षक "15 साल की तपस्याः शून्य से शिखर तक का रक्तरंजित सफर" में लिखा है कि यह ग्राफ किसी आंकड़ों का खेल नहीं, यह उन माँओं के आँसुओं का हिसाब है। 2011 में सिर्फ 1 विधायक जीतने पर मजाक उड़ाया गया। 2016 में 3 विधायक जीते, यह संघर्ष की शुरुआत थी। 2019 में 18 सांसद जीते, ममता के गढ़ में सेंध लग चुकी थी। 2021 में 77 विधायक जीतकर पार्टी मुख्य विपक्ष की ताकत बनी। 2024 में 12 सीटें मिली, भयंकर दमन के बावजूद टिके रहे। आज 2026 में पूर्ण बहुमत की प्रचंड विजय। यह जीत उन बेटों के नाम है जिनकी 'तेरहवीं' पर उनकी माताओं ने विलाप नहीं किया, बल्कि कसम खाई थी कि जब तक सत्ता परिवर्तन नहीं होगा, लड़ाई जारी रहेगी। यह उन रिलीफ कैंपों में सड़ रहे परिवारों के सब्र की जीत है। अपने चौथे शीर्षक यह 'गिफ्ट' नहीं, शहीदों का बलिदान है! में श्री मरांडी ने लिखा है कि जो लोग आज इसे "चुनाव आयोग की सेटिंग" कहते हैं, वे एक बार उन गुमनाम कब्रों और श्मशानों में जाकर देखें जहाँ भाजपा का झंडा ओढ़े हमारे भाई सो रहे हैं। उन जले हुए घरों की राख को हाथ लगाकर देखें, जहाँ आज भी चीखें सुनाई देती हैं। बंगाल में सत्ता किसी मशीन ने नहीं दी है। यहाँ हर एक वोट के पीछे एक शहादत छिपी है। 15 साल तक खून-पसीना बहाने के बाद, अपनों की लाशें ढोने के बाद और हर जुल्म सहने के बाद आज बंगाल की गलियों से यह हुंकार निकली है। इसे 'मेहरबानी' कहना उन शहीदों का अपमान है जिन्होंने लोकतंत्र को ज़िंदा रखने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। यह बंगाल के आत्मसम्मान की जीत है, यह कार्यकर्ताओं के 'बलिदान' की जीत है!

उधवा के मजदूर की पुणे में हाइटेंशन तार की चपेट में आने से मौत

नई सोच एक्सप्रेस

उधवा।राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत कोयस टोला निवासी एक प्रवासी मजदूर की महाराष्ट्र के पुणे शहर में हाइटेंशन तार की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। मिली जानकारी अनुसार कोयस टोला निवासी सेहबुद शेख रोजी-रोटी कमाने के लिए कुछ दिन पूर्व महाराष्ट्र के पुणे शहर गए थे जहां वे आम बागान में मजदूरी का काम कर रहे थे। बताया जाता है कि शुक्रवार की सुबह वह आम तोड़ने के लिए पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान पेड़ के समीप से गुजर रहे हाइटेंशन बिजली तार की चपेट में आ गए। करंट लगते ही उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बागान में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को सूचना देकर लाइन बंद कराई। इसके बाद विभागीय कर्मियों की मदद से शव को पेड़ से नीचे उतारा गया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में भी शोक का माहौल है। समाचार लिखे जाने तक शव को महाराष्ट्र से पैतृक गांव लाने की तैयारी की जा रही थी। बताया जाता है कि मृतक अपने पीछे पत्नी एवं दो मासूम बच्चियों को छोड़ गए हैं। परिवार के सामने अब आर्थिक संकट भी गहरा गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

कटे होंठ और तालू वाले बच्चों को मिला नया जीवन, मेगा कैंप में 25 की जांच

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाकुड़ में जन्मजात विकृति (कटे होंठ एवं तालू) से पीड़ित बच्चों के लिए एक दिवसीय मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से चिन्हित बच्चों का भविष्य में निःशुल्क ऑपरेशन कर उन्हें सामान्य जीवन की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।शिविर का उद्घाटन जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस. के. झा और रांची के देवनिका अस्पताल के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से किया। जांच के दौरान जिन बच्चों को सर्जरी के योग्य पाया गया है, उनका ऑपरेशन देवनिका अस्पताल, रांची में किया जाएगा। खास बात यह है कि बच्चों के आने-जाने, रहने और इलाज का संपूर्ण खर्च अस्पताल प्रबंधन और विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।शिविर में डॉ. शेखावत हुसैन और डॉ. सुपर्णा सहा की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए कुल 25 बच्चों की स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग की। जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस. के. झा ने बताया कि कई बार जानकारी के अभाव में बच्चे इस जन्मजात समस्या के साथ बड़े हो जाते हैं, जिससे उन्हें बोलने और खाने में दिक्कत होती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे हर बच्चे तक पहुँच बनाना है।स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता और अभिभावकों से अपील की है कि यदि उनके आस-पास कोई भी ऐसा बच्चा है जिसके होंठ या तालू कटे हुए हैं, तो तुरंत इसकी सूचना नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को दें। समय पर उपचार मिलने से बच्चे का चेहरा और मुस्कान दोनों सामान्य हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शुभेंदु अधिकारी को बंगाल भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर झारखंड भाजपा ने दी बधाई

झारखंड। भारतीय जनता पार्टी, पश्चिम बंगाल के विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से फायर ब्रांड नेता शुभेंदु अधिकारी को केंद्रीय पर्यवेक्षक सह गृह मंत्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति में विधायक दल का नेता चुना गया है। इससे झारखंड भाजपा में भी हर्ष व्याप्त है। यहां के वरिष्ठ नेताओं ने भी शुभेंदु अधिकारी को इस नए और ऐतिहासिक दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामना दिया है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता चुने जाने पर शुभेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। यह महत्वपूर्ण घोषणा गृहमंत्री अमित शाह तथा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। यह अवसर देश के राजनीतिक इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। पूरी उम्मीद है कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रवाद और विकास से समाहित सपनों के जिस बंगाल की कल्पना की थी वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में साकार किया जाएगा। सोनार बांग्ला'' का स्वप्न अवश्य साकार होगा। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुभेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बंगाल को विकसित, घुसपैठ मुक्त और भ्रष्टाचार से मुक्त बनाने का संकल्प इससे निश्चित रूप से और मजबूत होगा। यह विश्वास है कि पश्चिम बंगाल विकास, सुशासन और सुरक्षा के नए अध्याय की ओर आगे बढ़ेगा। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई ने कहा था कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। आज बंगाल में कमल खिल गया है। शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व और नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बंगाल में भाजपा विकास का नया आयाम स्थापित करेगी।

पुराने चालान पर स्टोन चिप्स का खेल, मुफस्सिल पुलिस ने पकड़ा अवैध परिवहन

पाकुड़। जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के दौरान मुफस्सिल थाना पुलिस ने धोखाधड़ी कर स्टोन चिप्स का परिवहन कर रहे एक हाइवा ट्रक को जब्त किया है। पकड़े गए वाहन में एक ही चालान का दोबारा उपयोग कर पत्थर चिप्स ले जाया जा रहा था।मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि नियमित वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध हाइवा को रोका गया। जब चालक द्वारा दिखाए गए दस्तावेजों की जांच की गई, तो पता चला कि जिस चालान के आधार पर स्टोन चिप्स का परिवहन किया जा रहा था, उसका उपयोग पहले ही किया जा चुका था। नियमों को ताक पर रखकर उसी पुराने चालान पर दोबारा लोडिंग कर परिवहन किया जा रहा था।थाना प्रभारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल इसकी सूचना जिला खनन विभाग को दी है। उन्होंने बताया कि अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी को विस्तृत पत्र भेज दिया गया है। फिलहाल, जब्त वाहन को सुरक्षा की दृष्टि से थाना परिसर में रखवाया गया है।पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध रूप से पत्थर का परिवहन करने वाले सिंडिकेट में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि राजस्व की चोरी और नियमों का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में अवैध माइनिंग और चालान की हेराफेरी रोकने के लिए निगरानी और तेज की जाएगी।

महाराजपुर में आरपीएफ का जागरूकता अभियान, रेल सुरक्षा नियमों की दी जानकारी

साहिबगंज। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) साहिबगंज द्वारा शुक्रवार को महाराजपुर रेलवे स्टेशन के समीप ग्राम महाराजपुर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व आरपीएफ साहिबगंज के उप निरीक्षक सरोज कुमार ने किया। इस दौरान ग्रामीणों एवं आम लोगों को रेल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस दौरान लोगों को रेलवे लाइन पार कर आवागमन नहीं करने, चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने से बचने, ट्रेन पर पत्थर नहीं फेंकने तथा रेलवे ट्रैक पर पत्थर या अन्य वस्तुएं नहीं रखने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही रेल लाइन के किनारे जानवर नहीं चराने की भी अपील की गई, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।उप निरीक्षक सरोज कुमार ने बताया कि छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़ी रेल दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। इसलिए रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों को रेलवे सहायता टोल फ्री नंबर 139 की जानकारी देते हुए किसी भी आपात स्थिति या शिकायत के लिए इसका उपयोग करने की सलाह दी।

कृषि विज्ञान केंद्र में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

साहिबगंज। कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में 20वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र की प्रमुख डॉ. सुप्रिया सिंह द्वारा वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया तथा वर्ष 2026-27 की कार्य योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इसी क्रम में साहिबगंज जिले के कृषि, पशुपालन, भूमि संरक्षण, उद्यान, नाबार्ड, जेएसएलपीएस, जेटीडीएस, आरएसईटीआई के पदाधिकारी, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक उपस्थित थे।इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा वर्ष 2026 हेतु साहिबगंज जिले की आकस्मिक योजना (कॉन्टिनेंट प्लान) पर भी विस्तार से चर्चा की गई।वही विचार-विमर्श उपरांत योजना को परिष्कृत किया गया, जिससे जिले के कृषकों के समग्र विकास एवं कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने में सहायता मिल सके।

राजस्व कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, लंबित म्यूटेशन का जल्द करें निपटाराः उपायुक्त

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व एवं भू-अर्जन विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट लहजे में अधिकारियों को निर्देश दिया कि म्यूटेशन और भूमि अधिग्रहण जैसे जनहित से जुड़े कार्यों में तेजी लाएं और लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) के लंबित आवेदनों पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष रूप से 90 दिनों से अधिक पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। साथ ही, उन्होंने म्यूटेशन रिजेक्ट होने के कारणों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना ठोस कारण के आवेदन निरस्त न किए जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में गोचर भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गोचर भूमि की रक्षा करना सीधे तौर पर अंचलाधिकारी की जिम्मेदारी है। विकास योजनाओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने एनएच-333A (धरमपुर मोड़–पाकुड़) परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिन मौजों में मुआवजा भुगतान पूरा हो चुका है, वहां सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाएं। रैयतों को मुआवजे के भुगतान के लिए गांवों में विशेष शिविर लगाने के निर्देश भी दिए गए ताकि ग्रामीणों को कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें।

प्रमुख निर्देश एक नजर में:

एनओसी अनिवार्यः कोई भी सरकारी विभाग बिना अंचलाधिकारी से भूमि संबंधी एनओसी प्राप्त किए कार्य प्रारंभ नहीं करेगा। **नियुक्ति प्रक्रियाः** प्रधान एवं परगनैत के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने का निर्देश। **आपदा प्रबंधनः** आपदा से संबंधित मुआवजा मामलों का त्वरित निष्पादन और दस्तावेजों का सटीक सत्यापन। **ई-रेवेन्यू कोर्टः** राजस्व मामलों की सुनवाई में पारदर्शिता और गति लाने के निर्देश। बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सहित सभी अंचलाधिकारी, सीआई और राजस्व कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। जिलावासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रभावी निष्पादन को लेकर उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय प जनता दरबार के दौरान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भू-अर्जन एवं मुआवजा भुगतान, अनुकम्पा नियुक्ति, भू-राजस्व, पेंशन, आवास, रोजगार, एनटीपीसी मुआवजा तथा ऑनलाइन रसीद से संबंधित मामले शामिल थे। उपायुक्त ने उपस्थित सभी फरियादियों की समस्याओं को एक-एक कर गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों की समुचित जांच करते हुए शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति के रुके हुए पेंशन से संबंधित मामले पर उपायुक्त ने तत्काल सभी अड़चनों को दूर करते हुए पेंशन चालू करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश दिया।

बाघमारा अंचल अधिकारी का आदेश हाईकोर्ट ने बताया अवैध, छह सप्ताह में मांगा जवाब

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। बाघमारा अंचल अधिकारी द्वारा 17 अप्रैल 2026 को जारी एक आदेश, जिसमें एक तालाब को सरकारी संपत्ति घोषित किया गया था, को झारखंड हाईकोर्ट ने गैर कानूनी करार दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन ने अंचल अधिकारी को छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह मामला गोस्वामी परिवार की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि संबंधित तालाब उनकी निजी संपत्ति है, जबकि अंचल अधिकारी ने अपने आदेश में इसे सरकारी तालाब घोषित कर दिया था। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, अंचल अधिकारी के इसी आदेश के आधार पर कंदरा पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और अन्य लोगों द्वारा लगातार तीन दिनों तक तालाब में मछली पकड़ने का अभियान चलाया गया। गोस्वामी परिवार ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों पर जमीन में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी और मत्स्य पालन से होने वाली आय में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगने का आरोप है, उन्हीं को प्रशासनिक स्तर पर मछली पकड़ने की अनुमति दी गई। गोस्वामी परिवार का दावा है कि वर्ष 2024 में हाईकोर्ट की डबल बेंच ने भी LPA No. 81/2024 में रैयती प्रमाण पत्र को सही ठहराया था। इसके बावजूद विवाद जारी है। परिवार ने कंदरा पंचायत की मुखिया रिंकू देवी, उनके पति धनेश्वर महतो और पंचायत समिति सदस्य सुभाष चंद्र महतो पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस संबंध में प्रशासन को कई बार लिखित शिकायत दी जा चुकी है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी बताया कि अंचल अधिकारी के खिलाफ अवमानना (कंटेंप्ट) याचिका दायर की गई है। वहीं, आरोप है कि विवादित भूखंड पर कब्जा कर सड़क निर्माण और नए निर्माण कार्य की घोषणा की गई, जिसे याचिकाकर्ता हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन बता रहे हैं। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है और सभी पक्षों की नजर अब हाईकोर्ट में अगली सुनवाई पर टिकी हुई है।

जनता दरबारः उपायुक्त ने सुनीं आम जनता की समस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। आम जनमानस की शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा 'जनता दरबार' का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए दर्जनों फरियादियों से एक-एक कर मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।जनता दरबार में मुख्य रूप से जन वितरण प्रणाली दुकान की अनियमितता, सड़क निर्माण की मांग, फुटबॉल मैदान के बीच से बिजली का ट्रांसफार्मर हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने और जमीन विवाद से संबंधित मामले सामने आए। उपायुक्त ने प्राप्त सभी आवेदनों को सूचीबद्ध करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल अग्रसारित कर दिया। मेघा भारद्वाज ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इन शिकायतों की मौके पर जाकर भौतिक जांच करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।फरियादियों को आश्वस्त करते हुए उपायुक्त ने कहा, "प्रशासन की प्राथमिकता लोगों की समस्याओं का पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन करना है। किसी भी आवेदन को लंबित नहीं रखा जाएगा और पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ हर हाल में मिलेगा।" जनता दरबार में आए लोगों ने उपायुक्त के इस प्रयास की सराहना की और उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

14 मई तक सभी वार्डों में बूथ कमेटी गठन का लक्ष्य, कई पार्षद प्रतिनिधि झामुमो में शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

बरहरवा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला कमेटी के निर्देशानुसार शुक्रवार को बरहरवा नगर पंचायत के कुशवाहा टोला स्थित आर बी प्लेस में झामुमो नगर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने की। बैठक में मुख्य रूप से एसआईआर, बीएलए प्रशिक्षण एवं बूथ कमेटी गठन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, युवा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, जिला सचिव सुरेश टुडू, केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा, शक्तिनाथ अमन सहित कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।मंच संचालन के दौरान जिला उपाध्यक्ष संजीव सामू हेंब्रम ने वार्डवार बीएलए की उपस्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं युवा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी 14 वार्डों में 14 मई तक बूथ कमेटी का गठन हर हाल में पूरा कर इसकी सूची जिला कमेटी को सौंपनी होगी। उन्होंने बूथ कमेटियों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की भी अपील की और कहा कि समाज एवं संगठन दोनों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। वही बूथ कमेटी गठन को लेकर सभी वार्डों के लिए पर्यवेक्षक भी नियुक्त किए गए। इसमें शक्तिनाथ अमन, धर्मवीर कुमार महतो, मो. इकबाल हुसैन, बप्पन कुमार एवं नीलकंठ साहा को जिम्मेदारी सौंपी गई। आपको बता दें झारखंड सरकार की कार्यशैली एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर शक्ति नाथ अमन के नेतृत्व में नगर पंचायत क्षेत्र के

» वार्ड पार्षद समेत कई पार्षद प्रतिनिधियों ने झामुमो का थामा दामन

एक वार्ड पार्षद समेत कई पार्षद प्रतिनिधियों ने झामुमो का दामन थाम लिया। जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने सभी नए सदस्यों को पार्टी का गमछा पहनाकर स्वागत किया। पार्टी में शामिल होने वालों में जितेंद्र स्वर्णकार, बम-बम महतो, धर्मेंद्र कुमार साह, शकील परवेज समेत कई लोग शामिल थे। मौके पर मो. इकबाल हुसैन, शाबाश महतो, जहरूल शेख, बप्पन कुमार, शिवकुमार कुशवाहा, कमलजीत शर्मा, वरुण कुमार मंडल, गुलजार शेख, दिलीप कुमार शाह, सुशील सेन, उज्जवल दास, अमन शर्मा, नीरज महतो, जीवन सेन, आसिफ इकबाल, सरवन कुमार, आदित्य कुमार, छोटू कुशवाहा सहित सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में नवजात की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। जिला मुख्यालय स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (सदर अस्पताल) में शुक्रवार को इलाज के दौरान एक 7 माह के शिशु की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया। मिली जानकारी के अनुसार, इचाक प्रखंड के खुटरा गांव निवासी मिथिलेश कुमार कुशवाहा के 7 वर्षीय पुत्र कार्तिक राज को हल्का बुखार था। परिजन बेहतर इलाज की उम्मीद में उसे दोपहर लगभग 2:00 बजे सदर अस्पताल लेकर आए थे। परिजनों का कहना है कि अस्पताल आने तक बच्चे की स्थिति बहुत गंभीर नहीं थी, लेकिन इलाज शुरू होने के कुछ ही देर बाद अचानक उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। मृतक बच्चे के पिता और परिजनों ने बताया कि जब बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हुई, तो वहां मौजूद चिकित्सक और चिकित्सा कर्मियों ने उसे पंपिंग करना

» परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि सही समय पर उचित उपचार और विशेषज्ञ ध्यान न मिलने के कारण बच्चे की स्थिति बिगड़ती गई और इलाज के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने सीधे तौर पर चिकित्सकों की कार्यशैली और लापरवाही को इस दुखद घटना का जिम्मेदार ठहराया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बच्चे की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। बच्चों के बेहतर पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के संकल्प के साथ शुक्रवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा ने सदर प्रखंड के बलियाडांगा आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की गतिविधियों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और सेविका-सहायिका को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में श्रीमती बाड़ा ने बच्चों के लिए पकाए जा रहे गर्म और ताजा पोषाहार की गुणवत्ता की स्वयं जांच की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पौष्टिक भोजन अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिया किः मेनू के अनुसार ही प्रतिदिन पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। भोजन बनाने और परोसने में स्वच्छता के मानकों का कड़ाई से पालन हो। बच्चों की व्यक्तिगत साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। पदाधिकारी ने केंद्र परिसर में बनी 'पोषण वाटिका' का भी जायजा लिया। उन्होंने इसे और अधिक व्यवस्थित करने का सुझाव दिया ताकि बच्चों को नियमित रूप से ताजी और हरी सब्जियां मिल सकें। इसके साथ ही, उन्होंने केंद्र के सरकारी अभिलेखों और पंजीयों की गहन

» बच्चों के पोषण, स्वच्छता और शिक्षा पर दिया विशेष जोर; व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

जांच की और सभी रिकॉर्ड को अपडेट रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान केंद्र में बच्चों की उपस्थिति संतोषजनक रही। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया और उन्हें पाठ भी पढ़ाया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक कविताएं और पाठ सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसकी श्रीमती बाड़ा ने सराहना की। "आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। इनके संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारा लक्ष्य हर बच्चे तक बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा पहुँचाना है।"— बसंती ग्लाडिस बाड़ा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी

पांचवें दिन उग्र हुआ शेरशाहबादी समाज का धरना, बोले- अब आर-पार की होगी लड़ाई

नई सोच एक्सप्रेस

बरहरवा। शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः जारी करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन महाधरना शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। लगातार पांच दिनों से धरनास्थल पर डटे समुदाय के लोगों में प्रशासन की चुप्पी और उदासीन रवैये को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिली।धरना स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा और बुजुर्ग मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने "हक दो या कुर्सी छोड़ो", "प्रशासन की तानाशाही नहीं चलेगी", "शेरशाहबादी समाज का अपमान बंद करो" और "हमारा हक हमें दो" जैसे नारों के साथ प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पांच दिनों से शांतिपूर्ण आंदोलन चलने के बावजूद जिला और अंचल प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है। प्रशासन की चुप्पी से समाज में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।वही मुखिया मो. इश्तियाक ने प्रशासन के तर्कों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंचल प्रशासन यह कहकर प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार कर रहा है कि खतियान में शेरशाहबादी जाति दर्ज नहीं है। उन्होंने इसे तथ्यहीन बताते हुए कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल में भी खतियान में यह जाति दर्ज नहीं है, क्योंकि इसकी पहचान मंडल आयोग और सच्चर कमेटी की अनुशंसाओं के बाद सामने आई। ऐसे में खतियान में इसका उल्लेख होना संभव नहीं है।आगे उन्होंने कहा कि भारत सरकार और झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा जारी विभिन्न गजट और दिशा-निर्देशों के अनुसार शेरशाहबादी समुदाय को जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना चाहिए। बिहार और पश्चिम बंगाल में आज भी स्थानीय जांच के आधार पर प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं, जबकि झारखंड में भी वर्ष 2012 तक यही प्रक्रिया लागू थी। इसके अलावा तोफाइल शेख ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि अब शेरशाहबादी समाज अपने अधिकार की लड़ाई निर्णायक रूप से लड़ने को तैयार है। मौके पर अजमाईल शेख, वसीम अकरम, मो. जावेद, जहीर शेख, आफताब आलम, शोएब आलम सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

संविधान विरोधी बिहार सरकार में शिक्षक अभ्यर्थियों का दमन बर्दाश्त नहीं : राजेश राम

पटना।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने राज्य की नवनियुक्त सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार और सरकार की दमनकारी नीतियों की कड़े शब्दों में निंदा की है। राजेश राम ने कहा कि बिहार सरकार अपनी हक की मांग कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर पीट रही है। लात-घूंसों और लाठियों का प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन है। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस द्वारा योग्य अभ्यर्थियों, यहाँ तक कि महिलाओं को भी जूतों से मारा जा रहा है, जो अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ करोड़ों रोजगार देने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ राज्य का खजाना खाली हो चुका है और सरकार हर महीने करोड़ों के कर्ज पर चल रही है। राजेश राम ने मांग की कि जो अभ्यर्थी परीक्षा पास कर चुके हैं और योग्य हैं, उन्हें अविलंब नियुक्ति पत्र दिया जाए। उन्होंने सवाल किया कि यदि सरकार रोजगार देने के प्रति गंभीर है, तो इन योग्य युवाओं को प्रताड़ित क्यों किया जा रहा है?

ट्रैम्फैड क्रिकेट एकेडमी व देव क्रिकेट का जीत से आगाज

» समाजसेवी नन्हक महतो मेमोरियल अंडर-15 अंतर स्कूल क्रिकेट टूनामेंट

पटना।सरदार पटेल स्पोटर्स फाउन्डेशन के तत्वावधान में स्थानीय कृष्णा क्रिकेट ग्राउंड खेमनीचक पर समाजसेवी नन्हक महतो मेमोरियल अंडर-15 अंतर स्कूल क्रिकेट टूनामेंट के पांचवें संस्करण का आगाज शुक्रवार यानि 8 मई से हुआ। जिसका उद्घाटन मुकाबला ट्रैम्फैड क्रिकेट एकेडमी ने चार विकेट से अपने नाम किया. वहीं दूसरा मुकाबला देव क्रिकेट एकेडमी ने 76 रन से जीता। इसस पहले टूनामेंट का उद्घाटन फाउंडेशन के महासचिव संतोष तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर बसावन पार्क क्रिकेट एकेडमी के अजीत कुमार, ट्रैम्फैड क्रिकेट एकेडमी के अशोक कुमार छोटू, देव क्रिकेट एकेडमी के माइकल और ट्रीपल सी के रवि कुमार आदि उपस्थित रहे। दिन का पहला मैच एसकेपी क्रिकेट एकेडमी बनाम ट्रैम्फैड क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया. एसकेपी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 121 रन बनाकर आलआउट हो गई। एसकेपी के लिए सर्वाधिक 33 रन हिमांशु और 27 रन विराट सिंह ने बनाए। दक्ष ने 4.4 ओवर में 15 रन खर्च कर तीन विकेट चटकाएं. वहीं आदित्य व समर कुमार ने दो—दो विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी ट्रैम्फैड क्रिकेट एकेडमी ने लक्ष्य को कप्तान विराज के शानदार अर्धशतक व ओपनर बल्लेबाज रोहित के 32 रन की बदौलत 15.5 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। हिमांशु ने 4 ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट लिए.विजेता टीम के दक्ष राज को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। दिन का दूसरा मुकाबला एसपीएससीसी बनाम देव क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया.देव क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी। देव ने निर्धारित 20 ओवर में प्रियांशु कुमार के 75 रन और अविनाश के 24 व प्रिंस के नाबाद 28 रन की बदौलत 5 विकेट खोकर 158 रन बनाए। प्रियांशु ने 47 गेंदों में चार छक्का व 7 चौके की मदद से 75 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी एसपीएससीसी के बल्लेबाज देव के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सके पूरी टीम 18 ओवर में महज 82 रन पर आलआउट हो गई। सर्वाधिक 33 रन वैभव ने बनाए. विजेता टीम के प्रियांशु प्लेयर आफ द मैच रहे।

गया नगर निगम में सरात बंदोबस्ती के दौरान बवाल, उपनगर आयुक्त शशिकांत के कथित व्यवहार पर उठे गंभीर सवाल

गया।नगर निगम में वित्तीय वर्ष 2026-27 की सरात बंदोबस्ती प्रक्रिया के दौरान हुआ विवाद अब गंभीर प्रशासनिक और नैतिक सवालों का विषय बन गया है। नगर निगम परिसर में हुए पूरे घटनाक्रम का कथित वीडियो सामने आने के बाद मामला और गर्मा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों, निगम कर्मचारियों और सूत्रों के अनुसार, 8, 9 और 11 मई को निर्धारित राजस्व से जुड़ी सरात बंदोबस्ती प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान गया नगर निगम में पदस्थापित उपनगर आयुक्त शशिकांत मौके पर पहुंचे और कथित रूप से कहा—"मेयर साहब ने इसे रोकने के लिए कहा है, अभी यह सरात नहीं होगा।" सूत्रों का दावा है कि सरात प्रक्रिया रोकने के लिए मौके पर कोई लिखित आदेश, पत्र या आधिकारिक नोटिस प्रस्तुत नहीं किया गया। इसे लेकर मौके पर मौजूद कर्मचारियों और बोली प्रक्रिया में शामिल लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बन गई। हालांकि बाद में पूरे घटनाक्रम और विवाद के बीच किसी तरह सरात बंदोबस्ती की प्रक्रिया पूरी कराई गई। मामले को और गंभीर तब माना जा रहा है जब कथित वीडियो में उपनगर आयुक्त शशिकांत नगर निगम कर्मचारियों से कथित रूप से अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते दिखाई और सुनाई दे रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और कर्मचारियों का आरोप है कि उन्होंने कर्मचारियों से "तुम लोगों को मेयर साहब से बात करने में फट रहा है..." जैसे आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया, जो प्रशासनिक गरिमा और लोक सेवा आचरण पर गंभीर सवाल खड़े करता है। नगर निगम कर्मचारियों के बीच चर्चा है कि जब एक जिम्मेदार लोक सेवक अपने ही अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ इस तरह की भाषा का प्रयोग कर सकते हैं, तो आम नागरिकों के साथ व्यवहार कैसा होता होगा यह अपने आप में बड़ा सवाल है। सूत्रों का यह भी कहना है कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी उपनगर आयुक्त शशिकांत पर कथित अभद्र व्यवहार के आरोप सामने आ चुके हैं, जिसमें एक पत्रकार के साथ कथित दुर्व्यवहार का मामला भी चर्चा में रहा। इसके बावजूद अब तक किसी प्रकार की कठोर प्रशासनिक कार्रवाई सामने नहीं आने से कई सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इस पूरे मामले पर अब तक न तो गया नगर निगम प्रशासन और न ही संबंधित अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक लिखित स्पष्टीकरण जारी किया गया है।

सहयोग शिविर की समीक्षा बैठक में लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस\ (हसनैन दीवाना)

जहानाबाद।जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय की अध्यक्षता में सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों, शिविर प्रभारियों एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ सहयोग शिविर के सफल आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने पंचायतवार दैनिक प्राप्त आवेदनों एवं पूर्व से लंबित मामलों की विभागवार समीक्षा की तथा सभी संबंधित विभागों को त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सहयोग शिविर के आयोजन से पूर्व अधिकतम लंबित आवेदनों का निष्पादन कर दिया जाए। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों/ शिविर प्रभारी को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रखंड के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ नियमित बैठक कर प्राप्त आवेदनों की दैनिक समीक्षा करें तथा 19 मई को आयोजित होने वाले पंचायतों में अब तक प्राप्त सभी आवेदनों का निष्पादन आगामी तीन दिनों के भीतर सुनिश्चित करेंगे तथा निष्पादित मामलों की सूचना आवेदक को भी देंगे जिससे कि संवेदनशील प्रशासन की छवि जनता के समक्ष उजागर हो। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया की बिजली से संबंधित सभी लंबित शिकायतों एवं आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। पानी की समस्या में आ रहे शिकायत को लेकर जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी को स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया कि सभी वार्डों में पानी की समस्या का 48 घंटे में समाधान किया जाए अन्यथा उनके कार्य लापरवाही के विरुद्ध विभागीय कारवाई की जाएगी। इसके अलावा, अन्य विभाग जैसे सामाजिक सुरक्षा को पेंशन के आवेदनों, आपदा विभाग को आपदा के मामले, पशुपालन को पशु देखवाल, कृषि विभाग को फॉर्मर रजिस्ट्री, अनुमंडल पदाधिकारी को आपूर्ति/ राशन कार्ड के मामलों/ शिकायत इत्यादि का अपने स्तर से अनुश्रवण कर पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों को तीव्र निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि सबका सम्मान, जीवन आसान के मूल मंत्र के आधार पर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रारंभ किए जा रहे सहयोग शिविर का मूल उद्देश्य आमजनों को सीधे प्रशासन से जोड़ना है। जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से 19 मई 2026 को जहानाबाद जिले के 15 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया है, ताकि आम नागरिकों को उनकी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संतोषजनक समाधान प्राप्त हो सके। अंत में जिलाधिकारी ने जिले के आम नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान हेतु अधिक से अधिक संख्या में अपने पंचायत स्तर पर आवेदन दर्ज कराएं तथा सहयोग शिविर का लाभ उठाएं।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर जहानाबाद में रक्तदान शिविर आयोजित, 25 यूनिट रक्त संग्रह

नई सोच एक्सप्रेस\ (हसनैन दीवाना)

जहानाबाद।विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रेड क्रॉस भवन, जहानाबाद में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, जहानाबाद के चेयरमैन सत्येंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई लोगों की जिंदगी बचाने में सहायक साबित होता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता फैलाकर अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जोड़ना चाहिए। शिविर में एक प्रेरणादायक दृश्य उस समय देखने को मिला जब मां और बेटे ने एक साथ रक्तदान कर समाज को मानवता और सेवा का संदेश दिया। उपस्थित लोगों ने उनके इस कदम की सराहना करते हुए इसे पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजकिशोर प्रसाद ने सभी रक्तदाताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदाता समाज के वास्तविक नायक हैं, जिनके सहयोग से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो पाता है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे। रक्त संग्रह का कार्य सदर अस्पताल, जहानाबाद के ब्लड बैंक की टीम द्वारा किया गया। टीम ने सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई थी। कार्यक्रम में रेड क्रॉस के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा स्वयंसेवक और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरा आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता के संदेश से ओतप्रोत रहा। यह रक्तदान शिविर सामाजिक जागरूकता और मानव सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

पत्रकार सम्मान कार्यक्रम का हुआ आयोजन, बदलते दौर में पत्रकारिता की चुनौतियों पर मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली में पत्रकार सम्मान कार्यक्रम का आयोजन कर पत्रकारों के योगदान को सराहा गया। थाना चौक स्थित दुर्गा सिनेमा परिसर में आयोजित समारोह में वर्तमान दौर में पत्रकारिता की स्थिति, चुनौतियों और बदलते परिवेश पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में जिले से लेकर स्थानीय स्तर तक के कई गणमान्य लोग, अधिकारी एवं पत्रकार शामिल हुए समारोह में पहुंचे अतिथियों में महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के मीडिया प्रभारी डॉ साकेत रमण, डीएसपी ऋषभ कुमार, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह, रामगोपाल खंडेलवाल, धर्मेंद्र नायक, विकास शर्मा, प्रदीप सर्राफ, प्रभाकर मिश्रा, अवधेश प्रसाद कुशवाहा, अनिल कुमार गुप्ता सपना शर्मा, प्रियांशु सर्राफ, सौशांद कुरैशी, दीनबंधु मोदी, कमलेश कुमार सोनू, अंकुर चौधरी, ओम प्रकाश विश्वकर्मा, अश्विनी कुमार एवं उदय श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों को मोमेंटो, शॉल और बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ साकेत रमण, डीएसपी ऋषभ कुमार, विकास शर्मा, प्रदीप सर्राफ और धर्मेंद्र नायक सहित अन्य वक्ताओं ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और वर्तमान चुनौतियों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि आज के आर्थिक दौर में अवैतनिक रूप से पत्रकारिता करना बेहद कठिन कार्य हो गया है। एक पत्रकार कठिन परिस्थितियों में समाचार संकलन करता है और क्षेत्र में कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है। इसके बावजूद पत्रकार बिना किसी भय, लोभ और अपेक्षा के पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अपना दायित्व निभाता है।कार्यक्रम में पत्रकार हीरा लाल प्रसाद, दुर्गा प्रसाद, शम्भू शरण प्रसाद, शिवेश झा, बंटी मिश्रा, अमित सिंह, मनीष कुमार श्रीवास्तव, मो. आशिफ, मुन्ना कुशवाहा,राजेश कुमार, अमरुल आलम, कुंदन मिश्र, कंचन शर्मा, मो. जमालुदीन, मन्नू पांडेय, अजय गौतम सहित अन्य पत्रकारों को सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन पत्रकार विश्वजीत झा और अभिनव अभिषेक ने संयुक्त रूप से किया।

रवीन्द्र जयंती पर पेंटिंग-पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित, रूबीना रहीं प्रथम

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा।ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग एवं डॉ प्रभात दास फाउंडेशन, दरभंगा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर पेंटिंग सह पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और टैगोर के विचारों, साहित्य एवं दर्शन को अपनी कला के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व अंग्रेजी विभागाध्यक्ष सह मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. ए.के. बच्चन ने किया। उन्होंने कहा कि गीतांजलि का मुख्य विचार रहस्यवाद है, जो मनुष्य की आत्मा और ईश्वर के प्रत्यक्ष संबंध को दर्शाता है। टैगोर की रचनाएं आध्यात्मिक चेतना और आंतरिक सत्य की खोज का संदेश देती हैं। विशिष्ट अतिथि एनएसएस विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ. आर.एन. चौरसिया ने कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर के विचारों को किसी एक दायरे में सीमित नहीं किया जा सकता। उनकी रचनाएं दर्शन, साहित्य और मानवता का अद्भुत समन्वय हैं। मैथिली विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार कर्ण ने गीतांजलि में प्रकृति और ईश्वर के संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि टैगोर के गीत प्रकृति और भारतीय पौराणिक बिंबों से समृद्ध हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. पुनिता झा ने कहा कि गीतांजलि प्रेम, सौंदर्य, सत्य और मानवता के विविध आयामों को प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर डॉ. शांभवी, डॉ. संकेत कुमार झा एवं डॉ. तनिमा कुमारी ने भी टैगोर के साहित्य, दर्शन और गीतांजलि की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे।प्रतियोगिता में कुल 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें रूबीना परवीन ने प्रथम, आन्या कुमारी ने द्वितीय और शैलजा सरोज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, सिमरन साक्षी और गौतम आचार्य क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। निर्णायक मंडल में प्रो. अरुण कुमार कर्ण, डॉ. आर.एन. चौरसिया और डॉ. अभिलाषा कुमारी शामिल रहे। कार्यक्रम में पूर्व मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मंजू राय, डॉ. अमरेन्द्र शर्मा, डॉ. आर्यिका पॉल, ज्योति कुमारी, उत्कर्ष उमंग, आर्यन कुमार, शेफाली मालाकार, रवि कुमार और साक्षी सहित कई लोग मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत डॉ. शांभवी ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन शेफाली मालाकार ने किया। अंत में फाउंडेशन के सचिव मुकेश कुमार झा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बताया कि सफल प्रतिभागियों को समापन समारोह में प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए जाएंगे।

टीआरई-4 नोटिफिकेशन और BPSC नियमों के खिलाफ शिक्षक अभ्यर्थियों पर पुलिस ने किया लाठी चार्ज

नई सोच एक्सप्रेस

» दर्जन भर से ज्यादा छात्र घायल, कई के सर फूटे,पुलिस ने महिला अभ्यर्थियों को भी दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

पटना। टीआरई-4 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करने और BPSC नियमों में बदलाव का विरोध प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर आज पटना में पुलिस ने जमकर लाठीचार्ज किया। इस लाठी चार्ज में दर्जन भर से ज्यादा छात्र घायल हुए हैं। कई छात्रों के सर फट गया है। पुलिस ने महिला अभ्यर्थियों को भी दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इस दरमियान महिला पुलिसकर्मियों का कहीं अता पता नहीं था। प्रदर्शनकारी शिक्षक अभ्यर्थियों का विशाल प्रदर्शन पटना कॉलेज से शुरू हुआ।बड़ी संख्या में छात्र टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से बेली रोड स्थित बीपीएससी कार्यालय जा रहे थे। गौर तलब है कि बेली रोड प्रतिबंधित क्षेत्र है और उसमें धरना जुलूस प्रदर्शन या किसी प्रकार के आंदोलन की सख्त मनाही है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी गांधी मैदान स्थित जेपी गोलंबर के पास ज्योंहि पहुंचे की पुलिस ने लोहे के बेरिकेट लगाकर उनको आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दरमियान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोंक झोंक हुई। प्रदर्शनकारी काफी आक्रोशित थे और वह किसी भी कीमत पर बीएससी कार्यालय जाना जा रहे थे। पुलिस द्वारा समझाएं बुझाने जाने के बाद भी उनका उग्र तेवर कम नहीं हुआ। काफी देर तक नोक झोंक और धक्का मुक्की के बाद पुलिस ने उन्हें पीछे की ओर धकेलना शुरू किया । प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और पुलिस के बेरिकेट को तोड़ दिया। लोहे के बेरिकेट को इधर-उधर गिरा दिया। प्रदर्शनकारियों के उग्र होने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें कई छात्र घायल हो गए। इसके पूर्व प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर वाटर कैनन का भी प्रयोग किया गया। लाठी चार्ज के दरमियान पुलिस और बिहार रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने प्रदर्शनकारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों के सर पर डंडे से सीधा बार किया जिससे कि उनके सर फट गया। महिला प्रदर्शनकारी ने जब इसका विरोध किया तो पुलिस ने महिला अभ्यर्थियों को भी पिटाई कर दी और उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर लाठी डंडों से पिता। पुलिस ने इस दरमियान दर्जन भर से ज्यादा छात्रों को गिरफ्तार किया है। जिसमें प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों के नेता दिलीप कुमार भी शामिल है। बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शासनकाल में शिक्षक अभ्यर्थियों पर यह पहला पुलिसिया हमला है जिसकी चारों तरफ निंदा की जा रही है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने राज्य सरकार के खिलाफ इस वारदात को लेकर मोर्चा खोल दिया है। घायल छात्रों ने बताया कि वे पिछले कई महीनों से टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक नोटिफिकेशन नहीं आया। छात्रों ने सम्राट सरकार से जल्द से जल्द नोटिफिकेशन जारी करने की मांग की है।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार का आयोजन किया

नई सोच एक्सप्रेस\ (हसनैन दीवाना)

जहानाबाद।प्रत्येक सप्ताह दो दिन सोमवार और शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर आमजनों की समस्याओं की सुनवाई और निवारण किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय और अनिल कुमार सिन्हा ने कुल 39 आवेदनों की सुनवाई जनता दरबार में की गई। आवेदनों को गंभीरता के साथ सुनते हुए त्वरित कार्रवाई का निर्देश संबंधित अंचल पदाधिकारियों को दिया गया। शिक्षा समाधान हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य मामलों के समाधान हेतु सम्बन्धित पदाधिकारी को नियमानुसार जल्द निराकरण का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में इनके साथ साथ अनिल कुमार सिन्हा, राजीव कुमार, विनय कुमार सिंह, रोहित कुमार मिश्रा, पूनम कुमारी, विजेता रंजन, सुश्री होमा इरफ़ान, संजय कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 बंगाल गवर्नर ने विधानसभा भंग की, तमिलनाडु में राज्यपाल ने विजय से 118 विधायकों का समर्थन दिखाने को कहा;AIADMK के 28 विधायक पुडुचेरी शिफ्ट

2 अब मुख्यमंत्री नहीं रहीं ममता बनर्जी,राज्यपाल ने बर्खास्त किया पश्चिम बंगाल कैबिनेट

3 ऑपरेशन सिंदूर का एक साल,PM मोदी ने सोशल मीडिया डीपी बदली,ऑपरेशन का लोगो लगाया,लिखाःदेश सेनाओं के शौर्य को सलाम करता है

4 सेना बोलीः ऑपरेशन सिंदूर में 100+ पाकिस्तानी जवान मारे गए, ऑपरेशन अभी भी जारी,पहलगाम जैसा हमला दोबारा नहीं होने देंगे

5 RSS चीफ भागवत बोलेःजाति तब खत्म होगी जब समाज बदलेगा,जनसंख्या नियंत्रण नीति और यूनिफॉर्म सिविल कोड लोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकते

6 बंगाल में आज विधायक दल की बैठक,अमित शाह की मौजूदगी में चुना गया मुख्यमंत्री

7 पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के कई इलाकों में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बीच झड़प की खबरें आ रही है गुरुवार को हावड़ा के शिवपुर स्थित चौराबस्ती इलाके में कथित तौर पर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है।

8 विजय के विधायकों की सीधी धमकी, DMK-AIADMK ने मिलकर बनाई सरकार तो देंगे सामूहिक इस्तीफा

9 चंद्रनाथ हत्याकांडःहमलावरों ने 7 किमी तक पीछा किया,फिर गोली मारी;सुवेंदु अधिकारी बोलेःमैंने ममता को हराया,इसलिए पीए की हत्या

10 वेटिंग टिकट कन्फर्म होगा या नहीं, AI बताएगा,रेलवे 40 साल पुराना रिजर्वेशन सिस्टम बदल रहा, अगस्त से हाईटेक मॉड्यूल पर शिफ्ट होंगी ट्रेनें

11 CM सम्राट ने गृह विभाग अपने पास रखा,नीतीश के बेटे निशांत को स्वास्थ्य, विजय सिन्हा संभालेंगे कृषि मंत्रालय;विभागों का बंटवारा

12 ED जांच में AAP मंत्री अमन अरोड़ा का नाम आया,रेड में 1 करोड़ मिले;9वीं मंजिल से कैश के बैग फेंके,हवा में उड़े नोट

13 शराब और बीयर 20% तक महंगी हो सकती है,ईरान जंग का असर,पैकेजिंग की लागत बढ़ी;कंपनियों ने राज्यों से दाम बढ़ाने की मांग की

14 मुंबई तरबूज-बिरयानी मामलाः4 लोगों की मौत में चौंकाने वाला खुलासा,चूहे मारने वाले जहर से हुई थी मौत

15 रिपोर्टःसऊदी अरब का अमेरिका को एयरस्पेस देने से इनकार,क्राउन प्रिंस की नाराजगी के बाद ट्रम्प ने होर्मुज से जहाजों का रेस्क्यू रोका

16 होर्मुज में फिर बढ़ा जंग का खतराः अमेरिका के तीन जहाजों पर ईरानी हमला नाकाम, अमेरिकी नौसेना ने किया पलटवार

17 यूपी-बिहार में बारिश,राजस्थान में ओले गिरे,एमपी में आंधी,हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट; गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म

18 IPL में लगातार 6 हार के बाद जीता लखनऊ,बेंगलुरु को 9 रन से हराया;मिचेल मार्श का शतक,प्रिंस यादव को 3 विकेट

19 ऑपरेशन सिंदूर ने संदेश दिया कि कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहींःभारतीय सेना

20 भारत का पाकिस्तान को दो टूक संदेशःपहले आतंकवाद छोड़ों फिर बहाल होगी 'सिंधु जल संधि

21 अब Visa खत्म होने के बाद भी Canada में रह पाएंगे पंजाबी,New Rules हुए लागू

22 Aman Arora के नाम की चर्चा होने के बाद मजीठिया बोलेःकथित घोटाले का मास्टरमाइंड कौन? AAP लीडरशिप दे जवाब

23 ममता से मिलने बंगाल पहुंचे अखिलेश,शॉल ओढ़ाकर बोलेःदीदी आप लड़ी हैं,हारी नहीं;भाजपा ने चुनाव लूटा

24 सुवेंदु के पीए को जब गोली लगी,वे कॉल पर थे,भाजपा विधायक बोलेःमैंने करहाने की आवाज सुनी,दोबारा कॉल किया तो नहीं उठा

25 बंगाल गवर्नर ने विधानसभा भंग की,तमिलनाडु में राज्यपाल ने विजय से 118 विधायकों का समर्थन दिखाने को कहा;AIADMK के 28 विधायक पुडुचेरी शिफ्ट

26 ट्रंप को फिर लगा बड़ा झटका,कोर्ट ने 10% टैरिफ को बताया अवैध;लौटाने होंगे पैसे

27 TVK से गठबंधन की कोशिशों से INDIA गठबंधन में खटास,DMK का कांग्रेस पर निशाना

28 ईरान पर की गई जवाबी कार्रवाई सिर्फ लव टैप,अमेरिकी हमलों पर बोले ट्रंप

29 नासिक TCS केस में आरोपी निदा खान को हिरासत में लिया गया

30 ग्यारह भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकले,13 अभी भी मंजूरी के लिए हैं प्रतीक्षारत

31 आजादी के बाद पहली बार रुका रावी का पानी,सिंदूर' की बरसी पर पाक पर प्रहार

32 म्यांमार सीमा से आए उग्रवादियों ने मणिपुर में घर जलाए,सुबह 4 बजे हमला,लोग जान बचाकर जंगलों में भागे,महिला समेत दो लापता

33 सुरक्षा एजेंसियों की मुस्तैदी,2024 में कुल 4794 विदेशी नागरिक गिरफ्तार, सबसे ज्यादा बांग्लादेशी

34डॉक्टर,इंजीनियर से लेकर सफल बिजनेसमैन तक,सम्राट चौधरी की नई टीम में डिग्रीधारियों और दिग्गजों का बोलबाला

35 Tamil Nadu Politicsडीके शिवकुमार बोलेःराज्यपाल की तरफ से टीवीके को बहुमत साबित करने का मौका न मिलना गलत

36 पाकिस्तानी गैंगस्टर ने आतंकियों को दिया था पुलिस पर हमले का टारगेट, पंजाब में भी बनाया स्लीपर सेल

37 जहां कांग्रेस हारती है,वहां वोट चोरी का आरोप लगाती हैःअमित शाह

38 शुभेंदु अधिकारी होंगे बंगाल के नए मुख्यमंत्री,कल सुबह 11 बजे लेंगे शपथ

39 अमेरिकी नौसेना का बड़ा एक्शनःहोर्मुज में ईरान के हमले को किया नाकाम,3 युद्धपोतों की रक्षा की

40 समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका, ओपी राजभर की पार्टी में शामिल हुए 30 नेता

कृषि विज्ञान केंद्र में स्टेक होल्डर कार्यशाला का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक

राजापाकर (वैशाली)। कृषि विज्ञान केंद्र में आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम भारत काकृषि विज्ञान केंद्र में स्टेक होल्डर कार्यशाला का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र में आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम भारत, सोशल अल्फा एवं कृषि विज्ञान केंद्र हरिहरपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय स्टेक होल्डर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरीय वैज्ञानिक व प्रधान डॉ. अनिल कुमार सिंह सोशल अल्फा एवं आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम पदाधिकारियों तथा वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार सिंह वरीय वैज्ञानिक प्रधान, इंजीनियर कुमारी नम्रता वैज्ञानिक कृषि अभियंत्रण डॉ. कविता वर्मा वैज्ञानिक गृह विज्ञान, डॉ. जूना दाखो वैज्ञानिक उद्यानअजीत चौधरी असिस्टेंट डायरेक्टर सोशल अल्फा प्रशांत कुमार स्टेट प्रतिनिधि बिहार सोशल अल्फा, जय प्रकाश सिंह क्षेत्रीय प्रबंधक आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम भारत, मुकेश चंद्रा टीम लीडर, अभिषेक आनंद प्रोग्राम इंटीग्रेटर और अमित कुमार मिश्रा कार्यक्रम विशेषज्ञ कृषि सहित कई पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्टार्टअप कंपनियों जैसे स्टेपुफाई एग्रोस्योर इकोसाइट कैप्सबार तथा रुद्र सोलर द्वारा कृषि यंत्रों एवं तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों ने प्रदर्शनी का भ्रमण कर नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम द्वारा वैशाली जिले में संचालित "सोलर दीदी"कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को सिंचाई सुविधा हेतु सोलर पावर इरिगेशन सिस्टम उपलब्ध कराए जाने एवं युवाओं को उद्यम स्थापना के लिए प्रशिक्षण एवं सहायता प्रदान की जाती है।डॉ. अनिल कुमार सिंह ने संतुलित उर्वरक उपयोग पर जानकारी देते हुए कहा कि किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए तथा बायोफर्टिलाइजर व हरी खाद का उपयोग कर रासायनिक उर्वरकों की मात्रा कम की जा सकती है। उन्होंने बैंगन में बांझपन एवं रोग नियंत्रण हेतु फसल चक्र अपनाने, संक्रमित पौधों को उखाड़ने तथा उचित कीटनाशी दवाओं के छिड़काव की सलाह दी। साथ ही प्राकृतिक एवं जैविक खेती को सब्जियों की बीमारियों से बचाव का प्रभावी विकल्प बताया।इंजीनियर कुमारी नम्रता, वैज्ञानिक कृषि अभियंत्रण ने किसानों के बीच महिला अनुकूल कृषि यंत्र एवं पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि आम का पाउडर एवं अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार कर किसान अपनी आय बढ़ाने के साथ-साथ पोस्ट हार्वेस्ट लॉस को भी कम कर सकते हैं। स्टेपुफाई के प्रतिनिधि ने किसानों के बीच बैटरी चालित कृषि यंत्रों जैसे पावर टिलर, स्प्रेयर, डिगर एवं मक्का शेलर का प्रत्यक्षण किया। उन्होंने बताया कि ये यंत्र विशेष रूप से महिला किसानों के लिए उपयोगी हैं। इन यंत्रों में जीरो वाइब्रेशन, कम रखरखाव तथा कम परिचालन लागत की सुविधा उपलब्ध है। इससे महिलाओं को कार्य करने में आसानी होती है तथा मजदूरी लागत में भी कमी आती है। उन्होंने बताया कि बैटरी चालित कृषि यंत्रों के उपयोग से मानव श्रम की आवश्यकता भी कम होती है।रुद्र सोलर के प्रतिनिधि ने किसानों के बीच सोलर ड्रायर का प्रत्यक्षण दिया तथा इसके महत्व एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोलर ड्रायर के माध्यम से फल एवं सब्जियों का सुरक्षित प्रसंस्करण एवं भंडारण कर किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है।डॉ. कविता वर्मा, वैज्ञानिक गृह विज्ञान ने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर जानकारी देते हुए एनीमिया जैसी समस्याओं से बचाव हेतु आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन पर बल दिया। वहीं डॉ. जूना दाखवा, वैज्ञानिक उद्यान ने सब्जी उत्पादन में रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में किसानों, वैज्ञानिकों एवं विभिन्न स्टेक होल्डर्स के बीच कृषि नवाचार, प्राकृतिक खेती, महिला अनुकूल कृषि यंत्र तथा मूल्य संवर्धन तकनीकों पर विचार-विमर्श किया गया। अल्फा एवं कृषि विज्ञान केंद्र हरिहरपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय स्टेक होल्डर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरीय वैज्ञानिक व प्रधान डॉ. अनिल कुमार सिंह सोशल अल्फा एवं आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम के पदाधिकारियों तथा वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार सिंह वरीय वैज्ञानिक प्रधान, इंजीनियर कुमारी नम्रता वैज्ञानिक कृषि अभियंत्रण डॉ. कविता वर्मा वैज्ञानिक गृह विज्ञान, डॉ. जूना दाखो वैज्ञानिक उद्यान, अजीत चौधरी असिस्टेंट डायरेक्टर सोशल अल्फा, प्रशांत कुमार स्टेट प्रतिनिधि बिहार सोशल अल्फा, जय प्रकाश सिंह क्षेत्रीय प्रबंधक आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम भारत, मुकेश चंद्रा टीम लीडर, अभिषेक आनंद प्रोग्राम इंटीग्रेटर और अमित कुमार मिश्रा कार्यक्रम विशेषज्ञ कृषि सहित कई पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्टार्टअप कंपनियों जैसे स्टेपुफाई एग्रोस्योर इकोसाइट कैप्सबार तथा रुद्र सोलर द्वारा कृषि यंत्रों एवं तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों ने प्रदर्शनी का भ्रमण कर नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम द्वारा वैशाली जिले में संचालित "सोलर दीदी" कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को सिंचाई सुविधा हेतु सोलर पावर इरिगेशन सिस्टम उपलब्ध कराए जाने एवं युवाओं को उद्यम स्थापना के लिए प्रशिक्षण एवं सहायता प्रदान की जाती है।डॉ. अनिल कुमार सिंह ने संतुलित उर्वरक उपयोग पर जानकारी देते हुए कहा कि किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए तथा बायोफर्टिलाइजर एवं हरी खाद का उपयोग कर रासायनिक उर्वरकों की मात्रा कम की जा सकती है। उन्होंने बैंगन में बांझपन एवं रोग नियंत्रण हेतु फसल चक्र अपनाने, संक्रमित पौधों को उखाड़ने तथा उचित कीटनाशी दवाओं के छिड़काव की सलाह दी। साथ ही प्राकृतिक एवं जैविक खेती को सब्जियों की बीमारियों से बचाव का प्रभावी विकल्प बताया। इंजीनियर कुमारी नम्रता, वैज्ञानिक कृषि अभियंत्रण ने किसानों के बीच महिला अनुकूल कृषि यंत्र एवं पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि आम का पाउडर एवं अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार कर किसान अपनी आय बढ़ाने के साथ-साथ पोस्ट हार्वेस्ट लॉस को भी कम कर सकते हैं। स्टेपुफाई के प्रतिनिधि ने किसानों के बीच बैटरी चालित कृषि यंत्रों जैसे पावर टिलर, स्प्रेयर डिगर व मक्का शेलर का प्रत्यक्षण किया। उन्होंने बताया कि ये यंत्र विशेष रूप से महिला किसानों के लिए उपयोगी हैं। इन यंत्रों में जीरो वाइब्रेशन, कम रखरखाव तथा कम परिचालन लागत की सुविधा उपलब्ध है। इससे महिलाओं को कार्य करने में आसानी होती है तथा मजदूरी लागत में भी कमी आती है। उन्होंने बताया कि बैटरी चालित कृषि यंत्रों के उपयोग से मानव श्रम की आवश्यकता भी कम होती है।रुद्र सोलर के प्रतिनिधि ने किसानों के बीच सोलर ड्रायर का प्रत्यक्षण दिया तथा इसके महत्व एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोलर ड्रायर के माध्यम से फल एवं सब्जियों का सुरक्षित प्रसंस्करण एवं भंडारण कर किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है।डॉ. कविता वर्मा, वैज्ञानिक गृह विज्ञान ने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर जानकारी देते हुए एनीमिया जैसी समस्याओं से बचाव हेतु आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन पर बल दिया। वहीं डॉ. जूना दाखवा, वैज्ञानिक उद्यान ने सब्जी उत्पादन में रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में किसानों, वैज्ञानिकों एवं विभिन्न स्टेक होल्डर्स के बीच कृषि नवाचार प्राकृतिक खेती महिला अनुकूल कृषि यंत्र तथा मूल्य संवर्धन तकनीकों पर विचार-विमर्श किया गया।

संक्षिप्त समाचार

हयात का एशिया पैसिफिक में विशेष ऑफर, होटल स्टे पर मिलेगा 25% तक डिस्काउंट

पटना। वर्ल्ड ऑफ हयात ने एशिया पैसिफिक क्षेत्र में यात्रियों के लिए सीमित अवधि का विशेष ऑफर लॉन्च किया है, जिसके तहत सहभागी हयात होटलों में ठहरने पर मेहमानों को आकर्षक छूट मिलेगी। यह ऑफर वर्ल्ड ऑफ हयात लॉयल्टी प्रोग्राम के माध्यम से उपलब्ध है और सदस्य तथा गैर-सदस्य दोनों के लिए मान्य रहेगा। बुकिंग 1 जून 2026 तक की जा सकती है, जबकि यात्रा 31 अक्टूबर 2026 तक मान्य होगी। यह ऑफर एशिया पैसिफिक में हयात के विस्तृत होटल पोर्टफोलियो पर लागू होगा, जिसमें बिजनेस और लीजर दोनों तरह की डेस्टिनेशन शामिल हैं। भारत में इस ऑफर में शामिल प्रमुख होटल हैं — ग्रैंड हयात मुंबई, पार्क हयात हैदराबाद, हयात रीजेंसी देहरादून, हयात सेंट्रिक गोवा और अलिला फोर्ट बिशनगढ़। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पार्क हयात टोक्यो, ग्रैंड हयात सिंगापुर, हयात रीजेंसी योकोहामा, थॉम्पसन शंघाई, अलिला विला उलुवातु, अंदाज बैंकॉक और द स्टैंडर्ड पटाया ना जोमटियन जैसे होटल शामिल हैं। गर्मी की छुट्टियों और आगामी ट्रैवल सीजन को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया यह ऑफर लीजर और बिजनेस दोनों तरह के यात्रियों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

भारतीय कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडस्ट्री ने दिखाई निर्यात में 31.5% उछाल

पटना। इंडियन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडस्ट्री की कुल बिक्री में करीब 2% की मामूली गिरावट दर्ज की गई और यह 1,40,191 यूनिट से घटकर 1,36,995 यूनिट रही। हालांकि, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के धीमे क्रियान्वयन और घरेलू मांग में करीब 7% की कमी के बावजूद, निर्यात में 31.5% की मजबूत बढ़ोतरी ने इंडस्ट्री को मजबूती प्रदान की।आईसीईएमए के प्रेसिडेंट और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक शेट्टी ने कहा, "वित्त वर्ष 26 में जो मामूली गिरावट देखी गई है, उसे इंडस्ट्री की किसी बुनियादी कमजोरी के बजाय जमीनी स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर एग्जीक्यूशन की धीमी रफ्तार के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। सरकारी कैपेक्स आवंटन ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर बना हुआ है, लेकिन प्रोजेक्ट एग्जीक्यूशन में देरी, भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों और फंड जारी होने में देरी ने साल भर इक्विपमेंट की मांग पर असर डाला। साथ ही, एक्सपोर्ट में 32% की मजबूत बढ़ोतरी के साथ इंडस्ट्री ने अपनी मजबूती साबित की, जो भारत में बने कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाती है। हमें भारत के लगातार जारी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर फोकस के चलते इंडस्ट्री की दीर्घकालिक विकास की राह पर पूरा भरोसा है।

विरासत नहीं बल्कि सादगी, संस्कार एवं समर्पण से नई पहचान बना रहे निशांत : हिमराज

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने सोशल मीडिया संवाद करते हुए कहा कि बिहार की राजनीति में आज एक ऐसा व्यक्तित्व उभरकर सामने आ रहा है जिसने अपनी पहचान विरासत से नहीं बल्कि संस्कार, सादगी और समर्पण से बनाई है। वह नाम है निशांत कुमार। नीतीश कुमार के पुत्र होने के बावजूद निशांत कुमार ने कभी भी पारिवारिक प्रभाव या राजनीतिक विरासत का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने सादगी, संयम और सेवा के मार्ग को चुना है। यही कारण है कि आज वे समाज के हर वर्ग के बीच सम्मान और विश्वास का प्रतीक बनते जा रहे हैं। निशांत कुमार बार-बार यह कहते हैं कि उन्हें अपनी माता से संस्कार मिले हैं और अपने पिता के कार्यों पर गर्व है। यह केवल एक भावनात्मक वक्तव्य नहीं बल्कि उनके व्यक्तित्व और राजनीतिक सोच की गहराई को दर्शाता है। आज जब कई लोग अपनी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए विरासत से दूरी बनाते हैं, वहीं निशांत कुमार अपने पिता के विकास कार्यों और जनसेवा की राजनीति को गर्व के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लेते दिखाई देते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया है कि अपराध, भ्रष्टाचार और समाज को बांटने वाली विचारधाराओं से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि बिहार के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करने वाला संकल्प है। नीतीश कुमार ने अपने नेतृत्व में बिहार को नई पहचान दी है। सुशासन, महिला सशक्तिकरण, जीविका, शिक्षा, सड़क, पुल, बिजली, पानी और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में जो ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, उन्होंने बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।निशांत कुमार अब उसी विकास मॉडल और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए जनता के बीच संवाद स्थापित कर रहे हैं। वे गांव-गांव जाकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों से मिल रहे हैं, उनकी समस्याओं को समझ रहे हैं और उनसे सीधा जुड़ाव बना रहे हैं। उनकी सद्भाव यात्रा ने जनता के बीच विश्वास और अपनत्व का वातावरण तैयार किया है।

विधायक श्याम रजक ने 1.27 करोड़ की सड़क एवं नाला निर्माण योजना का किया शिलान्यास

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।फुलवारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद फुलवारी शरीफ के वार्ड संख्या-11 एवं 12 में मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत 1 करोड़ 27 लाख रुपये की लागत से पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण कार्य का शुक्रवार को विधायक श्याम रजक ने शिलान्यास किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद चेयरमैन आफताब आलम ने की. वार्ड संख्या-11 में साकेत बिहार मोड़ से ज्ञान ज्योति स्कूल होते हुए शिवनारायण चौक से रामसेवक शर्मा के मकान तक 61 लाख रुपये की लागत से पीसीसी सड़क निर्माण कार्य कराया जाएगा. वहीं वार्ड संख्या-12 में पेठिया बाजार स्थित ईश्वरी सिंह के गोदाम से रानीपुर पुल तक 66 लाख रुपये की लागत से पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण होगा. शिलान्यास समारोह में विधायक श्याम रजक ने कहा कि सड़क विकास की रीढ़ होती है और यह केवल सड़क नहीं बल्कि जनता के विश्वास की नींव है. उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सड़क एवं नाला निर्माण का जो वादा किया गया था, उसे अब पूरा किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि बाजार जाने वाली महिलाओं, नौकरीपेशा लोगों एवं आम नागरिकों को खराब सड़क के कारण काफी परेशानी होती थी, जो अब दूर होगी. विधायक ने बताया कि जल्द ही साकेत बिहार मोड़ पर हाईमास्ट लाइट भी लगाई जाएगी. साथ ही बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं. कार्यक्रम का संचालन रामसेवक शर्मा ने किया. इस मौके पर नगर परिषद महानगर अध्यक्ष मो. मिनहाज आलम, गुड्डु रजक, सुभाष नारायण, बद्री नारायण, पप्पू चांद, राम सेवक शर्मा,रमेश प्रसाद यादव समेत जदयू के कई नेता, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे.

बढ़ते अपराध से कांपता समाज, हत्या के बाद आंख निकाली, कान काटा

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।बिहार में अपराध की घटनाएं अब केवल आंकड़े नहीं रह गई हैं, बल्कि समाज की आत्मा को झकझोर देने वाली भयावह तस्वीर बन चुकी हैं। कहीं खेत देखने गए बुजुर्ग किसान की निर्मम हत्या कर आंख निकाल ली जाती है, तो कहीं जेल से छूटते ही अपराधी अपनी पत्नी को गोलियों से छलनी कर दिया है। सवाल यह है कि आखिर अपराधियों के भीतर कानून और जेल का भय क्यों समाप्त हो चुका है? पूर्णिया जिले के अमौर थाना क्षेत्र के मेहदीपुर पंचायत स्थित कजरा टोला में 73 वर्षीय किसान मोहम्मद ईलियास खेत देखने गए थे। लेकिन अपराधियों ने जिस हैवानियत के साथ उनकी हत्या की, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। हत्या के बाद मृतक की बायीं आंख निकाल ली गई और कान काट लिया गया। यह केवल हत्या नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती क्रूर मानसिकता का जीवंत उदाहरण है। गांवों में दहशत है, लोग भयभीत हैं, और हर चेहरे पर यही सवाल है कि आखिर आम आदमी सुरक्षित कहां है? उधर शेखपुरा जिले के सिरारी थाना क्षेत्र के कैनवास रेलवे फाटक के समीप हुई घटना ने यह साबित कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। नवादा जेल से महज दो दिन पहले बाहर निकला दीपक कुमार सीधे अपनी पत्नी प्रतिमा देवी के पास पहुंचा और उसे गोलियों से छलनी कर दिया। पत्नी के जबड़े और गर्दन में चार गोलियां दाग दी गईं। घटना के बाद आरोपी भागने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया। बताया जाता है कि वह ग्रामीणों पर भी गोली चलाना चाहता था, लेकिन मैगजीन खाली हो चुकी थी। आक्रोशित भीड़ ने उसकी इतनी पिटाई की कि उसकी मौत हो गई।

राज्य के नगर निकायों में लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए "ईज़ ऑफ़ लिविंग" को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता : नीतीश मिश्रा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के माननीय मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने आज विकास भवन स्थित नगर विकास एवं आवास विभाग के अपने कार्यालय कक्ष में विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभाग के प्रधान सचिव श्री विनय कुमार ने उनका स्वागत करते हुए विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। पदभार ग्रहण करने के उपरांत माननीय मंत्री ने विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि राज्य के नगर निकायों में लोगों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में बिहार के शहरी क्षेत्रों में तेजी से विस्तार हुआ है और आज राज्य का शहरीकरण लगभग 17 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।इन परिस्थितियों में शहरी विकास को सुव्यवस्थित एवं दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाना आवश्यक है। श्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि कोई भी शहर उस राज्य के सुशासन एवं विकास का प्रतिबिंब होता है। बिहार आने वाला कोई भी व्यक्ति सबसे पहले पटना और अन्य शहरों को देखकर राज्य के विकास की छवि अपने मन में बनाता है। हमारी कोशिश होगी कि राज्य के सभी 264 नगर निकायों को आवश्यक सहयोग एवं हैंड-होल्डिंग उपलब्ध कराया जाए जिससे वे स्थानीय स्तर पर बेहतर कार्य कर सकें। विभाग की ओर से हर संभव सहायता दी जाएगी।

शिक्षा जगत में खुशी की लहर : मिथिलेश तिवारी के शिक्षा मंत्री बनने पर राष्ट्र रतन संगठन व शिक्षाविदों ने दी बधाई

नई सोच एक्सप्रेस

डेहरी ओन सोन रोहतास। बिहार सरकार में मिथिलेश तिवारी को शिक्षा मंत्री बनाए जाने पर जिले भर के शिक्षाविदों एवं राष्ट्र रतन संगठन के पदाधिकारियों में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बिहार की शिक्षा व्यवस्था नई दिशा और नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। इस अवसर पर राष्ट्र रतन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधेश्वर सिंह , डीके कार्मेल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश कुमार (डिवाइन पब्लिक स्कूल), राष्ट्रीय सदस्य आनंद कुमार सिंह , आरएसके पब्लिक स्कूल, प्रशांत सिंह , सोन राइजिंग स्कूल , समीर कुमार , डीपीएस स्कूल डालमियानगर तथा जिला अध्यक्ष अरविंद भारती , (अरविंद एकेडमी, डेहरी) सहित जिले के अनेक शिक्षाविदों ने खुशी व्यक्त की। शिक्षाविदों ने कहा कि मिथिलेश तिवारी शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों को गंभीरता से समझते हैं और उनके अनुभव का लाभ बिहार के लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं निजी विद्यालयों को मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। राष्ट्र रतन संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि बिहार में शिक्षा के विकास के लिए यह निर्णय मील का पत्थर साबित होगा तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हिमालया बेबीकेयर ने मदर्स डे पर लॉन्च किया भावपूर्ण डीवीसी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारत के भरोसेमंद बेबी केयर ब्रांड्स में से एक हिमालया बेबीकेयर ने मदर्स डे के अवसर पर एक भावपूर्ण डिजिटल वीडियो कमर्शियल (डीवीसी) लॉन्च किया है। यह कैंपेन शिशु के 'पहले अनुभवों' और मां के साथ उसके भावनात्मक रिश्ते को दर्शाता है। सदाबहार लोरी "चंदा है तू" की पृष्ठभूमि में तैयार इस फिल्म में मां और बच्चे के रोजमर्रा के खास पलों को दिखाया गया है। फिल्म में शिशु की पहली मालिश, खेलने के पल और स्कूल के पहले दिन जैसे अनुभवों के जरिए मां की भावनात्मक यात्रा को उभारा गया है। हिमालय वेलनेस कंपनी के निदेशक - बेबीकेयर, चक्रवर्ती एन.वी. ने कहा कि यह कैंपेन मातृत्व के उन छोटे-छोटे पलों का जश्न है, जो मां और बच्चे के रिश्ते को और मजबूत बनाते हैं। फिल्टरकॉपी के डी2सी हेड विश्वनाथ शेट्टी ने कहा कि "चंदा है तू" की आत्मीयता के जरिए मातृत्व के खास पलों को भावनात्मक रूप से प्रस्तुत करने की कोशिश की गई है। यह कैंपेन सोशल और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कई क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारित किया जाएगा।

रेड क्रॉस के जन्मदाता सर हेनरी डुनेट का जयंती धूम धाम से मनाई गई

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।शुक्रवार को भारतीय रेड क्रास सोसाइटी दानापुर शाखा में विश्व रेड क्रास दिवस व हेनरी ड्यूनेंट का जन्म दिवस बेड़े ही धूम-धाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह का उद्घाटन अध्यक्षता कर रही राज कुमारी देवी व शाखा के स्थाई सदस्य मोलवी हसन उर्फ मक्खन ने दीप प्रज्वलित का कर ड्यूनेंट के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में इस वर्ष का थीम " "Humanity in Unity पर विस्तारपूर्वक चाची की गई। उपस्थित लोगों ने मान मानवता, एकता एवं सेवा भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज कुमारी देवी ने कहा कि यह दिन निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित करने और संघर्षों, प्राकृतिक आपदाओं व स्वास्थ्य संकटों के दौरान जरूरतमंदों की मदद करने के संकल्प को दोहराने का अवसर है। इस मौके पर रेड क्रास सोसाइटी के कई सदस्या शामिल थे।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मंत्री संजय कुमार सिंह ने संभाला पदभार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार के मंत्री श्री संजय कुमार सिंह ने शुक्रवार को विश्वेश्वरैया भवन स्थित विभागीय मुख्यालय में वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के साथ पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद विभाग के सचिव श्री पंकज कुमार पाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विभाग के अभियंता प्रमुख, विशेष सचिव, अपर सचिव सहित अन्य अधिकारियों ने भी मंत्री का अभिनंदन किया। इसके उपरांत मंत्री श्री संजय कुमार सिंह ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर राज्य में संचालित जलापूर्ति योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट नहीं होने देने पर जोर दिया तथा जल संकट वाले जिलों में वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की

तीन-तीन सुंदर हीरोइन्स के फेर में उलझे आयुष्मान खुराना

पति पत्नी और वो दो का ट्रेलर रिलीज, 15 मई को आएगी फिल्म

आयुष्मान खुराना एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपनी जिंदगी की खलबली लेकर लौट आए हैं। बहुप्रतीक्षित फिल्म पति पत्नी और वो दो का मजेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें आयुष्मान 1-2 नहीं, बल्कि 3-3 हसीनाओं के बीच बुरी तरह फंसे नजर आ रहे हैं। प्यार, शादी और जबरदस्त उलझनों से भरा ये ट्रेलर देख दर्शक खूब ठहाके लगा रहे हैं। फिल्म में आयुष्मान के साथ सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी। बॉलीवुड में एक बार फिर पति की मुसीबतों वाली कहानी की वापसी हुई है। गानों और टीजर के जरिए माहौल बनाने के बाद अब पति पत्नी और वो दो का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म की कहानी प्रजापति पांडे (आयुष्मान) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी जिंदगी में एक पत्नी और एक नहीं, बल्कि 2-2 प्रेमिकाएं हैं। इस कन्फ्यूजन और अफरा-तफरी से प्रजापति कैसे बाहर निकलेंगे, यही फिल्म की मुख्य कहानी है।

मुदस्सर अजीज, जिन्होंने पति पत्नी और वो और मेरे हस्बैंड की बीवी जैसी फिल्मों से अपनी खास पहचान बनाई है, एक बार फिर अपनी चिर-परिचित शैली में लौट आए हैं। इस बार भी उन्होंने एक ऐसी कहानी बुनी है, जहां हीरो महिलाओं के चक्कर में बुरी तरह फंसा हुआ है। फिल्म में विजय राज, तिग्मांशु धूलिया और दुर्गेश कुमार जैसे कलाकार भी हैं। टी-सीरीज और बीआर स्टूडियोज के बैनर तले बनी ये फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी।

बता दें कि पति पत्नि और वो नाम की पहली फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने लीड रोल निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और लोगों को खूब पसंद आई थी। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद अब इसी तरह की एक और फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। 15 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म से मेकर्स को अच्छी उम्मीदें हैं। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी कमाई के मामले में कुछ कमाल कर पाती है या नहीं। ट्रेलर रिलीज होते ही फैन्स का भी इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में इसकी कहानी की भी झलक देखने को मिल रही है। फिल्म में दमदार कॉमेडी देखने को मिलने वाली है। विजय राज जैसे कमाल के कलाकार भी इस फिल्म में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं।

नानी की द पैराडाइज 2 भागों में होगी रिलीज?

निर्माताओं ने दी ये प्रतिक्रिया

साउथ सुपरस्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज को देखने का इंतजार बढ़ गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान किया, जो 21 अगस्त, 2026 है। दरअसल, पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज होना था, जिससे इसकी टक्कर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 और यश की टॉक्सिक से होने की संभावना थी। इस बदलाव के बीच द पैराडाइज के 2 भागों में रिलीज होने की चर्चा थी, जिसपर निर्माताओं ने प्रतिक्रिया दी है। रिपोर्ट के हवाले से बताया, द पैराडाइज के निर्माताओं ने पुष्टि की है कि वह इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को स्टैंडअलोन के रूप में रिलीज करेंगे। मतलब यह कि फिल्म को कोई सीक्वल नहीं होगा। इसे एक स्वतंत्र प्रोडक्शन के रूप में रिलीज किया जाएगा, इसका किसी अन्य प्रोजेक्ट से कोई संबंध नहीं होगा। बताया जाता है कि निर्माताओं ने फिल्म के भविष्य को लेकर उत्सुक एक प्रशंसक के सवाल पर यह स्पष्टीकरण दिया है। द पैराडाइज का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है जिसमें मुख्य अभिनेता के अलावा, राघव जुयाल, मोहन बाबू, तनिकेला भरानी, सोनाली कुलकर्णी, संपोर्नेश बाबू और ईश्वरी राव जैसे सितारे दिखेंगे। निर्माताओं का दावा है कि यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म होगी। इसकी कहानी एक वंचित समूह के इर्द-गिर्द घूमेगी जो अपने अधिकारों के लिए सत्ता को चुनौती देता है। बता दें, नानी आखिरी बार फिल्म हिटः द थर्ड केस में नजर आए थे जो मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

सिटाडेल 2 से दिल जीतने आईं प्रियंका चोपड़ा

इन फिल्मों-सीरीज से भी लूटी वाहवाही

प्रियंका चोपड़ा की कामयाबी के चर्चे पूरी दुनिया में गूंजते हैं। यही कारण है कि उनकी हर परियोजना का इंतजार फैंस बेसब्री से करते हैं। 6 मई को अभिनेत्री अपनी चर्चित हॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल का दूसरा सीजन लेकर आई हैं। इस जासूसी-थ्रिलर का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर किया गया है, जिसमें रिचर्ड मैडेन भी मुख्य किरदार में हैं। आइए जानते हैं प्रियंका की पिछली हॉलीवुड फिल्मों-सीरीज के बारे में, जिन्होंने उन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। टीवी सीरीज क्वांटिको को प्रियंका के करियर का सबसे बड़ा मील का पत्थर माना जाता है, क्योंकि इसने उन्हें विश्व स्तर पर कामयाबी दिलाने का काम किया। इस सीरीज में उन्होंने एलेक्स पैरिश नाम की एक तेज-तर्रार एफबीआई का रोल निभाया है। उनका अभिनय इतना शानदार रहा कि लगातार 2 साल उन्होंने इसके लिए पीपुल्स चॉइस पुरस्कार जीता। यही नहीं, प्रियंका पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री बन गईं, जिसने किसी बड़े अमेरिकी टीवी नेटवर्क के शो में मुख्य भूमिका निभाई।

प्राइम वीडियो पर सिटाडेल का पहला सीजन साल 2023 में आया था। यह जासूसी थ्रिलर सीरीज है, जिसमें प्रियंका ने नादिया सिंह का रोल निभाया है, जो सिटाडेल की एक एलीट जासूस है। गेम ऑफ थ्रोन्स वाले अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी सीरीज में मुख्य किरदार में हैं। 6 एपिसोड वाली इस सीरीज में, प्रियंका ने अपने अभिनय से ग्लोबल स्तर पर कामयाबी हासिल की। खबरों के मुताबिक, सिटाडेल में उन्होंने करीब 80 प्रतिशत स्टंट खुद किए हैं।

2025 में आई एक्शन-कॉमेडी फिल्म हैड्स ऑफ स्टेट भी प्रियंका के हॉलीवुड करियर में चार चांद लगाने का काम कर चुकी है। इसमें उनके साथ जॉन सीना और इड्रिस एल्बा भी नजर आए थे। यह एक बडी-कॉप फिल्म है, जिसमें कॉमेडी के साथ-साथ हाई-ऑक्टेन एक्शन दृश्य हैं। फिल्म द ब्लफ में, प्रियंका ने पिछले जासूसी किरदारों से बिल्कुल अलग किरदार निभाया है। पूर्व महिला समुद्री डाकू के किरदार में वह तलवारबाजी और पुराने हथियारों का इस्तेमाल करते नजर आईं हैं।

राजा शिवाजी का ताबड़तोड़ कलेक्शन जारी, 50 करोड़ के करीब पहुंचे रितेश देशमुख

रितेश देशमुख द्वारा अभिनीत और निर्देशित ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी कारोबारी दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बना चुकी है। इसने 1 मई को सिनेमाघरों का रुख किया था और इसे हिंदी के साथ-साथ मराठी भाषा में रिलीज किया गया है। दोनों ही भाषाओं में फिल्म हर दिन धाकड़ कमाई कर रही है और 50 करोड़ के क्लब में शामिल होने से कुछ दूर है। दूसरी ओर इसके साथ रिलीज हुई फिल्म एक दिन का बुरा हाल है। सैकनिल्क के मुताबिक, रितेश अभिनीत राजा शिवाजी ने 5वें दिन 4.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसमें हिंदी संस्करण से 1.55 करोड़ और मराठी संस्करण से 3.35 करोड़ रुपये शामिल है। इस कमाई के साथ फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5 दिनों में कुल 44.40 करोड़ रुपये कमा चुकी है। अब इसका लक्ष्य 50 करोड़ के क्लब में अपनी जगह बनाना है। इस पीरियड ड्रामा में जेनेलिया डिसूजा, संजय दत्त, विद्या बालन, अभिषेक बच्चन और भाग्यश्री जैसे सितारे हैं। साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन भी 1 मई को रिलीज हुई थी, लेकिन पहले हफ्ते में कमाई बेहाल होकर लाखों रुपये में सिमट गई है। फिल्म ने 5वें दिन कुल 28 लाख रुपये कमाए हैं। अब तक यह बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 3.51 करोड़ रुपये बटोर पाई है। वहीं 17 अप्रैल को रिलीज अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला ने 19वें दिन 2.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसका कुल कलेक्शन 1,46.50 करोड़ रुपये हो गया है।

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल की बदल सकती है रिलीज तारीख

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल 8 मई को रिलीज होने के लिए तैयार थी, लेकिन अब ऐसा हो पाना असंभव लग रहा है। खबर है कि फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की तरफ से रुकावट का सामना करना पड़ रहा है। पहले ट्रेलर 30 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, लेकिन सेंसर बोर्ड की मंजूरी न मिलने के कारण योजना को स्थगित कर दिया गया। अब फिल्म भी सेंसर से हरी झंडी का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया, फिल्म की प्रकृति और कथानक ऐसा है कि सीबीएफसी के सदस्य सतर्क हैं। फिल्म निर्माताओं ने सीबीएफसी समिति को समझाया है कि उनकी फिल्म ऐतिहासिक घटनाओं और अभिलेखों पर आधारित है, इसलिए इसे रिलीज किया जाना चाहिए। फिल्म निर्माताओं और सीबीएफसी के बीच बातचीत में काफी समय लग गया। इसलिए, आखिरी सवाल के निर्माताओं को लग रहा है कि फिल्म को कुछ समय के लिए टाल देना ही समझदारी होगी। सूत्र ने आगे कहा, फिलहाल, फिल्म निर्माता 15 मई को फिल्म रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। बेशक, यह सेंसर की मंजूरी समय पर मिलने पर निर्भर करेगा। सभी बाधाएं दूर होते ही इस संबंध में जल्द ही घोषणा की जा सकती है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित आखिरी सवाल आरएसएस के 100 साल के इतिहास से प्रेरित कहानी है। इसमें समीरा रेड्डी, अमित साध, नीतू चंद्र और त्रिधा चौधरी जैसे सितारे भी हैं।

संतरे के छिलकों का इन 5 तरीकों से करें इस्तेमाल

आमतौर पर लोग संतरे के छिलके को फेंक देते हैं, लेकिन यह त्वचा की देखभाल करने और घर को ताजगी देने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। संतरे के छिलकों में विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिनसे आप संतरे के छिलकों का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा और घर को ताजगी दे सकते हैं। संतरे के छिलके का पाउडर चेहरे की सफाई के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को धूप में सुखाकर पीस लें और फिर उसमें थोड़ा दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा साफ और ताजगी भरा महसूस होगा। यह उपाय त्वचा को निखारने में भी मदद करता है। संतरे के छिलके का स्क्रब बनाकर इस्तेमाल करना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को पीसकर उसमें थोड़ा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों, पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों पर हल्के हाथों से मलें और फिर ठंडे पानी से धो लें। यह स्क्रब आपकी त्वचा को मुलायम बनाने के साथ-साथ मृत कोशिकाओं को भी हटा सकता है। संतरे के छिलके का इस्तेमाल दांतों को चमकाने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए एक साफ कपड़े या ब्रश पर थोड़ा सा संतरे का छिलका रगड़ें और उसे अपने दांतों पर हल्के हाथों से मलें। इससे आपके दांत साफ होंगे और उनकी चमक भी बढ़ेगी। यह तरीका न केवल आपके दांतों को साफ करता है बल्कि मुंह की बदबू को भी दूर करता है। संतरे के छिलके का पानी बनाकर उसका उपयोग घर की सफाई के लिए किया जा सकता है। इसके लिए कुछ संतरे के छिलकों को पानी में उबाल लें और जब पानी ठंडा हो जाए तो उसे स्प्रे बोतल में भर लें। इस मिश्रण का छिड़काव करने से घर की सतहें साफ होंगी और ताजगी भी मिलेगी।

यह तरीका फर्श, टेबल, काउंटरटॉप आदि को साफ करने के लिए बहुत ही प्रभावी है। संतरे के छिलकों की खुशबू तनाव कम करने में मदद कर सकती है। इसके लिए आप कुछ सूखे हुए संतरे के छिलकों को पानी में उबालें और इस पानी को कमरे में फैलाएं या फिर नहाते समय इस पानी का इस्तेमाल करें। इससे आपका मन हल्का होगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इस प्रकार संतरे के छिलके कई तरीकों से हमारे जीवन में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास

अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है। टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में

दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं। दूसरी ओर सूर्या ने अगले दो साल तक कप्तान बने रहने की इच्छा जाहिर की है पर बीसीसीआई उन्हें शायद ही अवसर दे। वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी बेहतर होती जा रही है। पिछले आईपीएल सीजन में उन्होंने पंजाब किंग्स को शानदार तरीके से फाइनल तक पहुंचाया था, और आईपीएल 2026 में भी उनका प्रदर्शन अब तक जबरदस्त रहा है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

एजेंसी, लखनऊ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए

जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं। इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया।

आईपीएल 2026 अंक तालिका में आया हल्का बदलाव

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ जीत के साथ ही अंक तालिका में भी हल्का बदलाव आया है। आरसीबी अब 10 मैचों में चार हार और 6 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है, पहले 9 मैचों में 6 जीत और तीन हार के साथ तीसरे स्थान पर थी। वहीं लखनऊ की टीम ने जीत हासिल करने के बाद भी 10 मैचों में तीन जीत और 7 हार के साथ 10वें स्थान पर ही है। वहीं 14 अंकों के साथ सनराइजर्स

हैदराबाद की टीम शीर्ष पर है, जबकि 13 अंकों के साथ पंजाब किंग्स दूसरे और 12 अंकों के साथ राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर है।

वॉन ने राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी पर नाराजगी जतायी

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नए राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जतायी है। वॉन ने कहा है कि पिछले चार माह से इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) चयनकर्ता की घोषणा नहीं कर पाया है जो बेहद निराशाजनक है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि एक और जहां टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रही है। वहीं दूसरी ओर चयनकर्ता का पद खाली है। ऐसे में टीम का चयन किस प्रकार किया जाएगा। ये समझ नहीं आ

रहा। वॉन ने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जा सकाता है। उन्होंने नये चयनकर्ता के जल्द से जल्द पदभार संभालने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, मैं चाहता था कि चयनकर्ता अब तक नियुक्त कर दिया जाना चाहिये था। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पूर्व चयनकर्ता लुक राइट ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंत में पद छोड़ा था और उनकी जग नये चयनकर्ता की तलाश में ईसीबी ने चार माह लगा दिये। जो कि काफी लंबा समया है। यह पद तब से खाली है जब ल्यूक राइट ने 22 जनवरी को घोषणा की थी कि वह छोड़ देंगे, हालांकि उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप के बाद पद छोड़ा। इसके बावजूद, उनके जगह नये चयनकर्ता को खोजने की प्रक्रिया अब जाकर अपने अंतिम चरण में पहुंची है, ईसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों 4-1 से एशेज में मिली हार के बाद पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के ढांचे की समीक्षा शुरू की थी।

बिजनेस

वॉलमार्ट ने भारतीय कारोबारियों के लिए वैश्विक स्तर पर अवसर बढ़ाने के लिए ग्रोथ समिट 2026 का किया आयोजन

- **वॉलमार्ट वृद्धि ने देश में अब तक 1,15,000 से ज्यादा एमएसएमई को किया है सशक्त**

एजेंसी, नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में वॉलमार्ट ग्रोथ समिट के दूसरे संस्करण इंडिया 2026 का आयोजन किया। वॉलमार्ट ने इस आयोजन के जरिए निर्यात के लिए तैयार उद्यमों, एमएसएमई, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स, डी2सी विक्रेताओं और सप्लाई चेन भागीदारों को एक मंच पर लाया, ताकि वे देश और विदेश दोनों बाजारों में विकास के नए अवसरों को तलाश सकें।

वॉलमार्ट इंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन फर्नर ने कहा, 'आज के वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत सबसे ज्यादा गतिशील अवसरों का प्रतिनिधित्व करता है। हमने अब तक भारत से 40 अरब

डॉलर से ज्यादा के उत्पादों की सोर्सिंग की है और उद्यमियों को मजबूत करने एवं सप्लायर्स की क्षमता बढ़ाने, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण मानक स्थापित करने और मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को निर्यात के लिए तैयार करने में मदद मिली है। इससे व्यापक आर्थिक अवसर बन रहे हैं और इनोवेटिव कंपनियों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने का मौका मिल रहा है।' उन्होंने बताया कि भारत में एमएसएमई के विकास के मामले में उल्लेखनीय पड़ाव पार करते हुए वॉलमार्ट वृद्धि सप्लायर डेवलपमेंट प्रोग्राम ने आज बताया कि 2019 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से अब तक इसने देशभर में 1,15,000 से ज्यादा एमएसएमई को प्रशिक्षित किया है, उन्हें डिजिटल क्षमताओं से लैस किया है, जरूरी कारोबारी कौशल सिखाए हैं और नए बाजारों तक पहुंचने में मदद की है।

जॉन फर्नर ने बताया कि 2028 तक कुल 1,70,000 एमएसएमई का समर्थन करने की योजना के साथ यह प्रोग्राम लगातार ऐसे एमएसएमई को मजबूत कर रहा है, जो नए बाजारों में निर्यात करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक से अब तक वॉलमार्ट ने पूरे भारत में मजबूत सप्लायर साझेदारियां की हैं। इससे निर्यात के मामले में दीर्घकालिक क्षमता विकसित करने और वैश्विक स्तर पर विनिर्माण हब के रूप में भारत की उभरती छवि में योगदान मिला है।

वॉलमार्ट ने जारी बयान में कहा कि भारत से अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के उत्पादों की सोर्सिंग करने और वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के जरिए 1.15 लाख से अधिक उद्यमियों को सशक्त बनाने के बाद, इस समिट में भारत के निर्यात इकोसिस्टम को और मजबूत करने तथा अधिक से अधिक भारतीय व्यवसायों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की वॉलमार्ट की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को प्रमुखता से रेखांकित किया गया।

वॉलमार्ट एवं फ्लिपकार्ट के अधिकारियों ने ग्लोबल सप्लाई चेन में भारतीय कंपनियों की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। साथ ही स्थानीय साझेदारियां बढ़ाने और क्षमता निर्माण के प्रयासों को रेखांकित किया। जयपुर और कोयंबटूर में क्षेत्रीय ग्रोथ समिट आयोजनों के बाद यह शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। भारत सरकार के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट ऑर्गनाजेशंस (एफआईईओ) के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यक्रम से प्रमुख एमएसएमई क्लस्टर्स में पहुंच मजबूत करने में मदद मिली। आगामी वर्षों में ऐसे और शिखर सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। फ्लिपकार्ट ग्रुप के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, 'फ्लिपकार्ट ग्रुप में हमने इस बात को व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है कि कैसे टेक्नोलॉजी और डिजिटल कॉमर्स से पूरे भारत में लाखों छोटे कारोबारियों, उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय समुदायों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। फ्लिपकार्ट समर्थ और वॉलमार्ट वृद्धि जैसी पहलों के माध्यम से हम क्षमता निर्माण करने, बाजार तक पहुंच बेहतर करने और कंपनियों के लिए वैश्विक एवं घरेलू बाजार में विकास के रास्ते खोलने में मदद कर रहे हैं।

स्टेट बैंक का चौथी तिमाही का मुनाफा छह फीसदी बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली

देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ छह फीसदी बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शुक्रवार को कहा कि फंसे कर्ज में सुधार होने से उसके लाभ में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एसबीआई का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च तिमाही में छह फीसदी बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 18,643 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

स्टेट बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 1,40,412 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 पहले समान तिमाही में 1,43,876 करोड़ रुपये थी। हालांकि, चौथी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय बढ़कर 1,23,098 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,19,666 करोड़ रुपये थी। एसबीआई के मुताबिक बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल कर्ज का 1.49 फीसदी रह गईं, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही के अंत में 1.82 फीसदी रही थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए घटकर 0.39 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 0.47 फीसदी था। बैंक ने बताया कि चौथी तिमाही में एकीकृत आधार पर एसबीआई का शुद्ध लाभ मामूली बढ़कर 19,643 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 19,600 करोड़ रुपये था। इस तरह कुल आय बढ़कर 1,81,079 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में 1,79,562 करोड़ रुपये थी। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 13 फीसदी बढ़कर 80,032 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 70,901 करोड़ रुपये था। एसबीआई ने कहा कि बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 17.35 रुपये के लाभांश की घोषणा की है। बैंक ने कहा कि लाभांश पाने के पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए रिकॉर्ड तिथि 16 मई है, जबकि लाभांश का भुगतान चार जून को तय किया जाएगा।

राज्यों के जीडीपी की गणना के लिए 2022-23 के आधार वर्ष के साथ दिशा-निर्देश जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

सांख्यिकी मंत्रालय ने गुरुवार को राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की गणना के लिए 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए एक समान दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस कदम से सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय लेखा

खातों की गणना के लिए आधार वर्ष को पहले ही 2022-23 में बदल दिया गया है ताकि नये आंकड़ों और विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को अधिक सटीक रूप से समझा जा सके। मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय लेखा के आधार वर्ष को अपडेट कर 2022-23 कर दिया है। इस संशोधन का उद्देश्य आधुनिक डेटा स्रोतों और विकसित हो रहे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को अधिक सटीक रूप से प्रस्तुत करना है। इस परिवर्तन के अनुरूप राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) संकलन के लिए नए आधार वर्ष को अपनाना अनिवार्य है।

वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने बैंकों को 'माइथोस' से होने वाले जोखिम के बारे में चेताया

नई दिल्ली/मुंबई। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने गुरुवार को एंथ्रोपिक माइथोस एआई मॉडल से होने वाले खतरे पर प्रकाश डालते हुए बैंकिंग समुदाय से आग्रह किया कि अगर माइथोस देश में सार्वजनिक रूप से रिलीज होता है, तो उसका सामना करने के लिए तैयार रहें। एम. नागराजू ने यहां 'भारतीय बैंक संघ'(आईबीए) की तरफ से आयोजित जोखिम प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि बैंकिंग समुदाय इस स्थिति के लिए तैयार है, अगर 'माइथोस' देश में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होता है।" डीएफएस के सचिव ने बैंकों से अपनी साइबर सुरक्षा एवं परिचालन मजबूती को सुदृढ़ करने का आह्वान करते हुए कहा कि एंथ्रोपिक माइथोस जैसे उन्नत कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने की स्थिति में बैंकिंग प्रणाली के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। एम. नागराजू ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में लिखा कि मुंबई में 'जोखिम प्रबंधन' पर आयोजित पहले आईबीए शिखर सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया।

गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 394 अंक लुढ़का

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली दिख रही है। बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर हैं। शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 394 अंक व निफ्टी में 135 अंक की गिरावट है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 394.25 अंक यानी 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 77,450.27 के स्तर पर ट्रेंड कर

रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 95.70 अंक यानी 0.39 फीसदी फिसलकर 24,230.95 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में ऑटो और बैंक शेयरों में बिकवाली जारी है, जबकि फार्मा और आईटी शेयरों में खरीदारी दिख रही है। शेयर बाजार में गिरावट का कारण बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली है। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे गिरकर 94.58 पर आ गया है। वहीं, अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।